



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 254]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्तूबर 1, 2015/आश्विन 9, 1937

No. 254]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 1, 2015/ASVINA 9, 1937

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अक्तूबर, 2015

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन. गण., रूस और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 'रबड़ संबंधी अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होने वाले कार्बन ब्लैक' के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा (एसएसआर) जाँच

संख्या 15/8/2014-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

2. यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) द्वारा दिनांक 26 दिसम्बर, 2008 की अधिसूचना सं. 14/21/2008-डीजीएडी द्वारा आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण. रूस और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 'रबड़ संबंधी अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होने वाले कार्बन ब्लैक' (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच शुरू की गई थी। प्राधिकारी द्वारा दिनांक 25 मई, 2009 की अधिसूचना सं. 14/21/2008-डीजीएडी द्वारा आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण., रूस और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई। केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 30 जुलाई, 2009 की अधिसूचना सं. 83/2009-सीमाशुल्क द्वारा आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण., रूस और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। प्राधिकारी द्वारा 24 दिसम्बर, 2009 की अधिसूचना सं. 14/21/2008-डीजीएडी 4192 GI/2015

द्वारा अंतिम जाँच परिणाम अधिसूचना प्रकाशित की गई थी। केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 28 जनवरी, 2010 की अधिसूचना सं. 6/2010-सीमाशुल्क द्वारा उक्त देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

3. यतः मै. आटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) द्वारा किए गए एक आवेदन के आधार पर प्राधिकारी द्वारा दिनांक 30 अगस्त, 2011 की अधिसूचना सं. 15/41/2010-डीजीएडी द्वारा और 28 फरवरी, 2013 की अधिसूचना सं. 15/41/2010-डीजीएडी द्वारा शुरू की गई मध्यावधि समीक्षा (एमटीआर) में बढ़ी हुई दरों पर पाटनरोधी शुल्क को लागू रखने की सिफारिश की गई जिसे दिनांक 26 अप्रैल, 2013 की अधिसूचना सं. 9/2013-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा लागू किया गया था।

4. यतः, मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मै. हार्ड-टैक कार्बन, जिन्हें अब एसकेआई कार्बन ब्लैक (इंडिया) प्रा. लि. के रूप में जाना जाता है, (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक भी कहा गया है), ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत रूप से साक्ष्यांकित आवेदन दायर किया है जिसमें आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण., रूस और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति के जारी रहने और उसकी पुनरावृत्ति होने का आरोप लगाया गया है और उक्त देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसे जारी रखने और उसे बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। उसके बाद याचिकाकर्ताओं ने आस्ट्रेलिया से आयातों के संबंध में अपनी याचिका वापस ले ली थी और तदनुसार प्राधिकारी ने वर्तमान एसएसआर जाँच के दायरे से आस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया और चीन जन. गण., रूस और थाइलैंड को वर्तमान एसएसआर जाँच में संबद्ध देश माना है। तदनुसार, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 15 जुलाई, 2014 की अधिसूचना सं. 15/8/2014-डीजीएडी द्वारा निर्णायक समीक्षा (एसएसआर) जाँच की शुरुआत की ताकि चीन जन. गण., रूस और थाइलैंड (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में लागू शुल्कों को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा की जा सके और इस बात की जाँच की जा सके कि क्या ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को क्षति होने की आशंका है।

ख. प्रक्रिया

5. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- i. प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों और घरेलू उत्पादकों को दिनांक 15 जुलाई, 2014 की जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजीं। ज्ञात हितबद्ध पक्षों से विहित समय-सीमा के भीतर लिखित में प्रश्नावली का उत्तर देने और उनके विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के साथ संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई तथा उनसे संबद्ध देश से निर्यातकों/उत्पादकों को विहित समय-सीमा के भीतर उत्तर देने की सलाह देने का अनुरोध किया गया।
- ii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली 6(3) के अनुरूप आवेदक की ओर से प्रस्तुत किए गए आवेदन के अगोपनीय अंश की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों, अन्य घरेलू उत्पादकों और संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराई थी।
- iii. नियमावली के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को निर्णायक समीक्षा की शुरुआत की सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया:

चीन में कार्बन ब्लैक के उत्पादक/निर्यातक

हेबेई दागुआंमिंग इंडस्ट्री ग्रुप कं.लि., वेस्टर्न साइड, दोघुआन, साउथ रोड, शाहे सिटी, हेबेई प्रोविन्स, चीन	शंघाई कार्गोस इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., टी2-12 एम, सं. 2601 झिट्टू रोड, शंघाई, चीन.
हेबेई कन्ट्री झिनयुआन रबड़ कैमिकल कं. लि. शेन्गली रोड, गुआंगशा जिला, हेंगशुई सिटी, हेबेई प्रोविन्स, चीन.	हेबेई योंघुई कैमिकल इंडस्ट्रीज इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. सं.199, जिनहुआ रोड, शीजिआंझुआंग, हेबेई, चीन
जांसू जिन्सी कैमिकल कं. लि. 109 #, वेस्ट सबअर्ब, मिनले काउंटी, जांसू, चीन	शानडोंग शुआतग्यान कैमिकल कं. लि. सं. 787 डोंगर रोड, डोंगयिंग सिटी, शानडोंग, चीन
वाइफेंग लांगझू इंडस्ट्री एंड कॉमर्स कं. लि., लूसेंच टाउन, शाउगुआंग सिटी, शानडोंग प्रोविंस, चीन	लाइवु ताइशान कार्बन ब्लैक कं. लि. गाओझुआंग इंडस्ट्रीयल जोन, लाइचेंग, लाइवु, चीन
क्विकांग कैमिकल कं. लि. बाइसेनवांग, टेंगयिन काउंटी, एनीयंग सिटी, हेनन प्रोविंस, चीन	जिआंगशि ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि., लियाओ, जिंगडेझेन सिटी, जिआंगसि प्रोविंस, चीन
सुझाउ वोओहुआ कार्बन, झुशुगुआन सुझोउ, चीन	तियाजिन डालफिन कार्बन ब्लैक लिशू ईस्ट आफ रेलवे, नार्थ आफ यिनहेक्वियाओ बीचीएन जिला, तियाजिन, चीन

रूस में कार्बन ब्लैक के उत्पादक/निर्यातक

ओमस्कटेकुग्लेरोड ओजेएससी 644049, बारबिनस्काया स्ट्रीट, 20, ओएमएसके, रूस	एमटेल हॉल्लिंग कंपनी, एमटेल हाउस 45 कुटुजोस्की प्रोस्पेक्ट 121170 मास्को रूस
सेवेरगाजप्रोम 39/2 लेनिन स्ट्रीट, उखता कोमि रूस गणराज्य परिसंघ	निझेनेकामस्क निझेनेकामस्क कार्बन ब्लैक प्लांट 423570 निझेनेकामस्क प्रोम्बाजा टारटरस्तान गणराज्य
यारोस्लाव्लटेक्खग्लेरोड 150053 यारोस्लावल	

थाइलैंड में कार्बन ब्लैक के उत्पादक/निर्यातक

थाई कार्बन ब्लैक 44 एमओओ1, अयुथाय-अंगथांग हाइवे, तंबोल पासा अंफूर मुआंग अंगथांग 14000, थाइलैंड	ब्रिजस्टोन कार्बन ब्लैक (थाइलैंड) कं. लि., रोजाना इंडस्ट्रीयल पार्क, वान खाई जिला, रायोंग प्रोविंस, थाइलैंड
3. थाई टोकाई कार्बन प्राइवेट कं. नि. 9वां तल, हरिधार्न टावर, 54 नार्थ साथर्न रोड, सिलोम बेंगराक, बैंकाक 10500, थाइलैंड	

- iv. संबद्ध जाँच की शुरुआत के उत्तर में संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर देकर प्रत्युत्तर दिया है:

1.	मैं. जिआंगसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि. लियाओ जिंगडेझेन सिटी, जिआंगसि प्रोविंस, चीन जन. गण.
2.	मैं. वुआई ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि., वूसूयुआत, हैनान जिला, वुआई सिटी, इनर मंगोलिया प्रोविंस, चीन जन. गण.
3.	मैं. हेंडेन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि., नार्थ चैनझुआंग विलेज, शीकुनिइंग, सी काउंटी, हेंडेन सिटी, (सी काउंटी कोल-कैमिकल इंडस्ट्रीयल जोन), हेबेई प्रोविंस, चीन जन. गण.
4.	मैं. चैओयांग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक. लि., सं. 82 चांगजिआंग रोड का पाँचवां डिवीजन, लोंगचेंग जिला, चाओयांग सिटी, लियाओनिंग प्रोविंस, चीन जन. गण.
5.	मैं. हेंसेंग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि., जिजान कोल इंडस्ट्री पार्क, हेसेंग, शानसी, चीन
6.	मैं. टेंगशान ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक. लि. जियाओजाई, फेंगेझुआंग, गुये जिला, टेंगशान सिटी, हेबेई प्रोविंस चीन जन. गण.
7.	मैं. तियायुआत ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि., गाओ बाई इंडस्ट्रीयल पार्क, क्विंगसु काउंटी, तियायुआत सिटी, शानसी प्रोविंस चीन जन. गण.

- v. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) संबंधी प्रश्नावली चीन जन. गण. के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत स्थित चीन जन. गण. के दूतावास को भी भेजी गई थी जिसमें विहित समय-सीमा के भीतर प्राधिकारी को संगत सूचना प्रदान करने का अनुरोध किया गया। यद्यपि जाँच शुरूआत के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को विधिवत रूप से समायोजित करके किया गया है तथापि, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को सूचित किया है कि उन्होंने आवेदक के दावे की यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध के पैरा 7 और पैरा 8 के आलोक में जाँच की है। अंतः चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि चीन जन. गण. के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार प्रदान किया जा सकता है। तथापि, चीन जन. गण. के किसी भी प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक ने चीन जन. गण. को दिये गए गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का खंडन करते हुए एमईटी प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- vi. भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/एसोसिएशनों से नियमावली के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

1	मैं. जेके टायर्स लि. लिक हाउस, 3 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110 002	12	मैं. बिरला टायर, शिवम चैम्बर्स, 53, सैयद आमिल अली एवेन्यु, कोलकाता-700 019, पश्चिमी बंगाल.
2	मैं. अपोलो टायर्स, अपोलो हाउस 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-32, गुडगांव -122001 (हरियाणा)	13	मैं. सिएट लि., सिएट महल 463, डॉ. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, मुम्बई 400 030
3	मैं. एमआरएफ लि., 124 ग्रिम्स रोड, चेन्नई-06	14	मैं. रालसन, प्लॉट सं.: 3, न्यू इंडस्ट्रीयल एरिया, मंडीदीप, जिला रायसेन. म. प्र.- 462046
	मैं. पोद्दार टायर, जीटी रोड जुगियाना,		मैं. ओरिएंटल रबड़ इंडस्ट्रीज,

4	लुधियाना (पंजाब) 141420	15	525 कोरेगाँव बीमा पुणे नगर रोड, पुणे
5	मै. हिंदुस्तान रबर, 1 जानकी सेंटर ऑफ वीरा देसाई रोड अंधेरी(डब्ल्यू) मुम्बई-53	16	मै. अग्रवाल रबड़,, 15-1-503/49/ए, अशोक मार्किट, सिद्धीअंबर बाजार, हैदराबाद 500 01,
6	मै. एक्सेल रबड़, प्लैट सं. 507, साई सदन अपार्ट., एसबीआई बल्कामपेट के सामने, एस. आर. नगर, हैदराबाद – 500038	17	मै. टेगा इंडस्ट्रीज, पहली मंजिल, नं. 210, 5 ^{वीं} मेन रोड विजय नगर दूसरी स्टेज बंगलोर 560040
7	मै. फिनिक्स यू,ल, आइडियल प्लाजा, चौथा, तल, 11/1 सरत बोस रोड, कोलकाता 60002, पश्चिमी बंगाल	18	मै. मोनोटोना टायर्स, मुम्बई मुम्बई 42201, महाराष्ट्र
8	मै. टीवीएस श्रीचक्र, पेरूमलपट्टी रोड वेलारिपट्टीरोड, मेलुर तालुक, मदुरै- 625122	19	मैशू आहूजा कांटीनेंटल, 1109 मित्तल टावर्स एमजी रोड बेंगलोर
9	मै. मिडास रबड़ पी. जान जाचारिया बिल्डिंग्स, कोट्टयम, केरल 686001	20	मै. टोलेंस, एम.सी.रोड, कैलेडी -683 574, केरल
10	मै. टीएम टायर्स, 5-35, सर्वे नं. 305 और 321 कलाकल गाँव मेडक – 502320	21	मै. हार्टेक्स रबड़, 6-3-865, मधुपाला टावर्स, अमीरपेट, हैदराबाद- 500 016
11	आटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए, पीएचडी हाउस, चौथा तल, एशियाई खेल गाँव के सामने, सिरिफोर्ट इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली- 110016		

- vii. उक्त अधिसूचना के उत्तर में यद्यपि आयातक प्रश्नावली का उत्तर मै.अपोलो टायर्स लि. और मै. जेके टायर्स एंड इंडस्ट्रीज लि. द्वारा दायर किया गया तथापि, एटीएमए द्वारा अनुरोध प्रस्तुत किए गए हैं।
- viii. आवश्यक सूचना और उत्तर के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात घरेलू उत्पादकों/एसोसिएशनों को भी प्रश्नावलियां भेजी गई थीं। तथापि संबद्ध वस्तु के इन घरेलू उत्पादकों में से किसी ने भी कोई उत्तर नहीं दिया:

कांटीनेंटल कार्बन इंडिया लिमिटेड ए-14 इंडस्ट्रीयल एरिआ सं.1 जीटी रोड की दक्षिणी ओर,	हिमाद्रि कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड रूबी हाउस 8, इंडिया एक्सचेंज प्लेस दूसरा तल
--	---

1	गाजियाबाद -201 001	3	कोलकाता- 700 001
2	गुडलक कार्बन प्रा. लि. (रालसन कार्बन ब्लैक) 303, रोहित हाउस, टालस्टाय मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली - 110001	4	एसोसिएशन ऑफकार्बन ब्लैक मेनुफैक्चरर्स, ए-22, बेलवेदेरे टावर, डीएलएफ सिटी, फेस-व्हा, गुडगाँव- 122002

- ix. ऐसे निर्यातक, उत्पादक और अन्य हितबद्ध पक्ष जिन्होंने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही इस जाँच से संगत सूचना प्रस्तुत की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्ष माना गया है।
- x. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से जाँच अवधि समेत विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के व्योरे की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था, जो प्राधिकारी को प्राप्त हुए थे। घरेलू उद्योग ने आईबीआईएस आकड़ों (द्वितीयक स्रोत) के आधार पर आयात के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा और अपेक्षित विश्लेषण की गणना के लिए डीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- xi. सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की ईष्टतम लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत को ज्ञात किया गया है ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार निर्धारित किया गया है।
- xii. वर्तमान जाँच के लिए जांच अवधि 1 अक्टूबर, 2012 से -31 मार्च 2013 (15 महीने) की है। तथापि, क्षति जाँच में अप्रैल 2010 – मार्च 2011, अप्रैल 2011 - मार्च 2012, अप्रैल 2012- मार्च 2013 की अवधि तथा जांच की अवधि शामिल है।
- xiii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 30 जनवरी, 2015 को आयोजित आम सुनवाई में अपना दृष्टिकोण मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर दिया। मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाले सभी हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने अनुरोध और उनके बाद खंडनों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें।
- xiv. जांच के अनिवार्य तथ्यों को प्रकट करते हुए एक प्रकटन विवरण इस प्राधिकारी द्वारा 31 जुलाई, 2015 को जारी किया गया था जिसमें हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित की गई थीं।
- xv. निर्दिष्ट प्राधिकारी की पदधारिता में परिवर्तन के कारण तथा ए टी एम ए मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुरूप प्रकटन के पश्चात नए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिनांक 27 अगस्त, 2015 को एक अन्य मौखिक सुनवाई आयोजित की गई थी। उन पक्षकारों जिन्होंने दूसरी मौखिक सुनवाई में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए थे, मौखिक रूप में व्यक्त किए गए दृष्टिकोणों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने तथा उसके बाद प्रत्युत्तर के रूप में प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया गया था।
- xvi. इस जाँच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुरोधों पर इस जाँच परिणाम में संगत पाई गई सीमा तक प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
- xvii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था।

- xviii. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर इस प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें।
- xix. संबंधित नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी ने 31 जुलाई, 2015 को जारी प्रकटन विवरण के द्वारा ज्ञात हितबद्ध पक्षों को अनिवार्य तथ्यों प्रकटन किया था और उनके संबंध में प्राप्त टिप्पणियों पर प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई सीमा तक इस जाँच परिणाम में विचार किया गया है।
- xx. जहां भी किसी हितबद्ध पक्ष ने वर्तमान जाँच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया या जांच में अत्यधिक बाधा डाली तो प्राधिकारी ने उसे असहयोगी माना है और अपने पास "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर जाँच परिणामों को दर्ज किया है।
- xxi. राजस्व विभाग ने अपने दिनांक 17.7.2015 के पत्र सं. 354/130/2009-टीआरयू द्वारा इस जाँच को पूरा करने की समय अवधि को 17.7.2015 तक बढ़ाया है।
- xxii. इस निष्कर्ष में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का द्योतक है।
- xxiii. इस जाँच परिणाम में पीओआई के लिए औसत विनियम दर इस प्राधिकारी द्वारा 58.05 रुपया = 1 अमरीकी डॉलर के रूप में लिया गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद का दायरा और समान वस्तु

6. मूल जाँच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) 'रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयोग किया जाने वाला कार्बन ब्लैक' था। मूल जाँच में विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

"5. विचाराधीन उत्पाद 'रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होने वाला कार्बन ब्लैक' है। यह एक कार्बनिक रसायन है जिनका रीइनफोर्सिंग फिलर के रूप में रबड़ (टायरों सहित) के उत्पादन/प्रसंस्करण में प्रयोग किया जाता है। कार्बन ब्लैक को एसिटिलीन ब्लैक, चैनल ब्लैक, फर्नेस ब्लैक, लैम्प ब्लैक, थर्मल ब्लैक, और नोयर डि कार्बन के रूप में भी जाना जाता है। कार्बन ब्लैक को दो श्रेणियों— रबड़ और गैर-रबड़ अनुप्रयोगों के रूप में विभाजित किया जा सकता है। रबड़ अनुप्रयोगों के लिए कार्बन ब्लैक वह कार्बन ब्लैक होता है जिसका प्रयोग रीइनफोर्सिंग फिलर के रूप में रबड़ (टायर सहित) के उत्पादन/प्रसंस्करण में किया जाता है। वर्तमान जाँच रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक के संबंध में है। गैर-रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होने वाला कार्बन ब्लैक जैसे कापियरों और कंप्यूटर प्रिंटर कार्ट्रिजों, पेंट, क्रेयान और पालिश में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक वर्तमान जाँच के दायरे में नहीं आता है।"

7. चूंकि वर्तमान जाँच निर्णायक समीक्षा के लिए है इसलिए विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जाँच के समान ही रहेगा। संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 के अंतर्गत उपशीर्ष सं. 28030010 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जाँच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

8. समान वस्तु के संबंध में नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

"समान वस्तु" से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटन के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं।

9. आवेदकों ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित कार्बन ब्लैक और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। आवेदकों द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित कार्बन ब्लैक में भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसे मापदंडों के अनुसार तुलनीय विशेषताएं हैं।

10. यह आवेदन लागू पाटनरोधी शुल्क की राशि की समीक्षा करने, उसे जारी रखने और बढ़ाने के लिए दायर किया गया है और समान वस्तु संबंधी मुद्दे पर पहले ही पूर्ववर्ती जाँचों में विचार किया गया है। पूर्ववर्ती जाँचों में प्राधिकारी ने पहले ही यह माना है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु समान वस्तु है। प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को ऐसे ग्रेडों को बाहर रखना चाहिए जिनका घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन नहीं होता है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसे दावे साक्ष्यांकित नहीं हैं। पूर्ववर्ती तथा वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद रबड़ संबंधी अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होने वाला कार्बन ब्लैक है और भिन्न-भिन्न ग्रेड प्रयोग में आपस में अनन्य नहीं हैं। इसके अलावा, पूर्ववर्ती जाँच में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों द्वारा ऐसा कोई दावा नहीं किया गया था। गैर-रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होने वाला कार्बन ब्लैक जैसे कापियरों और कंप्यूटर प्रिंटर कार्ट्रिजों, पेंट, क्रेयान और पालिश में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक वर्तमान जाँच के दायरे में नहीं आता है।

घ. घरेलू उद्योग का दायरा और उसकी स्थिति

निर्यातकों/ आयातकों/प्रयोक्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

11. घरेलू उद्योग का दायरा और उसकी स्थिति के संबंध में निर्यातकों/ आयातकों/प्रयोक्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. हाई-टेक कार्बन संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों अर्थात् थाई कार्बन ब्लैक कं.लि., थाईलैंड, लियाओनिंग बिरला कार्बन कं. लि., चीन और कोलम्बियन कैमिकल्स बार्डिंग कं. लि. चीन से संबंधित है। इसलिए हाई-टेक कार्बन को घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है।
- ii. आवेदकों का यह तर्क कि चीन जन.गण. में संबंधित निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यात कुल भारतीय उत्पादन या कुल भारतीय मांग या कुल भारतीय बिक्रियों के तुलना में काफी कम थे संगत नहीं है। इसके बजाय, संबंधित निर्यातकों द्वारा किए गए आयातों के साथ चीन जन.गण. से आयातों की तुलना किया जाना ही संगत है।
- iii. थाईलैंड में संबंधित कंपनी द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में थाईलैंड से निर्यातों का स्तर जाँच अवधि के दौरान काफी कम है। तथापि, पूर्ववर्ती वर्षों से इसकी तुलना पर यह भी स्पष्ट है कि पूर्ववर्ती जाँच के समाप्त होने पर थाईलैंड से आयातों में अचानक तेजी से वृद्धि हुई और वर्तमान जाँच अवधि के समय तेजी से कमी आई। यह प्रवृत्ति भारत में घरेलू उत्पादक और थाईलैंड में संबंधित निर्यातक की ओर से जाँच अवधि के दौरान अपने निर्यातों को कम रखने की संभावित कार्यनीति को दर्शाती है ताकि घरेलू उद्योग की स्थिति के मुद्दे से बचा जा सके।
- iv. यदि प्राधिकारी घरेलू उद्योग को इस दलील को स्वीकार करते हैं कि क्षति के निर्धारण के लिए अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत किए गए आयातों पर विचार किया जाना चाहिए तो हाई-टेक को घरेलू उद्योग से बाहर रखा जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

12. घरेलू उद्योग की स्थिति और दायरे के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. नियम 2(ख) के अनुसार, “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण

और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

- ii. कानून की यह सुस्थापित स्थिति है कि प्राधिकारी अपने विवेकानुसार ऐसे किसी उत्पादक जो या तो संबद्ध वस्तु के उत्पादक/निर्यातक या संबद्ध वस्तु के आयातक से संबंधित हो को घरेलू उद्योग के दायरे में शामिल कर सकते हैं।
- iii. वर्तमान मामले में हाई-टेक कार्बन को (i) मूल जॉच और मध्यावधि समीक्षा के समय इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के पूर्ववर्ती निर्णय (ii) ग्रुप कंपनियों द्वारा निर्यातों की कम मात्रा, (iii) भारत में कंपनी का उत्पादन काफी अधिक होने, (iv) कंपनी का फोकस आयातों के बजाय घरेलू उत्पादन पर होने को ध्यान में रखते हुए संबद्ध देशों में उनकी ग्रुप कंपनियों द्वारा निर्यातों के बावजूद पात्र घरेलू उत्पादक माना जाना चाहिए।
- iv. किसी भी याचिकाकर्ता कंपनी ने संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है।
- v. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित नहीं है।
- vi. आदित्य बिरला ग्रुप, हाई-टेक कार्बन जिससे संबंधित है, के पास ऐसी ग्रुप कंपनियां हैं जो थाईलैंड और चीन में संबद्ध वस्तु की उत्पादक हैं परंतु वे संबंधित देशों के कानूनी ढांचे के अधीन स्वतंत्र विधिक सत्ताएं हैं।
- vii. याचिकाकर्ताओं का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक है। याचिका नियमावली के अंतर्गत योग्यता संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करती है और याचिकाकर्ता कंपनियां घरेलू उद्योग हैं।
- viii. हाई-टेक कार्बन पहले आदित्य बिरला नुवो लि. की एक इकाई थी और अब वह एस्केआई कार्बन ब्लैक (इंडिया) प्रा. लि. की एक इकाई है।
- ix. आदित्य बिरला ग्रुप एक भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह निगम है जिसका मुख्यालय मुंबई में है। वह विश्वभर में 33 देशों में प्रचालन करता है। इस समूह में भारत में 5 अग्रणी कंपनियां हिंडाल्को, ग्रासिम, आदित्य बिरला नुवो, आइडिया सेलुलर और अल्ट्रा टेक सीमेंट हैं।
- x. आदित्य बिरला नुवो ने अपने कार्बन ब्लैक के व्यवसाय (हाई-टेक कार्बन-गुमुदीपुंडी, रेनुकूट और पातालगंगा इकाइयां) को एस्केआई कार्बन ब्लैक (इंडिया) प्रा. लि. को 1 अप्रैल, 2013 से सौंप दिया है। एस्केआई कार्बन ब्लैक (इंडिया) प्रा. लि. में 99.99 प्रतिशत शेयर एस्केआई कार्बन ब्लैक (मारीशस) लि. के पास हैं जो एस्केआई इन्वेस्टमेंट पीटीई लि., सिंगापुर के 100 प्रतिशत स्वामित्व में है। तथापि, इस ग्रुप का कार्बन ब्लैक का व्यवसाय हाई-टेक के नाम से था और चल रहा है। आदित्य बिरला नुवो लि. और एस्केआई कार्बन ब्लैक (इंडिया) प्रा. लि. दोनों आदित्य बिरला ग्रुप की कंपनियां हैं।
- xi. एस्केआई कार्बन ब्लैक (इंडिया) प्रा. लि. के निदेशक निम्नानुसार हैं
 - क. श्री संतुप्त मिश्रा
 - ख. श्री गोपी कृष्ण तुलसियान
 - ग. श्री सुरेद्र गोयल
 - घ. श्रीदिलीप रूपसिंह गौर
 - ड. श्री श्यामसुन्दर राठी
 - च. श्री सतीश राय
- xii. थाई कार्बन ब्लैक पब्लिक कं. लि. थाईलैंड (टीसीबी) आदित्य बिरला समूह का एक सदस्य है।
- xiii. टीसीबी के निदेशक निम्नानुसार हैं
 - क. श्री कुमार मंगलम बिरला- अध्यक्ष
 - ख. श्रीमती राजश्रीबिरला- निदेशक
 - ग. श्री संतुप्त बी. मिश्रा – निदेशक

- घ. श्री एस एस महानसरिया-स्वतंत्र निदेशक
 ड. श्री जी के तुलसियान - स्वतंत्र निदेशक
 च. श्री प्राकित प्रदीपसेन- स्वतंत्र निदेशक
 छ. श्री दीपक मित्तल- स्वतंत्र निदेशक
 ज. श्री राजिन्द्रपाल सिंह ठकरालबुतरा- स्वतंत्र निदेशक
 झ. श्री अरविन्द के नेवार- स्वतंत्र निदेशक
 ञ. श्री संजीव सूद -प्रेसिडेंट और निदेशक

- xiv. कोलम्बियन कैमिकल वाईफेंग कं. लि. चीन जन.गण. के शेयरधारक थाई कार्बन ब्लैक पब्लिक कंपनी लिमिटेड- 20.59 प्रतिशत, एलेक्जेंड्रिया कार्बन ब्लैक कं, एस.ए.ई. मिस्त्र - 20.59 प्रतिशत और एसकेआई इंडेस्ट्रिज पीटीई लि., सिंगापुर-58.82 प्रतिशत हैं। कोलम्बियन कैमिकल वाईफेंग कं. लि. चीन जन.गण. का निदेशक बोर्ड निम्नानुसार है:
 क. श्री कुमार मंगलम बिरला- अध्यक्ष
 ख. श्रीमती राजश्री बिरला
 ग. श्री राजीव दूवे
 घ. श्री संतुप्त मिश्रा
 ड. श्री डी डी राठी
 च. श्री केविन बायले
- xv. लिआओनिंग बिरला कार्बन कं. लि. (एलबीसीसी) 2003 में स्थापित हुई थी और वह चीन में आधारित है। थाई कार्बन ब्लैक कं. लि. (टीसीबी) के पास एलबीसीसी के 100 प्रतिशत शेयरधारिता है। अक्टूबर 2013 में टीसीबी ने एलबीसीसी में अपने निवेश का निपटान कर दिया और अक्टूबर 2013 के अनुसार एलबीसीसी कोलम्बियन कैमिकल्स (वाईफेंग) होल्डिंग्स एस.ए.आर.एल. जो आदित्य बिरला ग्रुप की एक कंपनी है के रूप में कार्य करती है।
- xvi. एसकेआई इंडिया, थाई कार्बन ब्लैक, एलबीसीसी और कोलम्बियन कैमिकल आने व्यवसायिक निर्णय लेने और अपनी व्यवसायिक योजना को अपनाने के लिए स्वायत्त हैं। वास्तव में दोनों कंपनियां भारतीय बाजार में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हुए कार्य करती हैं क्योंकि एक घरेलू उत्पादक है और दूसरे का बाजार निर्यात के रूप में है। दोनों कंपनियों की निर्णय लेने की प्रक्रिया स्वतंत्र हैं और इस संबंध में कोई हस्तक्षेप नहीं है।
- xvii. नीचे दी गई कंपनियों से अग्रिम लाइसेंस के तहत भारत में निर्यातों का व्योरा निम्नानुसार है:

कंपनी	वि.व. 2012-13	वि.व. 2013-14	जॉच अवधि	वि.व. 2014-15
सीसीडब्ल्यू-चीन	***एमटी	***एमटी	***एमटी	***एमटी
एलबीसीसी-चीन	***एमटी	***एमटी	***एमटी	***एमटी
टीसीबी-थाईलैंड	***एमटी	***एमटी	***एमटी	***एमटी

प्राधिकारी द्वारा जॉच

13. पूर्ववर्ती जॉचों में घरेलू उद्योग में मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मै. हाईटेक कार्बन थे। यद्यपि, निर्णायक समीक्षा के लिए आवेदन मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मै. हाईटेक कार्बन ने दायर किया है तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि 2013 से हाईटेक कार्बन आदित्य बिरला नुवो लि. से अलग हो गया है और मै. एसकेआई कार्बन (इंडिया) प्रा. लि. को शामिल किया गया है। फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और एसकेआई कार्बन (इंडिया) प्रा. लि. के अलावा भारत में संबद्ध वस्तु तीन अन्य उत्पादक अर्थात् मै. कांटेनैटल कार्बन इंडिया लिमिटेड, हिमाद्रि कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मै. गुड लक

कार्बन ब्लैक प्रा.लि. हैं। यद्यपि इन अन्य घरेलू उत्पादकों ने न तो वर्तमान एसएसआर आवेदन का समर्थन किया है और नहीं विरोध तथापि आवेदन से प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन में आवेदक उद्योग के उत्पादन का हिस्सा 78.29 प्रतिशत है। इसलिए मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मै. एसकेआई कार्बन (इंडिया) प्रा. लि. (पहले हाई-टेक कार्बन) द्वारा संबद्ध वस्तु का उत्पादन नियमावली के अनुसार भारतीय उत्पादन का प्रमुख हिस्सा बनता है।

14. मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मै. एसकेआई कार्बन (इंडिया) प्रा. लि. (पहले हाई-टेक कार्बन) द्वारा प्रस्तुत घोषणा के आधार पर प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि किसी भी आवेदक कंपनी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है। इसके अलावा मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड की घोषणा के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह कंपनी संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित नहीं है। मै. एसकेआई कार्बन (इंडिया) प्रा. लि. (पहले हाई-टेक कार्बन) के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. एसकेआई कार्बन (इंडिया) प्रा. लि. (पहले हाई-टेक कार्बन) आदित्य बिरला ग्रुप की कंपनी है और इसकी ग्रुप कंपनियां थाइलैंड और चीन में हैं जो संबद्ध वस्तु के उत्पादन और निर्यात में शामिल हैं। इन ग्रुप कंपनियों द्वारा जाँच अवधि के दौरान भारत को किए गए संबद्ध वस्तु के निर्यातों का ब्योरा निम्नानुसार है:

आदित्य बिरला ग्रुप की कंपनी का नाम	एमटी
कोलम्बियन कैमिकल वाईफेंग कं. लि. चीन (क)	***
लिआओनिंग बिरला कार्बन कं. लि., चीन (ख)	***
चीन का कुल (क+ख)	***
थाई कार्बन ब्लैक, थाईलैंड	***

15. आवेदकों के दावे के अनुसार इन आयातों को भारत सरकार की शुल्क छूट योजना के तहत भारतीय आयातकों द्वारा स्वीकृत किया गया था। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच अवधि के दौरान यद्यपि थाइलैंड से संबंधित कंपनियों द्वारा किये गए निर्यात की मात्रा कम थी तथापि संबंधित चीन की कंपनियों द्वारा किया गया निर्यात (i) जाँच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तु के कुल आयातों, (ii) जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तु के कुल आयातों (iii) कुल भारतीय उत्पादन, (iv) घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों (v) भारत में संबद्ध वस्तु की मांग और (vi) एसकेआई के उत्पादन पर विचार करते हुए जाँच अवधि के दौरान भारत को चीन द्वारा किए गए संबद्ध वस्तु के कुल निर्यातों का कम प्रतिशत बनता है जैसा कि नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है:

विवरण	चीन	थाईलैंड
कुल आयातों के संबंध में आयात	***%	***%
संबद्ध देशों से कुल आयातों के संबंध में आयात	***%	***%
कुल भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात	***%	***%
एसकेआई के कुल उत्पादन के संबंध में आयात	***%	***%
घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों के संबंध में आयात	***%	***%
मांग के संबंध में आयात	***%	***%

16. हितबद्ध पक्षों द्वारा आवेदकों की स्थिति के संबंध में मुद्दा पूर्ववर्ती जाँचों के समय भी उठाया गया था और प्राधिकारी ने यह माना था कि हाई-टेक कार्बन (अब मै. एसकेआई कार्बन (इंडिया) प्रा. लि.) और मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक घरेलू उद्योग हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदकों की योग्यता के संबंध में मूल जाँचों और मध्यावधि समीक्षा जाँचों के बाद से विधिक और वास्तविक स्थिति में कोई वास्तविक बदलाव नहीं आया है। उक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में आवेदकों मै. फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मै. एसकेआई कार्बन (इंडिया) प्रा. लि. (पहले हाई-टेक कार्बन) को नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग मानते हैं और यह मानते हैं कि यह आवेदन संबंधित नियमावली के नियम 5 के अनुसार योग्यता संबंधी मापदंडों को पूरा करता है।

17. इस दलील के संबंध में कि अग्रिम लाइसेंस के तहत आयातों को स्थिति और क्षति के प्रयोजनार्थ अलग नहीं माना जाना चाहिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योगों ने यह घोषित किया है कि उन्होंने जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है। इसके होते हुए भी अग्रिम लाइसेंस के तहत किए गए आयात/निर्यात घरेलू उद्योग को पात्र होने से नहीं प्रतिबंधित कर सकते हैं क्योंकि ये आयात वास्तविक प्रयोक्ता आधार पर किए गए हैं और उत्पादन तथा निर्यात के लिए लक्षित हैं। तथापि, अग्रिम लाइसेंस के तहत किए गए आयातों को घरेलू बाजार में कीमत को प्रभावित करने वाला नहीं माना जा सकता है। किसी अग्रिम लाइसेंस/ अधिप्रमाणन धारक के पास या तो शुल्क मुक्त आधार पर निविष्टियों के आयात का या अग्रिम रिलीज आदेश के तंत्र का प्रयोग करके स्वदेशी स्रोत से उसकी खरीद करने का विकल्प होता है। क्षति विश्लेषण का उद्देश्य घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जाँच करना और उसका पता लगाना है। अतः यह उचित नहीं होगा कि क्षति विश्लेषण शुल्क मुक्त आयातों को अलग रखा जाए। अतः क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ सभी शुल्क मुक्त आयातों को बाहर रखना तर्कसंगत नहीं होगा। इसके अलावा अग्रिम लाइसेंस के तहत आयात उस कीमत का बेंचमार्क है जिसपर करें और शुल्कों का भुगतान करने के बाद कोई उपभोक्ता आयात कर सकता है। यह मानना सही नहीं होगा कि अग्रिम लाइसेंस के तहत किए गए आयात घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाते हैं।

ड गोपनीयता और अन्य मुद्दे

18. गोपनीयता के संबंध में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. लागत निर्धारण, कीमत, कंपनी के ढाचे में बदलाव आदि के संबंध में सूचना के बारे में याचिकाकर्ताओं द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है।
- ii. याचिकाकर्ताओं द्वारा अत्यधिक गोपनीयता के दावे के कारण प्रतिवादी क्षति का पूर्ण विश्लेषण नहीं कर पाये हैं।

19. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. हितबद्ध पक्षों ने उनके द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है और उसका अगोपनीय अंश भी प्रस्तुत नहीं किया है।
- ii. प्रश्नावली के उत्तर का अगोपनीय अंश अपर्याप्त है। हितबद्ध पक्षों ने ऐसी समस्त सूचना नहीं दी है जो नियमों और इस संबंध में प्राधिकारी द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के अंतर्गत उन्हें बतानी चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

20. हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीयता के संबंध में किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोधों की निम्नानुसार जाँच की गई है:

i. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जाँच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियाँ या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।

ii. हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की पर्याप्तता और गोपनीयता के दावे के संबंध में जाँच की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हो गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षों को उसका प्रकटन नहीं किया गया है। जहां संभव हो, गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रदान करने का निदेश दिया गया। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध किसी सूचना को गोपनीय नहीं माना जा सकता है।

छ. विविध मुद्दे

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

21. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए विविध अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. आवेदक ने पर्याप्त और सटीक सूचना प्रदान करके पाटनरोधी नियमावली के नियम 23(1ख) के अनुसार एक विधिवत रूप से साक्ष्यांकित याचिका प्रस्तुत नहीं की है।
- ii. संबद्ध जाँच में केवल रबड़ संबंधी अनुप्रयोगों के लिए कार्बन ब्लैक शामिल है। प्राधिकारी को विश्लेषण करते समय आयात आकड़ों से गैर-रबड़ अनुप्रयोगों के अपक्षित कार्बन ब्लैक का बाहर करना चाहिए।
- iii. हाई-टेक कार्बन के कार्बन ब्लैक के व्यवसाय को 1 अप्रैल 2013 को आदित्य बिरलाग्रुप द्वारा स्लम्प बिक्री के रूप में बेचा गया है। ऐसी सूचना का ब्योरा याचिका में नहीं दिया गया है।
- iv. पाटनरोधी शुल्क लागू होने से भारतीय उपभोक्ता ओएमएसके, रूस से निर्यातित गुणवत्तायुक्त उत्पादों से वंचित हो जाएंगे।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

22. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

- i. हाई-टेक कार्बन को आदित्य बिरला नुवों लि. से अलग किया गया और 2013 में एसकेआई कार्बन ब्लैक (इंडिया) प्रा. लि. को अधिनियमित किया गया। दोनों कंपनियां आदित्य बिरला ग्रुप की हैं। इसलिए, यह वस्तुतः गलत है कि आदित्य बिरला ग्रुप ने व्यवसाय को बेचा है। कार्बन ब्लैक व्यवसाय एक नई कंपनी को दिया गया है। व्यवसाय अब भी उसी समूह के स्वामित्व और नियंत्रण में है।

- ii. याचिकाकर्ताओं ने विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद को अलग किए बिना प्रत्यक्ष आकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। तथापि, आयातों की मात्रा और मूल्य के निर्धारण के लिए याचिकाकर्ताओं ने केवल विचाराधीन आयातों पर ही विचार किया है।
- iii. यह याचिका सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के साथ दायर की गई है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

23. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए विविध अनुरोधों की निम्नानुसार जाँच की गई है:

- i. आवेदक ने पर्याप्त और सटीक सूचना प्रदान करके पाटनरोधी नियमावली के नियम 23(1ख) के अनुसार एक विधिवत रूप से साक्ष्यांकित याचिका प्रस्तुत नहीं करने की दलील के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जाँच घरेलू उद्योग द्वारा पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध दर्शाने वाले और अधिनियम तथा नियमावली के अनुसार जाँच की शुरुआत को उचित ठहराने वाले पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर शुरू की गई थी।
- ii. इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी को विश्लेषण करते समय आयात आकड़ों से गैर-रबड़ अनुप्रयोगों के अपक्षित कार्बन ब्लैक का बाहर करना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जाँच में पूर्ववर्ती जाँचों की तरह विचाराधीन उत्पाद में केवल रबड़ संबंधी अनुप्रयोगों के लिए कार्बन ब्लैक शामिल है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक फाइल में डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सौदावार आयात आकड़ों उपलब्ध कराए हैं।
- iii. इस अनुरोध के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से भारतीय उपभोक्ता ओएमएसके, रूस से निर्यातित गुणवत्तायुक्त उत्पादों से वंचित हो जाएंगे, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से आयातों पर रोक नहीं लगेगी।

ज. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

24. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. जाँच अवधि के दौरान, ब्लैक कैट ग्रुप के भीतर निर्यात व्यवसाय में केवल जियांगसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक लि. शामिल है। शेष 6 संबंधित उत्पादक जाँच अवधि के दौरान किसी निर्यात व्यवसाय में शामिल नहीं रहे हैं और उनके उत्पाद जियांगसी ब्लैक कैट के माध्यम से निर्यात हुए। जियांगसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक लि. ने जाँच अवधि के दौरान भारत को स्वयं द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया।
- ii. याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध देशों में प्रचलित बिक्री कीमत का साक्ष्य प्रदान करने के बिना ऐसे देशों के लिए सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए सीधे कार्यवाही की है।
- iii. सामान्य मूल्य का परिकलन धारा 9क (1)(ग) के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के लिए घरेलू उद्योग के आकड़ों पर आधारित नहीं हो सकता है।
- iv. चीन जन.गण. के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण परिकलित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की नीति को अपनाने के बजाय सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के उत्तरों के आधार पर किया जाना चाहिए।

- v. आवेदक ने प्लाट्स पत्रिका के अनुसार कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों का प्रयोग किया है तथापि स्रोत दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

25. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए और चीन के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ii. याचिका को संबद्ध देशों के घरेलू बाजारों में कीमत का कोई साक्ष्य नहीं मिल पाया। इसके मद्देनजर संबद्ध देशों के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य परिकलित किया गया है।
- iii. प्लाट्स दस्तावेज एक तीसरे पक्ष की सूचना है और घरेलू उद्योग उसका प्रकटन करने के लिए प्राधिकृत नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

रूस और थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

26. धारा 9 क (1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-
(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो ; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ;

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

चीन जन. गण. के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों से भारत और डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा चीन जन.गण. को पाटनरोधी जाँचों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाता रहा है। चीन जन.गण. को नियमावली के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस धारणा का खंडन करने के अधीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाता है।

28. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा का खंडन किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक (कों) पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराएं और इसके विपरीत बात को सिद्ध कर दें। चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:

- क. चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों में कीमत, लागतों और कच्ची सामग्री सहित निविष्टियों, प्रौद्योगिकी और श्रमिक की लागत, उत्पादन, बिक्रियों और निवेश के संबंध में निर्णय मांग और पूर्ति पर आधारित बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में लिए जाते हैं और इस संबंध में सरकार का कोई खास हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से दर्शाती है।
- ख. विशेष रूप से परिसम्पत्तियों के मूल्यह्रास, अन्य बट्टे खातों में डालने, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था से ली गई अत्यधिक विकृतियों के अधीन है।
- ग. इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- घ. विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है।

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के परिणामस्वरूप चीन की निम्नलिखित कंपनियों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

- क. जिआंगसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.
- ख. वुहाई ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.
- ग. हेंडेन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.
- घ. चाओयांग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक. लि.
- ड. हेंचेंग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.
- च. टेंगशान ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक. लि.
- छ. ताइयुआत ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.

30. जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली के उत्तरों (ईक्यूआर) में बताया गया है, सभी उक्त चीन की कंपनियां चीन के ब्लैक कैट समूह से संबंधित हैं और संबद्ध वस्तु की उत्पादक हैं। ईक्यूआर में बताए गए अनुसार जाँच अवधि के दौरान जिआंगसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि. ने अन्य 6 ऊपर उल्लिखित समूह की कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का निर्यात किया था और भारत को स्व उत्पादित संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया था। ईक्यूआर में यह भी बताया गया है कि अन्य ब्लैक कैट ग्रुप की कंपनियों ने जाँच अवधि के दौरान भारत को सीधे संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है।

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के किसी प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का उत्तर देकर बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दावा नहीं किया है। किसी भी हितबद्ध पक्ष ने प्राधिकारी के लिए चीन जन. गण.के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ किसी उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन करने के लिए कोई वास्तविक तथ्य उपलब्ध नहीं कराया है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ऊपर उल्लिखित चीन की कंपनियों के लिए नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 का प्रयोग करने की स्थिति में नहीं हैं और इसलिए उन्हें चीन जन. गण. के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार कार्रवाई करनी पड़ेगी।

32. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ-7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी। ”

33. इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से एक आधार पर निर्धारित किया जा सकता है :-

क) तीसरे देश बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत के आधार पर, अथवा

ख) तीसरे देश बाजार अर्थव्यवस्था में निर्मित मूल्य, अथवा

ग) भारत सहित इस प्रकार से किसी देश से दूसरे देश से कीमत

घ) यदि उपरोक्त उल्लिखित विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उचित लाभ मार्जिन सहित इसी प्रकार के उत्पाद के लिए विधिवत रूप से समायोजित करने के लिए भारत में वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा देय कीमत सहित किसी अन्य औचित्यपूर्ण आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित कर सकता है।

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देश लागत और कीमतों पर आधारित सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बिक्री अथवा तीसरे देश निर्यात बिक्री संबंधी संपूर्ण और विस्तृत आंकड़ों के साथ-साथ तीसरे देश में इस प्रकार के उत्पादकों की उत्पादन लागत और सहयोग जो वर्तमान में जांच में प्राधिकारी के पास उपलब्ध नहीं है, अपेक्षित है। इस प्रकार के अन्य तीसरे देश की अर्थव्यवस्था में प्रचलित इस प्रकार की कीमत और लागत से संबंधित सत्यापन करने योग्य सूचना है, न तो आवेदक द्वारा अथवा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई है, न ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध किसी सूचना का आंकन नहीं किया जा सका, न ही प्रतिवादी चीनी कंपनियों ने किसी समुचित बाजार तीसरा देश अर्थव्यवस्था के संबंध में कोई दावा किया है। इस प्रकार की परिस्थितियों में प्राधिकारी नियमावली का अनुबंध-1 के पैरा-7 की शर्तों के अनुसार किसी दूसरी औचित्यपूर्ण आधार पर आधारित सामान्य मूल्य तैयार करने के लिए आगे बढ़ेगा -

35. नियमावली का अनुबंध-1 के पैरा-7 की शर्तों के अनुसार निम्नलिखित आधारों पर चीनी उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य बनाया गया है -

- i. प्रमुख आदानों कार्बन ब्लैक फीड स्टॉक की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें हेवी स्टॉक जीसी 3% के लिए प्लाट्स मैग्जीन द्वारा प्रकाशित कीमतों के आधार पर माने गए हैं।
- ii. कच्चे माल की खपत और रूपांतरण लागतें घरेलू उद्योग में अति दक्ष उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर अपनाए गए हैं।

- iii. विक्रय, सामान्य और प्रशासनिक लागतें घरेलू उद्योग में अति दक्ष उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर अपनाए गए हैं।
- iv. लाभ, ब्याज को छोड़कर कारखाना बाध्य लागत की 5% की दर से माना गया है।

36. निष्पक्ष तुलना करने के प्रयोजन के लिए और विभिन्न ग्रेडों के उत्पादन की लागत में काफी अंतर को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक ग्रेड के उत्पादित और बेची गई संबद्ध वस्तुओं के लिए पृथक् सामान्य मूल्य की गणना की गई है। इसके अतिरिक्त उत्पादन की लागत में पर्याप्त अंतर को ध्यान में रखते हुए पीओआई के भीतर समय अवधि में परिणामी विक्रय कीमत जांच की अवधि की प्रत्येक तिमाही के लिए पृथक् सामान्य मूल्य की गणना की गई है। तथापि विभिन्न ग्रेडों और प्रत्येक तिमाही के लिए इस प्रकार प्राप्त पाटन मार्जिन संपूर्ण "जांच की अवधि" और "विचाराधीन उत्पाद" के लिए संपूर्ण रूप से उसके बाद संबद्ध निर्यात मात्राओं को मानते हुए औसत भारित किया गया है। प्राधिकारी ने तदनुसार भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

रूस और थाईलैंड के मामले में सामान्य मूल्य

37. चूंकि रूस और थाईलैंड से किसी भी निर्यातक ने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है और निर्यातकों की प्रश्नावली का उत्तर देने में विफल रहे हैं, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) की शर्तों में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार रूस और थाईलैंड के संबंध में सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। तदनुसार रूस और थाईलैंड के संबंध में कारखाना बाह्य स्तर पर सामान्य मूल्य निम्नलिखित आधार पर निर्धारित किया गया है।

- i. प्रमुख आदानों कार्बन ब्लैक फीड स्टॉक की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें हेवी स्टॉक जीसी 3% के लिए प्लाट्स मैग्जीन द्वारा प्रकाशित कीमतों के आधार पर माने गए हैं।
- ii. कच्चे माल की खपत और रूपांतरण लागतें घरेलू उद्योग में अति दक्ष उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर अपनाए गए हैं।
- iii. विक्रय, सामान्य और प्रशासनिक लागतें घरेलू उद्योग में अति दक्ष उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर अपनाए गए हैं।
- iv. लाभ, ब्याज को छोड़कर कारखानागत लागत की 5% की दर से माना गया है।

38. निष्पक्ष तुलना करने के प्रयोजन के लिए और विभिन्न ग्रेडों के उत्पादन की लागत में काफी अंतर को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक ग्रेड के उत्पादित और बेची गई संबद्ध वस्तुओं के लिए पृथक् सामान्य मूल्य की गणना की गई है। इसके अतिरिक्त उत्पादन की लागत में पर्याप्त अंतर को ध्यान में रखते हुए पीओआई के भीतर समय अवधि में परिणामी विक्रय कीमत जांच की अवधि की प्रत्येक तिमाही के लिए पृथक् सामान्य मूल्य की गणना की गई है। तथापि विभिन्न ग्रेडों और प्रत्येक तिमाही के लिए इस प्रकार प्राप्त पाटन मार्जिन संपूर्ण "जांच की अवधि" और "विचाराधीन उत्पाद" के लिए संपूर्ण रूप से उसके बाद संबद्ध निर्यात मात्राओं को मानते हुए औसत भारित किया गया है। प्राधिकारी ने तदनुसार रूस और थाईलैंड के संबंध में भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

ज. निर्यात कीमत

चीन जन.गण. के प्रतिवादी उत्पादकों-निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

39. जैसाकि निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर (ईक्यूआर) में कहा गया है कि सभी प्रतिवादी चीनी कंपनियां चीन के ब्लैक कैट ग्रुप से संबंध रखती हैं और संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक हैं। जैसाकि पीओआई के दौरान ईक्यूआर में कहा गया है कि जिआंगक्षी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लिमिटेड ने उपरोक्त अन्य छः ग्रुप कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया और स्वउत्पादित संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात नहीं किया। ईक्यूआर में आगे बताया गया है कि किसी भी अन्य ब्लैक कैट ग्रुप कंपनियों ने पीओआई के दौरान सीधे भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है। ईक्यू उत्तरों में दी गई सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीओआई के दौरान जिआंगक्षी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कंपनी लिमिटेड ने कुल अमरीकी डालर*** के लिए भारत को अपनी संबद्ध कंपनियों द्वारा उत्पादित***एमटी संबद्ध वस्तुओं की कुल मात्रा का निर्यात किया।

40. निष्पक्ष तुलना करने के प्रयोजन के लिए और विभिन्न ग्रेडों के उत्पादन की लागत में काफी अंतर को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक ग्रेड के उत्पादित और बेची गई संबद्ध वस्तुओं के लिए पृथक् सामान्य मूल्य की गणना की गई है। इसके अतिरिक्त उत्पादन की लागत में पर्याप्त अंतर को ध्यान में रखते हुए पीओआई के भीतर समय अवधि में परिणामी विक्रय कीमत जांच की अवधि की प्रत्येक तिमाही के लिए पृथक् सामान्य मूल्य की गणना की गई है। निर्यातकों और संबद्ध उत्पादकों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर समुद्रपार माल भाड़ा, अंतर्देशीय माल भाड़ा, बीमा, निकासी प्रभार, साख लागत, बैंक प्रभार और वैट आदि के कारण कीमत समायोजन किए गए हैं। स्वीकार्य समायोजन करने के पश्चात् प्राधिकारी ने पीओआई के दौरान अमरीकी डालर*** प्रति एमटी भारत निवल निर्यात मूल्य निर्धारित किया है।

चीन गणराज्य से असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

41. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) की शर्तों में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार चीन गणराज्य से असहयोगी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत निर्धारित की है। तदनुसार अपेक्षित समायोजन करने के पश्चात्, चीन गणराज्य से सभी असहयोगी निर्यातकों के संबंध में कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात मूल्य *** अमरीकी डालर प्रति मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है।

रूस और थाइलैण्ड से निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात मूल्य का निर्धारण

42. चूंकि रूस और थाइलैण्ड से किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं दिया और वर्तमान जांच ने निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर देने में विफल रहे इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) की शर्तों में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार रूस और थाइलैण्ड के संबंध में निवल निर्यात मूल्य निर्धारित किया है। अपेक्षित समायोजन करने के पश्चात्, प्राधिकारी ने रूस और थाइलैण्ड से सभी असहयोगी निर्यातकों के संबंध में भारित औसत निवल निर्यात कीमत क्रमशः अमरीकी डालर *** प्रति एमटी तथा अमरीकी डालर *** प्रति एमटी निर्धारित की है।

झ. पाटन मार्जिन

43. उपरोक्त निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों को ध्यान में रखते हुए नीचे दिए अनुसार पाटन मार्जिन निर्धारित किए गए हैं।

विवरण		सामान्य मूल्य/मी.ट.	निर्यात कीमत/मी.ट.	पाटन मार्जिन/मी.ट.	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
चीन गणराज्य						
उत्पादक	निर्यातक					
बुहाई ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.	जैंगसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.					
हेंडन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.						
चोयांग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक						

इं. लि.(उत्पादक) हांचेंग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इं. लि. टंगशन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इं. लि. ताईआन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.		***	***	***	***	70- 80
चीन गणराज्य के अलावा	***	***	***	***	***	100- 110
रूस	***	***	***	***	***	15- 25
थाइलैंड	***	***	***	***	***	5-15

पञ्चः पीओआई

मूल देश	उत्पादक		सामान्य मूल्य (यूएस\$/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (यूएस\$/एमटी)	पाटन मार्जिन (यूएस\$/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन रेंज (%)
चीन गणराज्य	उत्पादक	निर्यातक					
	बुहाई ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.	जैंगसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.					
	हेंडन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.						
	चोयांग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इं. लि.(उत्पादक)		***	***	***	***	75-85
	हांचेंग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इं. लि.						
	टंगशन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इं. लि.						
	ताईआन ब्लैक कैट						

मूल देश	उत्पादक	सामान्य मूल्य (यूएस\$/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (यूएस\$/एमटी)	पाटन मार्जिन (यूएस\$/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन रेंज (%)
	कार्बन ब्लैक कं. लि.					
	चीन गणराज्य के अलावा	***	***	***	***	80-90
रूस	कोई भी	***	***	***	***	35-45
थाइलैंड	काई भी	***	***	***	***	(10-20)

अ. क्षति निर्धारण और क्षति एवं आकस्मिक कारक की जाँच के लिए पद्धति

निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

44. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- निर्यात के लिए शुल्क मुक्त वस्तुओं का आयात करने के लिए अग्रिम लाइसेंस के तहत आयात कानूनी रूप से अनुमेय रास्ता है। वर्तमान मामले में अग्रिम लाइसेंस योजना के अंतर्गत भारत में पर्याप्त मात्रा में आयात किया गया है। प्राधिकारी को इस प्रकार के आयातों को अपवर्जित और तथाकथित क्षति की जांच करनी चाहिए।
- आवेदक ने संबद्ध उत्पादन और तथाकथित पाटन के लिए ग्रेड-वार और देश-वार पाटन मार्जिन उपलब्ध कराया है। आवेदक देश-वार और ग्रेड-वार क्षति मार्जिन उपलब्ध कराने में विफल रहा है।
- कीमत कम करने के उच्च स्तर को दर्शाने के लिए आवेदक आयातों के उतराई तक के मूल्य की अपस्फीती की है।
- क्षति अवधि के दौरान आवेदक की क्षमता 38% तक बढ़ गई है। क्षमता में इस प्रकार की इतनी अधिक वृद्धि से जांच की अवधि के दौरान स्थिर लागतें काफी अधिक हुई होंगी। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-IV के अंतर्गत उपलब्ध सिद्धांतों को लागू करते हुए प्राधिकारी को गैर-क्षति कीमत निर्धारित करने का अनुरोध किया गया है।
- 22% की काफी अधिक प्रतिफल दर से अविधिवत रूप से अधिक गैर क्षति कीमत हो सकती है। जिस समय औचित्यपूर्ण लाभ मार्जिन रूप में पाटन का आरोप नहीं हो और आरओसीई 22% नहीं हो, उस समय प्राधिकारी को उद्योग द्वारा अर्जित आरओसीई को अपनाना चाहिए।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी को आवेदक द्वारा लिए गए ऋणों को ध्यान में रखना चाहिए और केवल संबद्ध ऋणों को जो गैर-क्षति कीमत निर्धारित करते समय संबद्ध उत्पाद के लिए विनियोजित किया जाए।
- आवेदक का उत्पादन और बिक्री क्षति की अवधि के दौरान निरंतर घट रही है जबकि इसके विपरीत संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री का उत्पाद निरंतर बढ़ रहा है। अतः तथाकथित पाटन चयनित रूप से प्रभावित नहीं कर सकता।
- उतराई तक का मूल्य विक्रय कीमत की तुलना में अधिक है। इसलिए आयातों के कारण क्षति नहीं हो सकती।

- ix. उस स्थिति में जिसमें भारत में आयात का 99% 88950/एमटी पर प्रतिस्पद्धा कर रहा है। ऐसे कौन से कारण थे जिनकी वजह से आवेदकों ने कीमत नहीं बढ़ाई और लाभ अर्जित किया।
- x. विगत तीन वर्षों में वर्ष 2010-11 में घरेलू उद्योग में 88% बेहतर क्षमता उपयोगिता थी। प्राधिकारी से गैर क्षति कीमत के लिए 88% क्षमता उपयोगिता को ध्यान में रखने का अनुरोध है न कि जांच की अवधि के दौरान प्रचलित 74% को।
- xi. घरेलू उत्पादकों के बीच परस्पर प्रतिस्पद्धा आवेदकों के बाजार हिस्से की गिरावट का कारण है। आवेदक ने उन अदक्ष घरेलू उत्पादकों जो बिल्कुल भी आयात नहीं किए जाने के समय भी लाभ अर्जित करने में सक्षम नहीं, को चयनात्मक रूप से चुना है। अन्यथा आयात में वृद्धि होने से घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए आरोप से अन्य उत्पादकों द्वारा अत्यधिक वृद्धि नहीं दर्शाई गई होती। अतः आकस्मिक लिंक अनुपस्थित है।
- xii. क्षति अवधि के दौरान आवेदक पाटन रोधी शुल्क लगाने के साथ सुरक्षित शुल्क से काफी सुरक्षित थे। दिए गए संरक्षण के अधिक स्तर के बावजूद आवेदक अपने स्वयं के मूलभूत कारणों की वजह से अपने निष्पादन में सुधार करने में सक्षम नहीं रहे।
- xiii. 2013-14 के लिए पीसीबीएल की वार्षिक रिपोर्ट दर्शाती है कि पत्तनों में अपर्याप्त अवसंरचना, पत्तनों को रोकने के कारण तथा अधिक माल भाड़ा लागत, उच्च मुद्रा स्फीति जिससे उच्च व्याज लागतों से निवेश वसूली चक्र में विलंब हो सकता है, अमरीकी डालर की तुलना रूपए की विनिमय दर में उतार-चढ़ाव आदि उनके निष्पादन में गिरावट के अन्य घटक हैं। अतः कथित पाटन और क्षति के बीच आकस्मिक लिंक प्रमाणित नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

45. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-

- i. आयात का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और घरेलू उद्योग की विक्रय कीमत से कम है। मूल मामले के बाद आयात के बाजार हिस्से में काफी वृद्धि हो गई है और जांच की अवधि के दौरान पर्याप्त है। कम कीमत पर आयात भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहा है जो घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें आयात कीमतों के अनुरूप अपनी लागतों को कम रखने के लिए मजबूर कर रहे हैं।
- ii. संबद्ध देशों से आयात पर्याप्त बढ़ गया है। संबद्ध आयात न केवल निश्चित रूप से बढ़ा है, बल्कि भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से भी बढ़ा है। संबद्ध देशों से आयात पाटित कीमतों पर भारतीय बाजारों में प्रवेश कर रहा है।
- iii. आयात घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी दबाव डाल रहा है। घरेलू उद्योग न तो लागत में वृद्धि और न ही लागत के स्तर के अनुपात में अपनी विक्रय कीमत में वृद्धि करने में सक्षम नहीं रहा है जिससे भारी क्षति हुई है। वास्तव में घरेलू उद्योग पहले लाभ कमा रहा था जबकि घरेलू उद्योग एक बार पुनः मौजूदा पाटन-रोधी शुल्क के बावजूद वित्तीय क्षति उठा रहा है।
- iv. क्षति अवधि के दौरान देश में उत्पाद की मांग में सकारात्मक रुख दर्शाया है।
- v. जांच की अवधि के दौरान मामूली गिरावट के साथ इस अवधि में पाटित आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है। तथापि आयातों में समग्र रूप से काफी वृद्धि हुई है।
- vi. रूस और थाइलैंड से आयातों की मात्रा कम है और वर्तमान क्षति अवधि के दौरान गिरावट का रुख दर्शाता है। तथापि थाइलैंड और रूस से आयात की कम मात्रा लागू पाटनरोधी शुल्क और चीनी उत्पादकों द्वारा आक्रामक पाटन के कारण है। इन देशों से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने की स्थिति में पाटन के तीव्र होने की संभावना है।
- vii. उत्पादन, विक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, लाभ, निवेश पर प्रतिफल, नकद प्रवाह की दृष्टि से घरेलू उद्योग का निष्पादन खराब हुआ है। घरेलू उद्योग पर पाटन का परिणामी प्रभाव काफी प्रतिकूल रहा है।
- viii. घरेलू उद्योग पाटित आयात से निरंतर क्षति को बर्दाश्त कर रहा है। यदि यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग निरंतर भौतिक क्षति नहीं उठा रहे हैं। किसी भी स्थिति में घरेलू उद्योग का निष्पादन कमजोर

बना रहेगा। इसके अतिरिक्त पाटन और परिणामी क्षति बने रहने और आगे तीव्र होने की संभावना है तथा वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाना चाहिए।

- ix. वर्तमान देशों के संबंध में पाटन मार्जिन काफी अधिक पाटन का अस्तित्व घरेलू उद्योग की क्षति करने का स्पष्ट प्रमाण है।
- x. क्षति दावा जांच की अवधि के संबंध में है जहां कोई रक्षोपाय नहीं है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग का दावा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद है। भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर आयात प्रवेश कर रहा है जो घरेलू उद्योग की क्षति का कारण है।
- xi. वास्तविकता यह है कि घरेलू उद्योग ने 2010-11 में निवेश पर प्रतिफल अर्जित किया जो स्वयं में निवेश पर 22% प्रतिफल को न्यायसंगत सिद्ध करता है।
- xii. पीओआई के दौरान पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन धनात्मक है। पीओआई पश्चात केवल सभी आवश्यक है जबकि पीओआई में पाटन मार्जिन अथवा क्षति मार्जिन ऋणात्मक है।
- xiii. वार्षिक रिपोर्ट में सार्वजनिक वक्तव्य इस निष्कर्ष को नहीं बदलता कि उत्पाद के पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। वार्षिक रिपोर्टों में सूचीबद्ध घटक घरेलू उद्योग निष्पादन के निरपेक्ष स्तरों के संदर्भ में है। अतः वार्षिक रिपोर्ट में दिए गए वक्तव्य पाटनरोधी मामले की क्षति अवधि के दौरान निष्पादन के खराब होने के बारे में कोई दिशा-निर्देश उपलब्ध नहीं कराता।
- xiv. अनुबंध-III का मूल उद्देश्य पाटनरोधी की मात्रा को निर्धारित करना है जो घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करेगा। नियम 3 के अनुसार पीओआई के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना आंकड़ों पर विचार किया जाना चाहिए और नियम 4 के अनुसार विगत तीन वर्षों और पीओआई के दौरान कच्चे माल/उपयोगिता/उत्पादक क्षमताओं के बेहतर उपयोग को क्षति हेतु रद्द करने पर विचार किया जाना चाहिए। यदि घरेलू उद्योग द्वारा कच्चे माल/उपयोगिताओं/उत्पादन क्षमताओं का कोई अदक्ष उपयोग नहीं है तो नियम 4 किसी भी तरह से प्रचालन में नहीं आएगा। अतः प्राधिकारी पीओआई अवधि के अलावा दूसरी अवधि जिस समय संसाधनों का अदक्ष उपयोग है, पर विचार कर सकती है।
- xv. यदि पुनः मूल्यांकित परिसंपत्तियों का उपयोग उत्पादन प्रक्रिया में किया जाता है तो उत्पाद की लागत का हिसाब लगाने के कोई भी उस पुनः मूल्यांकित मूल्य को छोड़ नहीं सकता है। अन्यथा यह उत्पादन की सही लागत को कम करती है और यह नियम 3 के विरुद्ध भी होगा और जांच की अवधि से संबंधित आंकड़ों पर विचार करना अपेक्षित है।
- xvi. पूर्व धारणा के बिना, यहां तक कि एनआईपी कारखाना बाह्य स्तर पर होना चाहिए, निष्पक्ष तुलना के सिद्धांतों पर विचार किया जाना अपेक्षित है और एनआईपी की आयात कीमत से तुलना करते समय समाधान किया जाना चाहिए।
- xvii. एनआईपी की गणना करते समय कारखाने से भंडारण तक की ढुलाई लागत शामिल की जानी चाहिए।
- xviii. अप्राप्य ऋण को गैर लागत मद नहीं माना जाएगा और एनआईपी निर्धारित करते समय अनुमति ली जानी चाहिए।
- xix. नियोजित पूंजी पर प्रतिफल के प्रयोजन के लिए अचल परिसंपत्तियों को सकल मूल्य आधार पर अवश्य शामिल किया जाए न कि निवल आधार पर। किसी भी स्थिति में डीजीएडी को अचल परिसंपत्तियों जिनका मूल लागत/प्रतिस्थापन लागत पर काफी मूल्यहास हो गया है, के प्रतिस्थापन मूल्य पर विचार किया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

46. प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का स्वतः समायोजित समाधान करता है। तथापि, हितबद्ध पक्षों द्वारा किए विशिष्ट अनुरोधों पर विचार किया गया और प्राधिकारी द्वारा नीचे दिए अनुसार समाधान किया गया:

- i. क्षति की जांच करते समय अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत किए गए शुल्क मुक्त आयातों को प्राधिकारी द्वारा अपवर्जित किए जाने के अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत किए गए आयातों को घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित नहीं करने वाला नहीं माना जा सकता। अग्रिम लाइसेंस प्राधिकार धारक को शुल्क मुक्त आधार पर आदानों का आयात करने अथवा अग्रिम निर्मुक्ति आदेश तंत्र का प्रयोग करते हुए उसे स्वदेशी संसाधनों से अधिप्राप्त करने का विकल्प है। क्षति विश्लेषण का प्रयोजन घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करना और अभिग्रहण करना है। इसलिए क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए सभी शुल्क मुक्त आयातों को अपवर्जित करने के लिए यह औचित्यपूर्ण नहीं होगा। इसके अतिरिक्त, अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयात कीमत के लिए एक बेंचमार्क है, जिस पर कोई उपभोक्ता करें और शुल्क का भुगतान करने के पश्चात् वस्तुएं आयात कर सकता है। यह मानना समुचित नहीं होगा कि अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत किया गया आयात घरेलू उद्योग के लिए क्षति का कारण नहीं है।
- ii. नियोजित पूंजी पर 22% प्रतिफल जिसके लिए डीजीएडी द्वारा दी गई अनुमति है, संबंधी अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियोजित पूंजी पर 22% प्रतिफल मंजूर करना डीजीएडी में एक सतत प्रक्रिया है।
- iii. घरेलू उत्पादकों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्द्धा उनकी क्षति का कारण है, संबंधी अनुरोध के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादकों के बीच एक स्वस्थ बाजार स्थिति प्रतिस्पर्द्धा को नियम विरोधी घोषित नहीं किया जा सकता। जबकि इसे अपवर्जित नहीं किया जा सकता क्योंकि पीओआई के दौरान उनकी बिक्री मात्रा और बाजार हिस्से को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग की स्थिति को खराब करने में अन्य उत्पादकों का योगदान हो सकता है। इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई क्षति और पाटित आयात के बीच आकस्मिक लिंक को तोड़ना पर्याप्त नहीं है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश पर प्रतिफल जैसे प्राचलों के संबंध में भौतिक रूप से गिरावट आई है।
- iv. आवेदक ने मुद्रास्फीति क्षति दर्शाने के लिए घरेलू उद्योग ने अपर्याप्त घरेलू उत्पादकों को चयनात्मक रूप से चुना है, संबंधी अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी ने नोट किया है कि याचिका करने वाली कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 78% से अधिक है। इसके अतिरिक्त ये कंपनियां मूल जांच और मध्यकालिक समीक्षा जांच के समय बनी थी। इसके अतिरिक्त विरोध करने वाली हितबद्ध कंपनियों ने यह प्रमाणित करने के लिए कि अन्य घरेलू उत्पादकों का निष्पादन घरेलू उद्योग के निष्पादन की तुलना में काफी भिन्न है, कोई पर्याप्त सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।
- v. घरेलू उद्योग को तथाकथित क्षति मूलभूत कारणों से है और 2013-14 के लिए पीसीबीएल की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार उनके निष्पादन में गिरावट के अन्य घटक हैं, संबंधी अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निरन्तर पाटन का मामला है। किया गया क्षति विश्लेषण यहां यह प्रमाणित करने के लिए स्वतः स्पष्ट है कि निरन्तर पाटन घरेलू उद्योग को निरन्तर क्षति का कारण है। इसके अतिरिक्त कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट जैसे सार्वजनिक वक्तव्य इस निष्कर्ष को नहीं बदलते कि उत्पादन के पाटन ने घरेलू उद्योग की क्षति में योगदान दिया है।
- vi. एनआईपी के निर्धारण की पद्धति से संबंधित आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षों के अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस बारे में संगत दिशा-निर्देश पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अंतर्गत निर्धारित हैं। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-III के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी निर्धारित किया है।

47. इस संबंध में हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों पर विचार करने के लिए प्राधिकारी पाटन के सम्भावित पहलुओं और संबद्ध देशों से आयात के कारण क्षति की जांच करने की कार्रवाई शुरू करने से पूर्व घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति, यदि कोई हो, की जांच करने के लिए आगे बढ़ते हैं।
48. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम II में प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में उन घटकों की जांच शामिल है जो घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाता है, "... ... पाटित आयातों की मात्रा, इसी प्रकार की वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं का घरेलू उत्पादों पर इस प्रकार के आयातों पर परिणामी प्रभाव सहित सभी संगतकारकों को ध्यान में रखते हुए " कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने में भारत में इसी प्रकार की वस्तुओं की कीमतों की तुलना में पाटित आयात द्वारा काफी कम मूल्य रहा है या इस प्रकार के आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों पर काफी दबाव डालता है अथवा वर्तमान कीमतें बढ़ती है, जो अन्यथा काफी मात्रा में होगा।
49. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयात के प्रभाव की जांच के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसी उद्योग की स्थिति के सूचकों पर उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।
50. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्कों की अंतिम समीक्षा है। नियमावली 23 में प्रावधान है कि नियम II के प्रावधान मामले की समीक्षा के लिए भी आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे। अतः प्राधिकारी ने अनुबंध-II के साथ पठित नियम II के प्रावधान आवश्यक संशोधनों सहित विचार करके घरेलू उद्योग की क्षति निर्धारित की है। संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर इसके अतिरिक्त चूंकि विचाराधीन उत्पादों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है। इसलिए प्राधिकारी विचार करता है कि घरेलू उद्योग के लिए क्षति की जांच करते समय संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर विचार किया जाना अपेक्षित है प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या मौजूदा पाटनरोधी उपाय पर्याप्त है या पाटन जो क्षति का कारण है, को प्रभावहीन नहीं करना है।
51. सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार लगाया गया पाटनरोधी शुल्क जब तक पहले रद्द नहीं किया जा सकता तब तक कि इस प्रकार का शुल्क लगाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि समाप्त होने का प्रभाव समाप्त नहीं हो जाता बशर्ते केन्द्र सरकार का किसी समीक्षा में यह मत है कि इस प्रकार के शुल्क को समाप्त करने से सम्भावना है पाटन और क्षति जारी रहेगी अथवा उसकी पुनरावृत्ति होगी। यह इस प्रकार के शुल्क लगाने की अवधि को समय-समय पर आगे और पांच वर्ष के लिए बढ़ा सकती है और इस प्रकार आगे बढ़ाई गई अवधि इस प्रकार अवधि बढ़ाने के आदेश की तारीख से आरम्भ होगी।
52. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात की मात्रा और कीमत प्रभाव की और पाटन एवं क्षति के बीच क्षति के अस्तित्व और आकस्मिक कारकों की जांच करने के लिए कीमतों और लाभप्रदता पर इसका प्रभाव, यदि कोई हो, की जांच की है। प्राधिकारी ने मैसर्स फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मैसर्स एसकेआई कार्बन (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड (पहले हार्टेक कार्बन) जो नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग बनता है, से संबंधित सूचना पर विचार करके घरेलू उद्योग को क्षति की जांच की है। तदनुसार, पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है:-

मात्रा प्रभाव

मांग एवं बाजार हिस्सा

53. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात की मात्रा और मूल्य का अंकन करने के लिए डीजीसीआईएण्डएस से प्राप्त लेनदेन वार आयात आंकड़ों पर विचार किया है। सभी देशों से भारत में विचाराधीन उत्पाद का आयात और भारत में सभी घरेलू उत्पादों की बिक्री के रूप में विचाराधीन उत्पादन की मांग निर्धारित की गई है। स्थिति निम्नानुसार दी गई है:

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	पीओआई	पी- पीओआई	पीओआई (ए)	पी-पीओआई (ए)
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	462,285	429,824	431,417	537,814	228,651	430,252	457,302
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	101,624	130,816	141,907	179,550	78,112	143,640	156,224
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	35,553	86,471	94,940	110,487	45,923	88,390	91,847
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	27,033	20,314	27,359	32,613	13,493	26,091	26,986
मांग/खपत	मी.ट.	626,494	667,425	695,624	860,465	366,180	688,372	732,359

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग क्षति अवधि के दौरान निरन्तर बढ़ी है तथापि, वार्षिकीकृत पीओआई के दौरान मामूली गिरावट आई है। तथापि, पीओआई पश्चात् वार्षिकीकृत अवधि के दौरान पीओआई की तुलना में मांग बढ़ गई है।

आयात मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा

54. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करने की आवश्यकता है कि क्या भारत में निरपेक्ष रूप से अथवा उत्पादन अथवा खपत की दृष्टि से पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II(ii) में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी यह विचार करेगा कि क्या भारत में उत्पादन अथवा खपत में निरपेक्ष रूप से अथवा तुलनात्मक रूप से पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।"

55. डीजीसीआईएण्डएस द्वारा उपलब्ध कराए गए लेनदेन वार आंकड़ों पर विचार करने के लिए क्षति अवधि के लिए आयात मात्रा निम्नानुसार हैं:

विवरण	2010-11	2011-12	2012-13	पीओआई	पी- पीओआई	पीओआई(ए)	पी-पीओआई(ए)
	मात्रा एम टी में						
चीन	15778	80703	91159	110167	44961	88134	89922
रूस	8732	4207	3750	260	950	208	1899

विवरण	2010-11	2011-12	2012-13	पीओआई	पी- पीओआई	पीओआई(ए)	पी-पीओआई(ए)
थाइलैंड	11043	1562	31	60	13	48	26
संबद्ध देश	35553	86471	94940	110487	45923	88390	91847
अन्य	20259	12697	7704	8484	2588	6787	5175
कुल आयात	62586	106786	122300	143101	59417	114481	118833
आयात में बाजार हिस्सा	%						
चीन	25%	76%	75%	77%	76%	77%	76%
रूस	14%	4%	3%	0%	2%	0%	2%
थाइलैंड	18%	1%	0%	0%	0%	0%	0%
संबद्ध देश	57%	81%	78%	77%	77%	77%	77%
अन्य	32%	12%	6%	6%	4%	6%	4%
कुल आयात	100%	100%	100%	100%	100%	100%	100%
भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात	5%	12%	14%	13%	13%	13%	13%
खपत के संबंध में आयात	8%	20%	22%	21%	20%	21%	20%
कुल आयात के संबंध में आयात	57%	81%	78%	77%	77%	77%	77%

उपरोक्त सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- वार्षिकीकृत पीओआई और पञ्च: पीओआई वार्षिकीकृत के दौरान थाइलैंड से आयात में निरन्तर गिरावट आई है और मिनीस्कल बना रहा जबकि क्षति अवधि के दौरान निरन्तर गिरावट के पश्चात् सतत रूप से आयात पञ्च पीओआई वार्षिकीकृत के दौरान तेजी से वृद्धि हुई है।
- सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान चीन गणराज्य से आयात निरन्तर बढ़ा है तथापि पीओआई वार्षिकीकृत के दौरान मामूली गिरावट आई है। पञ्च पीओआई वार्षिकीकृत के दौरान इसमें वृद्धि दर्ज की गई है।
- शेष संबद्ध देशों की तुलना में पीओआई और पञ्च पीओआई सहित सम्पूर्ण क्षति अवधि में चीन गणराज्य से विचाराधीन उत्पाद के आयात का भारी हिस्सा रहा।
- भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में संबद्ध देशों से आयात कुल मिलाकर पर्याप्त बना रहा।

कीमत प्रभाव

पाटित आयात का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

56. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कम कीमत, कम विक्रय कीमत, कीमत पर प्रतिबंध और कीमत पर दबाव के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए उत्पादन की लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और घरेलू उद्योग की गैर-क्षति कीमत (एनआईपी) की संबद्ध देशों से आयात के उतराई तक के मूल्य से तुलना की गई है। पाटित आयातों के उतराई तक के मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू विक्रय कीमत के बीच जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के लिए तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति निर्धारित करने में घरेलू उद्योग द्वारा वहन किए गए करों, छूटों, डिस्काउंटों और कमीशन को समायोजित किया गया है। कम विक्रय कीमत क्षति के अंकन का एक महत्वपूर्ण सूचक है। इस प्रकार प्राधिकारी ने गैर-क्षति कीमत का हिसाब लगाया है और कम विक्रय कीमत की सीमा का पता लगाने के लिए उतराई तक के मूल्य से उसकी तुलना की है। पाटनरोधी नियमवाली के अनुबंध-III की शर्तों के अनुसार घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षति कीमत का मूल्यांकन किया गया है। स्थिति निम्नानुसार है:

कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री

57. प्राधिकारी ने नीचे दी गई तालिका के अनुसार पाटनरोधी शुल्क के साथ और उसके बिना कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री दोनों का विश्लेषण किया है।

जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती

विवरण	इकाई	चीन	रूस	थाइलैंड	संबद्ध देश
निवल बिक्री प्राप्ति	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क सहित पहुंच मूल्य	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित पहुंच मूल्य	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती					
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	%	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रेंज	15-25%	0-10%	(10-20)%	15-25%
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत कटौती					
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत कटौती	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत कटौती	%	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत कटौती	रेंज	(10-20)%	(20-30)%	(20-30)%	(10-20)%

जांच की अवधि के बाद के दौरान कीमत कटौती

विवरण	इकाई	चीन	रूस	थाइलैंड	संबद्ध देश
निवल बिक्री प्राप्ति	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क सहित पहुंच मूल्य	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित पहुंच मूल्य	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती					
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	%	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रेंज	15-25%	10-20%	(20-30)%	15-25%
पाटनरोधी शुल्क रहित कीमत कटौती					
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत कटौती	रू./मी.ट.	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत कटौती	%	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत कटौती	रेंज	(10-20)%	(20-30)%	(30-40)%	(10-20)%

58. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान चीन से पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती बहुत अधिक हुई है, रूस और थाइलैंड से यह नकारात्मक रही है। जांच की अवधि की बाद के दौरान, चीन से पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती अधिक है, रूस से यह सकारात्मक है और थाइलैंड से यह नकारात्मक है।

कम कीमत पर बिक्री

59. कम कीमत पर बिक्री की कीमत का निर्धारण करने के उद्देश्य से, संबद्ध देशों से आयातों के अवतरित मूल्य की तुलना जांच की अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग के क्षति रहित कीमत के साथ की गई है। विभिन्न श्रेणियों के उत्पादन की लागत में बहुत अधिक अंतर को देखते हुए पृथक कम कीमत पर बिक्री कीमत का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा बेची जाने वाली संबद्ध वस्तुओं और भारत में आयातित वस्तुओं की प्रत्येक श्रेणी के लिए की गई है। इसके अलावा उत्पादन की लागत में बहुत अधिक अंतर और उसके फलस्वरूप जांच की अवधि के भीतर की अवधि में क्षति रहित कीमत को देखते हुए, अलग कम मूल्य पर बिक्री कीमत की गणना जांच की अवधि के प्रत्येक तिमाही के लिए की गई है। अंतिम कम मूल्य पर बिक्री कीमत का निर्धारण "जांच की समग्र अवधि" के लिए की गई है और यह संबद्ध आयात की मात्राओं पर विचार करने के बाद संपूर्ण रूप में "विचाराधीन उत्पाद" के लिए की गई है। भारित औसत आंकड़ों के आधार पर कम मूल्य पर बिक्री कीमत निम्नलिखित दर्शाता है।

जांच अवधि

विवरण	इकाई	चीन	रूस	थाइलैंड
क्षति रहित कीमत	रू./मी.ट.	***	***	***
आयातों का पहुंच मूल्य	रू./मी.ट.	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री राशि	रू./मी.ट.	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री मात्रा	%	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री रेंज	रेंज %	30-40	0-10	(0-10)

जांच अवधि पश्चात्

विवरण	इकाई	चीन	रूस	थाइलैंड
क्षति रहित कीमत	रू./मी.ट.	***	***	***
आयातों का पहुंच मूल्य	रू./मी.ट.	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री राशि	रू./मी.ट.	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री मात्रा	%	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री रेंज	रेंज %	25-35	15-25	(15-25)

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान कम मूल्य पर बिक्री की कीमत चीन के लिए सकारात्मक, रूस के लिए आंशिक रूप से सकारात्मक और थाइलैंड के लिए नकारात्मक थी। जांच की अवधि के बाद के दौरान कम मूल्य पर बिक्री की कीमत चीन और रूस के लिए सकारात्मक तथा थाइलैंड के लिए नकारात्मक थी।

पाटित आयातों का कीमत ह्रास और दबाव का प्रभाव

61. पाटित आयातों का कीमत ह्रास और दबाव के प्रभाव की भी जांच संबद्ध देशों से जांच की अवधि सहित हानि अवधि के संबंध में संबद्ध सामानों के उत्पादन की लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और अवतरित मूल्य के संदर्भ में की गई है।

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि	जांच अवधि पश्चात्
बिक्री की लागत	रू./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	148	155	152

बिक्री कीमत	रू./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	130	132	137
आयातों का पहुंच मूल्य	रू./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	121	121	125

62. उपर्युक्त सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की अवधि में बिक्री की लागत और कम मूल्य पर बिक्री की कीमत दोनों में बहुत अधिक वृद्धि हुई थी। कम कीमत पर बिक्री की कीमत में वृद्धि क्षति की अवधि की तुलना में उत्पादन की लागत में वृद्धि के अनुपात में नहीं थी। यह मूल्य ह्रास के प्रभाव को दर्शाता है जिसके द्वारा घरेलू उद्योग बिक्री की लागत में वृद्धि के समानुपात में कम मूल्य पर बिक्री की कीमत को बढ़ाने में सक्षम नहीं हो पाया है।

ट. घरेलू उद्योग के संबंध में आर्थिक मापदंडों की जांच

63. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच शामिल होगी। इसके अलावा नियमावली में यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों तथा उन सूचकांकों का वस्तुपरक और पक्षपात रहित मूल्यांकन शामिल होना चाहिए जिसका घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर लाभ अथवा क्षमता उपयोग जैसे कारकों में वास्तविक और संभावित गिरावट, पाटन के मार्जिन का आकार, नकदी के प्रवाह, मालभंडार, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित प्रभावों सहित उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों की चर्चा नीचे की गई है :-

क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री की मात्रा

64. घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में कार्य निष्पादन नीचे दिया गया है :-

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि	जांच अवधि पश्चात	जांच अवधि (ए)	जांच अवधि पश्चात (ए)
क्षमता	मी.ट.	6,74,000	7,24,000	7,26,000	9,16,000	3,83,000	7,32,800	7,66,000
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	107	108	136	57	109	114
उत्पादन	मी.ट.	5,81,508	5,87,496	5,48,871	6,78,656	2,81,948	5,42,925	5,63,896
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	101	94	117	48	93	97
क्षमता उपयोग	%	86%	81%	76%	74%	74%	74%	74%

सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	94	88	86	85	86	85
घरेलू बिक्री	मी.ट.	4,62,285	4,29,824	4,31,417	5,37,814	2,28,651	4,30,252	4,57,302
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	93	93	116	49	93	99

ऊपर दी गई सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए इसकी क्षमता बढ़ाने के बावजूद क्षमता के उपयोग में गिरावट का सामना करना पड़ा है। घरेलू उद्योग का उत्पादन 2011-12 में बढ़ गया लेकिन उसके बाद जांच की अवधि तक इसमें गिरावट आई। वार्षिकीकृत जांच की अवधि में घरेलू उद्योग का उत्पादन आधार वर्ष और उसके पूर्व के वर्ष की तुलना में अपेक्षाकृत कम था। यह नोट किया जाता है कि बिक्री की मात्रा पूर्व वर्ष और आधार वर्ष दोनों की तुलना में वार्षिकीकृत जांच की अवधि में कम हुई। मांग में वृद्धि के बावजूद बिक्री की मात्रा में गिरावट हुई है।

मालसूची

65. नीचे दी गई सूचना से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति हानि की अवधि के दौरान सतत रूप से बढ़ी है।

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि	जांच अवधि पश्चात
मालसूची	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	134	184	180

लाभ, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह

66. घरेलू उद्योग को क्षति की अवधि के दौरान लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह के संबंध में कार्य निष्पादन नीचे दिया गया है :-

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि	जांच अवधि पश्चात
बिक्री की लागत-घरेलू	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	127	148	155	152
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	117	130	132	137
लाभ/(हानि)	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	15	(38)	(85)	(11)
पी वी आई टी	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	43	14	(23)	45
नकद लाभ	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	25	(23)	(62)	5
आर ओ सी ई	%	***	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	36	11	(15)	28

उपर्युक्त सूचना से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की लाभ/हानि और लाभप्रदता में क्षति की पूरी अवधि के दौरान और अधिक गिरावट आई है। जबकि उत्पादन की लागत और बिक्री की कीमत दोनों इस अवधि के दौरान बढ़ी है, उत्पादन की लागत में वृद्धि बिक्री की कीमत में वृद्धि से अधिक थी। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति की अवधि के

दौरान तेजी से गिरावट आई। घरेलू उद्योग ने वर्ष 2012-13 में वित्तीय घाटा उठाना शुरू किया जिसकी सीमा जांच की अवधि में और बढ़ गई। उसी प्रकार नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ में भी वैसी ही प्रवृत्ति देखी गई।

रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता

67. नीचे दी गई सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का रोजगार और मजदूरी की स्थिति मुख्य रूप से क्षमता में वृद्धि के कारण बढ़ी है लेकिन प्रतिदिन उत्पादन और प्रति कर्मचारी उत्पादन के मामले में उत्पादकता गिरावट दर्शाती है।

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि (ए)	जांच अवधि पश्चात
रोजगार	संख्या	***	***	***	***	***
मजदूरी	सूचीबद्ध	100	102	103	104	105
उत्पादकता	मीट./दिवस	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	94	93	97
	मीट./कर्मचारी	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	91	112	46
मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	138	172	54
मजदूरी	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	147	148	111

ठ. पाटन का आकार

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाइलैंड को छोड़कर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात का पाटन मार्जिन सकारात्मक है।

ड. वृद्धि

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का विकास जांच की अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान नकारात्मक था। उत्पादन, बिक्री की मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, लाभ, निवेश पर आय और नकदी का प्रवाह भी क्षति की अवधि के दौरान नकारात्मक वृद्धि दर्शाता है।

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि	जांच अवधि पश्चात
उत्पादन	%	-	1.03	-5.61	-6.64	-3.03
घरेलू बिक्री	%	-	-7.02	-6.68	-6.93	-1.08
बिक्री की लागत	%	-	27.31	47.90	54.56	51.95
बिक्री कीमत	%	-	16.74	30.34	31.99	36.58
लाभप्रदता	%	-	-84.86	-138.41	-184.91	-111.14
औसत स्टॉक	%	-	10.81	33.64	83.87	80.32
आरओआई	%	-	-15.74	-21.85	-28.01	-17.51

पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने मांग में वृद्धि के बावजूद अपनी क्षमता को बढ़ाया है। हालांकि संबद्ध देशों (थाइलैंड को छोड़कर) से संबद्ध वस्तुओं का सतत पाटन से घरेलू उद्योग को लगातार बहुत अधिक हानि हुई है।

ढ. कारणात्मक संबंध

71. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि अन्य ज्ञात कारकों से नीचे दिए गए अनुसार घरेलू उद्योग को हानि हो सकती थी।

(क) तीसरे देशों से आयात की मात्रा और कीमत

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों को छोड़कर अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात मात्रा में कम रहा है जिसमें दक्षिण कोरिया शामिल नहीं है। घरेलू उद्योग ने दक्षिण कोरिया से आयातों के संबंध में एक अलग याचिका दायर की और प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को पाटन से होने वाली हानि को देखते हुए प्रथम दृष्टया संतुष्ट होने पर पाटनरोधी जांच शुरू की है।

(ख) मांग में संकुचन और उपभोग की पद्धति में परिवर्तन

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की अवधि के दौरान मांग में कोई संकुचन नहीं हुआ है। उत्पाद के लिए मांग क्षति की अवधि के दौरान बढ़ी है। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग में क्षति की अवधि के दौरान अपनी क्षमता का विस्तार किया है। हालांकि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण उपलब्ध मांग की सीमा तक अपनी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम नहीं है।

(ग) प्रौद्योगिकी का विकास

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों में से किसी भी पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में बहुत अधिक परिवर्तनों, जिससे घरेलू उद्योग को हानि हो सकती थी, को दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

(घ) प्रतिस्पर्धा की स्थितियां और व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं का स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है। घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तुओं का प्रमुख उत्पादक है और इसकी बहुत अधिक घरेलू उत्पादन और बिक्री है। इसके अलावा, घरेलू उत्पादकों के बीच इस बात को छोड़कर कोई अनुचित दृश्य प्रतिस्पर्धा नहीं है जो बाजार की अर्थव्यवस्था को पता हो।

(ङ.) घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य निष्पादन

76. घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य निष्पादन संगत नहीं है क्योंकि घरेलू और निर्यात बाजार में कीमत और लाभप्रदता को इस प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति का आकलन करने के उद्देश्य से अलग-अलग किया गया है।

ण. क्षति का आकार और क्षति का मार्जिन

77. प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का क्षति रहित कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति के मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देशों से निर्यात के अवतरित मूल्य से किया गया है। विभिन्न श्रेणियों की उत्पादन की लागत में बहुत अधिक अंतर को देखते हुए, पृथक क्षति रहित कीमत का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा बेचे जाने वाले संबद्ध वस्तुओं की प्रत्येक श्रेणी के लिए किया गया है। इसके अलावा, जांच की अवधि में कुछ समय के दौरान

उत्पादन की लागत में बहुत अधिक अंतर को देखते हुए, जांच की अवधि के प्रत्येक तिमाही के लिए पृथक् क्षति रहित कीमत की गणना की गई है। क्षति के मार्जिन का निर्धारण तुलनीय श्रेणियों और उसी समयावधि पर विचार करते हुए की गई है। क्षति का अंतिम मार्जिन का निर्धारण “जांच की समग्र अवधि” तथा संबद्ध आयात मात्राओं पर विचार करने के बाद संपूर्ण रूप में ‘विचाराधीन उत्पाद’ के लिए की गई है। भारत औसत आंकड़ों के आधार पर क्षति का मार्जिन निम्नलिखित दर्शाता है। जांच की अवधि के दौरान और जांच की अवधि के बाद के दौरान संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश के लिए निर्धारित क्षति का मार्जिन नीचे दिया गया है:-

क्षति मार्जिन-जांच अवधि

विवरण		एनआईपी (अम.डा./मीट.)	पहुंच मूल्य (अम.डा./मीट.)	क्षति मार्जिन (अम.डा./मीट.)	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन %
चीन जन गण						
उत्पादक	निर्यातक					
(i)बुहाई ब्लैक कैट कार्बन कं.लि. (ii)हांडन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि. (iii) चाओयांग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक., लि. (iv) हेनचेंग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि. (v) तांगशांग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक., लि. (vi) ताइयुआन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.	जियांगशी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.	***	***	***	***	30-40
चीन जन गण से इतर		***	***	***	***	45-55
रूस		***	***	***	***	0-10
थाइलैंड		***	***	***	***	(0-10)

क्षति मार्जिन- जांच की अवधि के बाद

देश	विवरण	एन आई पी (अम.डा./मी.ट.)	पहुंच मूल्य (अम.डा./मी.ट.)	क्षति मार्जिन (अम.डा./मी.ट.)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन (%) रेंज
चीन जन.गण	जियांगशी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.	***	***	***	***	15-25
चीन जन गण से इतर		***	***	***	***	40-50
रूस	समस्त	***	***	***	***	20-30
थाइलैंड	समस्त	***	***	***	***	(15-25)

उपर्युक्त सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान जबकि चीन जन.गण. और रूस में क्षति का मार्जिन सकारात्मक था, लेकिन थाइलैंड के संबंध में हानि का मार्जिन नकारात्मक है। उसी प्रकार जांच की अवधि के बाद के दौरान क्षति का मार्जिन चीन और रूस के संबंध में सकारात्मक लेकिन थाइलैंड के संबंध में नकारात्मक है।

अत्यधिक हानि के संबंध में निष्कर्ष

78. जांच ने इस प्रकार से दर्शाया है कि चीन जन.गण. से पाटित आयातों की मात्रा हानि की पूरी अवधि के दौरान सतत रूप से बढ़ी है। यद्यपि, यह तत्काल पूर्व के वर्ष की तुलना में वार्षिकीकृत जांच की अवधि के दौरान आंशिक रूप से कम हुई। रूस से पाटित आयातों की मात्रा में जांच की अवधि के दौरान सतत रूप से गिरावट आई है परंतु जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान इसमें वृद्धि हुई है। थाइलैंड से पाटित आयातों की मात्रा में बहुत अधिक गिरावट हुई है और यह जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद दोनों में बहुत कम रहा है।

79. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, चीन जन.गण. और रूस से भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों का कीमत में बहुत अधिक कटौती और कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव पड़ा है और इस प्रकार के आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों में बहुत अधिक गिरावट होनी थी। चीन जन.गण. और रूस से पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर परिणामी प्रभाव के संबंध में, जांच में यह दर्शाया है कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री की मात्रा, बाजार हिस्सा, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय जैसे मानदंडों के संबंध में बहुत अधिक गिरावट आई है। इस प्रकार से जांच ने यह दर्शाया है कि घरेलू उद्योग को चीन जन.गण. और रूस और नकि थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं का पाटित आयात से सतत हानि उठानी पड़ी है क्योंकि प्राधिकारी द्वारा थाइलैंड के संबंध में निर्धारित हानि का मार्जिन जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद के दौरान नकारात्मक है।

ल. पाटन और हानि के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना

घरेलू उद्योग का अनुरोध

80. घरेलू उद्योग ने पाटन और हानि के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना के अपने दावे के समर्थन में निम्नलिखित अनुरोध किया है :-

- i. जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक पाटन मार्जिन सिद्ध करता है कि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन के जारी रहने और उसके और अधिक होने की संभावना है।
- ii. संबद्ध देशों से आयात पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी में भी बढ़ती हुई प्रवृत्ति को दर्शा रहा है जिसके माध्यम से यह दृष्टिगत होता है कि पाटनरोधी शुल्क को हटाए जाने की स्थिति में आयात में वृद्धि होगी।
- iii. संबद्ध देशों के उत्पादक कार्बन ब्लैक का उत्पादन करने के लिए विशाल क्षमताएं रखते हैं। पाटनरोधी शुल्क को निरस्त किए जाने की स्थिति में आयातों की मात्रा में और अधिक वृद्धि होगी।
- iv. संबद्ध देशों से निर्यातकों का पूरे विश्व में बहुत अधिक निर्यातान्मुखी करण है। इस कारण से पाटन और हानि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को इस चरण में समाप्त किए जाने की स्थिति में और ऊंचे स्तर पर पुनः होने की संभावना है।
- v. आयातों का पहुंच मूल्य पाटनरोधी शुल्क के बिना घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहा है, इसलिए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने से घरेलू उद्योग पर बहुत अधिक प्रतिकूल मात्रा और कीमत प्रभाव होने की संभावना है।

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

81. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने पाटन और हानि के जारी रहने अथवा उसके पुनः होने की संभावना के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किया है:-

- i. एक अंतिम समीक्षा में, समग्र जांच का केन्द्र इस बात पर है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने से घरेलू उद्योग को पाटन अथवा हानि फिर से होगी। आवेदक ने पाटन और हानि के फिर से होने की संभावना के उद्देश्य से इसे हो रही पाटन अथवा हानि के जारी रहने को दर्शाने के लिए जांच की अवधि के बाद कोई आंकड़ा प्रस्तुत नहीं किया है।
- ii. हानि की संभावना की जांच करने में प्राधिकारी को घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों, कीमतों और प्रभाव के अनुमानित स्तरों के आधार पर भावी घटनाओं की जांच करनी होती है और इस बात की भी जांच करनी होती है कि क्या घरेलू उद्योग को फिर बहुत अधिक हानि होने की संभावना है। घरेलू उद्योग ने भावी अवधि के लिए इसके कार्य निष्पादन के बारे में कोई सूचना नहीं दी थी। अतः आवेदक के दावे को अस्वीकार किए जाने की आवश्यकता है।
- iii. अत्यधिक क्षमताओं और हानि के फिर से होने की कथित मौजूदगी अपने आप में पाटनरोधी शुल्क दिए जाने के लिए आधार नहीं हो सकता है।
- iv. सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 9क(5) में 5 वर्षों की एक अतिरिक्त अवधि के लिए ऐसे आरोपण की अवधि को बढ़ाने का ही प्रावधान है। एक निर्णायक समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क को बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

82. वर्तमान जांच चीन जन.गण., रूस और थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों की निर्णायक समीक्षा है। इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस बात का निर्धारण करे कि क्या पाटनरोधी शुल्क को लगातार लगाए रखना आवश्यक है। इससे इस बात की भी जांच करने की आवश्यकता है कि क्या लगाए गए शुल्क से क्षति सहित पाटन को समाप्त करने के उद्देश्य पूरे हो रहे हैं।

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में, चीन जन.गण. और रूस से संबद्ध वस्तुओं का सतत पाटन होता है जो घरेलू उद्योग को लगातार हानि पहुंचा रहा है जो वास्तव में यह दर्शाता है कि इन संबद्ध देशों से पाटन और हानि की संभावना बनी हुई है। जहां तक संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग और कीमत का प्रश्न है, उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए तथा भारतीय बाजार में मौजूद अनुकूल बाजार स्थितियों के कारण प्राधिकारी के पास इस बात पर विश्वास करने का तर्क है कि पाटनरोधी शुल्कों को निरस्त किए जाने/हटाए जाने की स्थिति में चीन जन.गण. और रूस से पाटन और अधिक हो सकता है। जहां तक थाइलैंड का प्रश्न है, यद्यपि, इस देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात अभी भी पाटित कीमत पर हो रहे हैं, आयात की मात्रा जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद की अवधि के बाद के दौरान बहुत अधिक कम हो गई है। इसके अलावा, प्राधिकारी द्वारा थाइलैंड के संबंध में यथा निर्धारित हानि का मार्जिन जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद के दौरान नकारात्मक है। निम्नलिखित विश्लेषण पाटनरोधी शुल्कों को निरस्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और हानि के जारी रहने/उसके और अधिक होने की संभावना के बारे में दर्शाएगा।

(i) वर्तमान तथा पूर्व पाटन मार्जिन का स्तर

84. पूर्व में तथा वर्तमान जांच में चीन और रूस के संबंध में पाटन मार्जिन का स्तर बहुत अधिक है। भारतीय उद्योग के पास मांग को पूरा करने के लिए बहुत अधिक क्षमता होने के बावजूद, संबद्ध देशों से थाइलैंड को छोड़कर संबद्ध वस्तुओं का आयात अभी भी पाटित कीमत पर होना जारी है। चीन जन.गण. और रूस से संबद्ध वस्तुओं के आयात कीमत कटौती और

कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव के स्तर को देखते हुए, पाटित आयातों की मात्रा के पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में और अधिक बढ़ने की संभावना है।

(ii) भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता

85. जिस कीमत पर संबद्ध वस्तुओं का निर्यात चीन जन.गण. से किया जा रहा है, वह अपने आप में पाटन के जारी रहने तथा उसके और अधिक होने की संभावना का एक द्योतक है। यद्यपि रूस से संबद्ध वस्तुओं का आयात जांच की अवधि सहित क्षति की पूरी अवधि के दौरान लगातार कम हुई है, जांच की अवधि के बाद के दौरान रूस से आयात ने बहुत अधिक वृद्धि दर्ज की है। इसके अतिरिक्त उक्त आयात अभी भी पाटित कीमतों पर होना जारी है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने/निरस्त किए जाने की स्थिति में, रूस से पाटित आयातों की मात्रा रूस में उत्पादन क्षमता और भारत में अनुकूल बाजार स्थितियों पर विचार करने के बाद और अधिक बढ़ सकती है।

(iii) संबद्ध देशों में उत्पादकों का निर्यातोन्मुखीकरण

86. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देशों में उत्पादक/निर्यातक बहुत अधिक निर्यातोन्मुख हैं। भारत में संबद्ध वस्तुओं के लिए उच्च मांग और अनुकूल बाजार स्थितियों और इन उत्पादकों की अधिक उत्पादन क्षमता और निर्यातोन्मुखीकरण पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का मानना है कि पाटनरोधी शुल्कों को निरस्त किए जाने की स्थिति में, चीन जन.गण. और रूस से निर्यातकों द्वारा पाटित कीमतों पर भारत में अपना निर्यात बढ़ाने की संभावना है।

(iv) संबद्ध देशों में विशाल उत्पादन क्षमता

87. घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए साक्ष्य जिसे नीचे दिया गया है, दर्शाता है कि चीन जन.गण. और रूस के पास बहुत अधिक अतिरिक्त क्षमता है जो पाटनरोधी शुल्कों को निरस्त किए जाने/उसे समाप्त किए जाने की स्थिति में भारतीय बाजार में पाटित किए जाने में सक्षम है।

विवरण	इकाई	2009	2010	2011	2012
	रूस				
वर्ष- समाप्त - क्षमता	किलोटन/वर्ष	720	720	730	780
कुल मांग	किलोटन	233	298	301	305
अतिरिक्त क्षमता	किलोटन	487	422	429	475
	चीन				
वर्ष- समाप्त - क्षमता	किलोटन/वर्ष	4,639	5,114	5,526	6,339
कुल मांग	किलोटन/वर्ष	2,758	3,239	3,452	3,166
अतिरिक्त क्षमता	किलोटन	1,881	1,875	2,074	3,173
	थाइलैंड				
वर्ष- समाप्त - क्षमता	किलोटन/वर्ष	375	460	460	510
कुल मांग	किलोटन/वर्ष	240	314	347	377
अतिरिक्त क्षमता	किलोटन	135	146	114	133

स्रोत: सीबीओ मॉनीटर और नॉच रिपोर्ट

(v) उपायों के अभाव में कीमत कटौती, दबाव और ह्रास

88. जिस कीमत पर संबद्ध वस्तुओं का आयात चीन जन.गण. और रूस से किया जा रहा है वह उस कीमत की तुलना में बहुत अधिक कम है जिस पर इन वस्तुओं को घरेलू बाजार में बेचा जा रहा है। इसलिए पाटनरोधी शुल्कों को निरस्त किए जाने/समाप्त किए जाने की स्थिति में यह संभव है कि इन देशों से निर्यातक उनके पास रखी जा रही बहुत अधिक क्षमताओं को देखते हुए भारतीय बाजार में अपने उत्पादन को भेज सकते हैं।

प्रथम प्रकटन विवरण, द्वितीय मौखिक सुनवाई तथा द्वितीय प्रकटन विवरण के अनुसरण में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियां/अनुरोध

घरेलू उद्योग

89. प्रथम प्रकटन विवरण, द्वितीय मौखिक सुनवाई तथा द्वितीय प्रकटन विवरण के अनुसरण में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियां/अनुरोध नीचे दिया गया है :

- i. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत उपयुक्त नहीं है। इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा कार्बन ब्लैक के उत्पादन की लागत से उत्पादन और बिक्री के संबंध में अर्जित लाभ का समायोजन भी उपयुक्त नहीं है। एन आई पी को ह्रास, कमीशन, बाहरी भाड़ा, गलत कर्ज, नियोजित पूंजी, भाड़ा, बिक्री कर और उत्पाद शुल्क पर विचार करने के बाद ऊपर की ओर संशोधित किए जाने की आवश्यकता है।
- ii. कोरिया से संबद्ध वस्तुओं का आयात पाटित कीमतों पर बहुत अधिक मात्रा में बढ़ना शुरू हो गया। याचिकाकर्ताओं ने कोरिया से आयातों के विरुद्ध एक नयी याचिका दायर की है। संबद्ध देशों में अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध है जिसे शुल्कों के हटाए जाने की स्थिति में भारत में भेजा जाएगा।
- iii. चीन जन गण और रूस से संबद्ध वस्तुओं का लगातार पाटन हो रहा है जिससे घरेलू उद्योग को लगातार क्षति हो रही है जो वास्तव में यह दर्शाता है कि इन संबद्ध देशों से पाटन और क्षति की संभावना है। प्राधिकारी के पास यह विश्वास करने का तर्क है कि पाटनरोधी शुल्कों के हटाए जाने/उसके समाप्त होने की स्थिति में चीन जन.गण. और रूस से पाटन और अधिक हो सकता है।
- iv. यह हितबद्ध पक्षकारों की जिम्मेदारी है कि वे अन्य कारकों की पहचान करें और उसके बाद इसके मौजूद होने को दर्शाएं और तब इस प्राधिकारी द्वारा क्षति के किसी कारण के रूप में किसी अन्य कारक पर विचार कर सकने के पूर्व उसके प्रभाव की मात्रा को दर्शाएं। वर्तमान जांच एक अंतिम निर्णायक जांच है और घरेलू उद्योग को क्षति की उसकी संभावना वह मानदंड है जो अकेला इस बात के बारे में निर्णय लेगा कि क्या पाटनरोधी शुल्क को और आगे बढ़ाया जाना चाहिए।
- v. एक वर्ष से आगे समीक्षा जांच को पूरा करने के लिए समय का विस्तार पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत दिया जाने योग्य है। 12 महीने से अधिक का समय दिए जाने के लिए विशिष्ट परिस्थितियों के प्रकटन के संबंध में, ऐसी परिस्थितियां हितबद्ध पक्षकारों को दर्शायी जानी अपेक्षित नहीं है।
- vi. दोनों संघ (ए टी एम ए और ए आई आर आई ए) सहयोग नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने वर्तमान जांच में कोई सूचना नहीं दी है। ए आई आर आई ए के किसी भी सदस्य ने ए टी एम ए के मामले में आयातक की प्रश्नावली का उत्तर

दायर नहीं किया है और इस कारण से ए टी एम ए के सदस्यों की बहुत बड़ी संख्या है और उनमें से केवल दो सदस्यों ने आयातक की प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

- vii. प्रकटन विवरण के अनुबंध-4 में एनआईपी के निर्धारण के लिए पद्धति दी गई है। क्षति रहित कीमत पद्धति का प्रकटन सभी हितबद्ध पक्षकारों को एक मात्र अंतर के साथ बिल्कुल एक जैसा है कि घरेलू उद्योग के प्रकटन में आंकड़े भी दिए गए हैं जो गोपनीय है।
- viii. नियोजित पूंजी में कोई बहुत अधिक वृद्धि नहीं हुई है। किसी भी स्थिति में वृद्धि पर विचार क्षमता में वृद्धि के साथ की जानी होती है। निवल निर्धारित परिसंपत्ति नियोजित पूंजी के निर्धारण के लिए पूर्ण रूप से अनुपयुक्त पद्धति है।
- ix. यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि एक प्रयोक्ता संघ यह प्रश्न उठा रहा है कि क्यों घरेलू उद्योग ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं। कोई भी निर्धारित कीमत घरेलू उद्योग के साथ गहन रूप से कीमत का समझौता करते हुए उपभोक्ताओं के अनुरूप किया जाता है। उपभोक्ता न्यूनतम कीमत वृद्धि और उसमें कमी के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।
- x. संघ थाइलैंड के मामले में नकारात्मक क्षति मार्जिन का अर्थ निकाल रहा है तथा अपनी सुविधा से चीन और रूस के मामले में बहुत अधिक क्षति मार्जिन की उपेक्षा कर रहा है। 0.2 प्रतिशत आयात थाइलैंड से हुआ है जबकि 76 प्रतिशत आयात चीन से हुआ। सभी स्रोतों से भारित औसत, कीमत में कटौती और क्षति मार्जिन बहुत अधिक था।
- xi. प्लैट्स मैग्जीन की उपयुक्तता तथा सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए डाई स्टफ के मामले में सेस्टेट के निर्णय की उपयुक्तता के संबंध में, ये तथ्य बिल्कुल अलग-अलग हैं और इन तथ्यों के बिल्कुल एक रहने को सिद्ध किए बिना किसी मामले में सीधे उसका संदर्भ लेना उपयुक्त नहीं होगा।
- xii. भारत में तृतीय देश की बाजार अर्थव्यवस्था से कीमतों को निम्नलिखित कारणों से भी नहीं अपनाया जा सकता है कि (क) विचाराधीन उत्पाद में अलग-अलग प्रकारों की काफी संख्या निहित है जो संबद्ध लागतों और कीमतों में अलग-अलग होती है; (ख) कारखानागत कीमतों का निर्धारण करने के लिए कीमत का समायोजन उपलब्ध नहीं है। (ग) इन कीमतों पर इन दावों को देखते हुए प्रतिनिधिस्वरूप रूप में विचार नहीं किया जा सकता था कि भारत में तीसरे देशों से कीमतें चीन से पाटन के कारण उपयुक्त नहीं थीं।
- xiii. जहां तक प्रतिवादी निर्यातक का प्रश्न है, प्राधिकारी ने निर्यात मूल्य के लिए समायोजन हेतु उनकी प्रश्नावली का उत्तर स्वीकार किया है। किसी अन्य निर्यातक के संबंध में, प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा दावा किए गए तथा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित किए गए समायोजनों की तुलना कर सकता है।
- xiv. याचिकाकर्ता और चीन की/थाइलैंड की कंपनियां स्वतंत्र रूप से कार्य कर रही हैं और तब भी उनका संबंध इस कानून के प्रयोजन से हो सकता है, इन सभी प्रतिष्ठानों के पास उनके कार्यचालन के लिए पर्याप्त स्वायत्तता है। याचिकाकर्ता में यह क्षमता नहीं है कि वे उन्हें इस प्राधिकारी को प्रत्युत्तर देने के लिए निर्देशित करें। पाटनरोधी शुल्क बिना किसी पक्षपात के आधार पर लागू किया जाएगा और यह उनके द्वारा किए गए निर्यातों पर भी लागू होगा।
- xv. अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयातों के संबंध में भारत सरकार ने पाटनरोधी शुल्क के भुगतान से निर्यात के लिए आयात को छूट प्रदान की है और उस सीमा तक इस मांग को आयातों द्वारा पूरा किया जा रहा है। घरेलू उद्योग का यह विचार है कि छूट इस बाजार खंड में नहीं दी जानी चाहिए। जहां तक कीमत के प्रभाव का प्रश्न है, अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयात से हानि हुई है।

निर्यातकों/आयातकों/प्रयोक्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

90. प्रथम प्रकटन विवरण, द्वितीय मौखिक सुनवाई तथा द्वितीय प्रकटन विवरण के अनुसरण में निर्यातकों/आयातकों/प्रयोक्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियाँ/अनुरोध नीचे दिए गए हैं:

- i. घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका को विधिवत सिद्ध नहीं किया गया है और इसमें सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत में किए गए समायोजन की पद्धति, क्षति और क्षति मार्जिन की संभावना आदि के संबंध में आवश्यक सूचना नहीं दी गई है। प्लेट्स मैग्जीन द्वारा प्रकाशित कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य निकालना सेस्टेट और माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के प्रतिकूल है।
- ii. चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा है अतः 12 महीने से अधिक की जांच अवधि की समय सीमा का विस्तार देना गैर-कानूनी और क्षेत्राधिकार से बाहर है।
- iii. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- I के अनुसार चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश की किसी बाजार अर्थव्यवस्था में तय किया गया मूल्य अथवा कीमत अथवा ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों में निर्यात कीमत के आधार पर निर्धारित की जानी है। प्राधिकारी को चीन के लिए सामान्य मूल्य हेतु अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से भारत में कीमतों में विचार करना चाहिए। जब उक्त पद्धति संभव नहीं हो, तभी प्राधिकारी चीन, जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु किसी उचित आधार का सहारा ले सकते हैं।
- iv. घरेलू उद्योग के भाग के रूप में एस के आई कार्बन की स्थिति संदिग्ध है। प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान भारत में इन संबंधित प्रतिष्ठानों द्वारा किए गए वास्तविक निर्यात को प्रकट नहीं किया है और चीन जन.गण. से कुल आयात के साथ संबंधित निर्यातक के आयातों की तुलना नहीं की।
- v. घरेलू उद्योग के आवेदन को अस्वीकार किया जाना चाहिए क्योंकि आवेदक के संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। घरेलू उत्पादकों के संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा असहयोग के परिणामस्वरूप पूर्ण सूचना प्रकटन नहीं हो पाती है और यह घरेलू उद्योग की स्थिति पर संदेह पैदा करता है।
- vi. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह माना है कि अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत किए गए आयात/निर्यात घरेलू उद्योग को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने से वंचित नहीं करता है क्योंकि इस प्रकार के आयात वास्तविक प्रयोक्ता आधार पर किए जाते हैं और इनका आशय उत्पादन और निर्यात से है। इस प्रकार से अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत सभी अन्य आयातों को भी इस जांच के क्षेत्र से बाहर किए जाने की आवश्यकता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत किए गए आयातों को स्थिति के लिए और क्षति के विश्लेषण के प्रयोजनों से अलग-अलग नहीं मान सकते हैं।
- vii. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रतिवादियों द्वारा उठाए गए घरेलू उद्योग की वार्षिक रिपोर्ट में दी गई परस्पर प्रतिस्पर्धा, 22 प्रतिशत आरओसीई तथा अंतरनिहित कारकों पर विचार के संबंध में अनुरोधों की जांच नहीं की है।
- viii. निर्यातक देशों में अत्यधिक क्षमता होने मात्र का यह अर्थ नहीं है कि पाटन और क्षति के बार-बार होने की संभावना है। संबद्ध देश से पाटन की कोई संभावना नहीं है और घरेलू उद्योग को किसी प्रकार की हानि होने की कोई संभावना नहीं है।
- ix. एन आई पी के निर्धारण की पद्धति को प्रकटन विवरण में प्रकट नहीं किया गया है। घरेलू उद्योग में से एक घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित विद्युत संयंत्र पर एन आई पी के निर्धारण के लिए विचार किया जा सकता है।

- x. पूर्व की जांच ने घरेलू उद्योग को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की है जो एम टी आर और सुरक्षा जांच में और अधिक हो गई है। इसके अलावा, जांच की अवधि के दौरान अथवा जांच की अवधि के बाद मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं हुई है और आयात किए गए सामान उपभोक्ताओं को जांच की अवधि के दौरान और जांच की अवधि के बाद घरेलू उद्योग की एनआईपी की तुलना में अधिक कीमत पर उपलब्ध थी। इस प्रकार से पाटित सामानों से पर्याप्त सुरक्षा के बावजूद घरेलू उद्योग को हो रही कोई क्षति स्वयं के कारण हो रही है। प्राधिकारी को उन कारकों की जांच करने की आवश्यकता है जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।
- xi. घरेलू उद्योग ने बहुत अधिक गोपनीयता का दावा किया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए विचार किए जाने वाले कच्चे माल की लागत, सामान्य मूल्य और आयात के आंकड़ों को अलग-अलग करने के लिए उपयोग में लाई जाने वाली पद्धति को प्रकट किया जाना चाहिए।
- xii. आवेदक ने संबद्ध उत्पाद के लिए ग्रेड-वार और देश-वार पाटन मार्जिन दिया है। हालांकि आवेदक देश-वार और ग्रेड-वार क्षति मार्जिन देने में असफल रहा है।
- xiii. घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आयात आंकड़े संबद्ध उत्पाद के संबंध में मध्यावधि समीक्षा जांच और डी जी सुरक्षा उपाय द्वारा जारी अंतिम जांच परिणाम में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी की गई अंतिम जांच परिणाम में दिए गए आंकड़ों से बिल्कुल अलग है। प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आंकड़ों की फिर से जांच करने की आवश्यकता है।
- xiv. हार्डटैक कार्बन की स्थिति संदिग्ध है क्योंकि वे संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक/निर्यातक से संबंधित हैं और मै0 एस के आई कार्बन (इंडिया) प्रा0 लि0 ने भी अग्रिम अधिकरण के अंतर्गत संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है जिसके बारे में घरेलू उद्योग को क्षति का कारण के रूप में दावा किया गया है। प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से आयातों की तुलना इस प्रकार के आयातों से भी नहीं की है। यदि प्राधिकारी घरेलू उद्योग की स्थिति का निर्धारण के लिए मै0 एस के आई कार्बन (इंडिया) प्रा0 लि0 द्वारा किए गए अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत आयातों को अलग करते हैं क्योंकि इस प्रकार के आयात उत्पादन और निर्यात के उद्देश्य से किए जाते हैं, प्राधिकारी को क्षति की जांच के क्षेत्र से अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत सभी आयातों को बाहर रखना होता है।
- xv. 22 प्रतिशत की दर से आर ओ सी ई बहुत अधिक है और इसका कोई औचित्य नहीं है।
- xvi. प्राधिकारी द्वारा जिन दस्तावेजों और डी जी सी आई एंड एस का लेन देन-वार आंकड़ों पर विश्वास किया गया है उसे हितबद्ध पक्षकारों को दिया जाना चाहिए।
- xvii. एक निर्णायक समीक्षा जांच में, केन्द्र सरकार पाटनरोधी शुल्क की अवधि को केवल बढ़ा सकती है और मौजूदा पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि नहीं कर सकती है।
- xviii. थाइलैंड से आयात जांच की अवधि के दौरान और जांच की अवधि के बाद बहुत अधिक कम हुई है। इस प्रकार से थाइलैंड के विरुद्ध की जांच को नियम 14 (ड.) के अंतर्गत समाप्त किया जाए।
- xix. थाइलैंड सहित संबद्ध देशों के सामान्य मूल्य का उपयोग चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु किया जा सकता था क्योंकि आवेदक घरेलू उद्योग के संबंधित उत्पादक/निर्यातक थाइलैंड में स्थित हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी थाइलैंड से इस प्रकार के संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों से सूचना मांग सकते हैं और घरेलू उद्योग के संबंधित प्रतिष्ठान द्वारा अपेक्षित सूचना देने में असफल होने को घरेलू उद्योग का असहयोग माना जाएगा।

- xx. घरेलू उद्योग को क्षति का दावा अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत इन आयातों सहित संबद्ध देशों से आयातों के आधार पर किया गया है। दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत सामानों का आयात किया है जिसके बारे में इसे निर्यात के प्रयोजन से किए जाने का दावा किया गया है। ऐसा कोई कारण नहीं है कि क्यों एसकेआई कार्बन द्वारा आयात से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती थी। क्षति की जांच अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयातों के लिए अलग-अलग की जानी चाहिए।
- xxi. घरेलू उद्योग को क्षति संबद्ध देशों से आयातों के कारण नहीं हुई है। वह प्रकटन विवरण से स्पष्ट है जिसने जांच की अवधि के दौरान तथा जांच की अवधि के बाद सभी संबद्ध देशों के लिए कीमत में नकारात्मक कटौती का निर्धारण किया।
- xxii. घरेलू उद्योग ने कोरिया से आयातों के कारण उसके लिए साक्ष्य दिए बिना क्षति का दावा भी किया है। इसके अलावा, चूंकि घरेलू उद्योग को क्षति कोरिया से आयातों के कारण हुई है, अतः संबद्ध देशों से आयातों को उसका कारण नहीं माना जा सकता है।
- xxiii. प्रतिवादी को कार्बन ब्लैक की लागत से ऑर्डर के लाभ के समायोजन के संबंध में सूचना प्राप्त नहीं हुई है। घरेलू उद्योग ने भी इस बात को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि लीन गैस एक अपशिष्ट अथवा स्क्रेप है। प्राधिकारी उसकी जांच संयंत्र और मशीनरी में निवेश सहित सभी पहलुओं की जांच करने के बाद एन आई पी कानून के अनुसार कर सकते हैं।
- xxiv. वर्तमान देयताओं से ब्याज वाले ऋण लागत खरीद को बाहर करने का मतलब दुगुना लाभ देना होगा क्योंकि लागत खरीद में ब्याज की लागत भी शामिल होती है और उसके अतिरिक्त घरेलू उत्पादकों को उस मद के लिए नियोजित पूंजी पर नोशनल लाभ मिलेगा।
- xxv. पाटनरोधी जांच के उद्देश्य से, ह्रास का दावा मशीनरी के उपयोगी जीवन तक किया जा सकता है। यदि मशीनरी का पूर्ण रूप से ह्रास हो चुका है, तब आगे कोई ह्रास का दावा नहीं किया जा सकता है।
- xxvi. प्राधिकारी ने कारखानागत स्तर पर एन आई पी का सतत रूप से निर्धारण किया है। विनिर्माण पश्चात खर्च जैसे कमीशन, बट्टे, बाहरी भाड़ा, कारखानागत स्तर पर आदि पर विचार नहीं किया जाएगा जबकि कारखानागत स्तर को छोड़कर एनआईपी की गणना और क्षति रहित कीमत का आकलन गैर कानूनी है और साथ ही न्यायोचित नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

91. प्रथम प्रकटन विवरण, द्वितीय मौखिक सुनवाई तथा द्वितीय प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग द्वारा की गई तथा प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई टिप्पणियां/अनुरोधों की जांच नीचे दिए गए अनुसार की गई है:
- i. घरेलू उद्योग के इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत (एन आई पी) उपयुक्त नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनआईपी का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार किया गया है।

- ii. इस अनुरोध के संबंध में कि बिजली की बिक्री पर लाभ पर विचार एन आई पी का निर्धारण करते समय नहीं किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कार्बन ब्लैक के विनिर्माण में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित लीन गैस का उपयोग विद्युत के उत्पादन में किया जाता है और ऐसे लीन गैस के लिए कोई मूल्य तय नहीं किया गया है। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने अपने द्वारा उत्पादित विद्युत का अंश बाहरी पक्षकारों को बेचा है और लाभ अर्जित किया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने कार्बन ब्लैक का उत्पादन करते समय उत्पादित लीन गैस से उत्पादित विद्युत की बिक्री पर लाभ का समायोजन करने के बाद एन आई पी का निर्धारण किया है।
92. प्रथम प्रकटन विवरण, द्वितीय मौखिक सुनवाई तथा द्वितीय प्रकटन विवरण के बाद निर्यातकों/आयातकों/प्रयोक्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियाँ/अनुरोध अधिकांशतः पुनरावृत्ति हैं। इसके बावजूद प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई उन टिप्पणियों/अनुरोधों की जांच नीचे दिए गए अनुसार की गई है :
- i. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका विधिवत सिद्ध नहीं की गई है और इसमें आवश्यक सूचना नहीं दी गई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध दर्शाते हुए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई पर्याप्त प्रथमदृष्टया साक्ष्य के आधार पर जांच शुरू की गई थी।
- ii. इस तर्क के संबंध में कि चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा है, इसलिए 12 महीने से आगे की जांच अवधि का समय विस्तार देना गैर-कानूनी है और क्षेत्राधिकार से परे है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि केन्द्र सरकार ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 17 के संबंध में 12 महीने से अधिक की वर्तमान जांच अवधि की समय सीमा का विस्तार दिया है।
- iii. इस तर्क के संबंध में कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अनुसार, चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय, प्राधिकारी को चीन के लिए सामान्य मूल्य हेतु अन्य बाजार अर्थव्यवस्था देश से भारत को कीमतों पर विचार करना चाहिए और जब उक्त पद्धति संभव नहीं हो, तब प्राधिकारी चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु अन्य उचित आधार का सहारा ले सकते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि तृतीय देश की लागत और कीमतों, घरेलू बिक्री के संबंध में पूर्ण और व्यापक आंकड़े अथवा तृतीय देश के निर्यात आंकड़े तथा तृतीय देश में ऐसे उत्पादों के उत्पादन की लागत और सहयोग के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाना अपेक्षित है जो वर्तमान जांच में इस प्राधिकारी के पास उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा अन्य ऐसे बाजार अर्थव्यवस्था में प्रचलित कीमतों और लागतों के संबंध में ऐसा कोई सत्यापन योग्य सूचना तीसरे देश को आवेदक द्वारा अथवा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा नहीं दी गई है और न ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध किसी सूचना को प्राप्त किया जा सकता है और न ही प्रतिवादी चीनी कंपनियों ने एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश के संबंध में कोई दावा किया है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के संबंध में किसी अन्य उचित आधार पर आधारित सामान्य मूल्य तय करने की प्रक्रिया शुरू की है। प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देश के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए अपनाई गई पद्धति की स्पष्ट व्याख्या इस प्रकटन विवरण के संगत पैराओं में की गई है।
- iv. एस के आई कार्बन की स्थिति के संबंध में इस तर्क के बारे में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मामले की विस्तृत रूप से जांच इस अन्तिम जांच निष्कर्ष के संगत भाग में की जा चुकी है। आवेदकों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान जबकि थाइलैंड से संबंधित कंपनियों द्वारा किए गए निर्यात की मात्रा मामूली है, संबंधित चीनी कंपनियों द्वारा किया गया निर्यात (i) जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का कुल आयात (ii) जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तुओं का कुल आयात (iii)

कुल भारतीय उत्पादन (iv) घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री (v) भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग और (vi) एस के आई का उत्पादन पर विचार करते हुए जांच की अवधि के दौरान भारत में चीन द्वारा किए गए संबद्ध वस्तुओं का कुल निर्यात का मामूली प्रतिशत होता है।

- v. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग के आवेदन को अस्वीकार किया जाना चाहिए क्योंकि आवेदकों के संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे की जांच इस अन्तिम जांच निष्कर्ष के संगत भाग में अच्छी तरह से कर ली गई है। संबंधित पक्षकारों द्वारा किए गए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात न केवल मामूली है बल्कि शुल्क मुक्त लाइसेंसियों के माध्यम से आयातकों द्वारा इसका आयात किया गया है। इसको देखते हुए प्राधिकारी ने इस नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग के रूप में वर्तमान जांच में दोनों आवेदक उद्योगों पर विचार किया है।
- vi. इस तर्क के संबंध में कि अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत किए गए आयात को स्थिति के लिए और क्षति के विश्लेषण के प्रयोजनों से अलग-अलग नहीं माना जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत किए गए आयात, यदि कोई हो, से घरेलू उद्योग को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने से वंचित नहीं करना चाहिए क्योंकि ये आयात वास्तविक प्रयोक्ता आधार पर हैं और इन्हें उत्पादन और निर्यात के उद्देश्य से किया गया है। हालांकि अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत किए गए आयात को ऐसा नहीं माना जा सकता है कि इसने घरेलू बाजार में कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। किसी अग्रिम लाइसेंस/अधिकरण धारक के पास या तो शुल्क मुक्त आधार पर इनपुट्स का आयात करने अथवा अग्रिम रिलीज आदेश के तंत्र का उपयोग करते हुए स्वदेशी स्रोतों से उसकी खरीद करने का विकल्प होता है। क्षति विश्लेषण का प्रयोजन घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करना और उसे रोकना है। इस कारण से यह उचित नहीं होगा कि क्षति विश्लेषण के प्रयोजन से सभी शुल्कमुक्त आयातों को अलग रखा जाए। इसके अलावा अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयात उस कीमत के लिए एक बेंचमार्क है जिस पर वस्तुओं का आयात किसी उपभोक्ता द्वारा करें और शुल्को के भुगतान के बाद किया जा सकता है। इसलिए इस दृष्टिकोण को मानना उपयुक्त नहीं है कि अग्रिम लाइसेंस को क्षति नहीं होती है।
- vii. प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत के निर्धारण के लिए 22 प्रतिशत की दर से आर ओ सी ई को सतत रूप से लिया है। परस्पर प्रतिस्पर्धा और क्षति के अन्य अंतरनिहित कारकों के संबंध में, किसी हितबद्ध पक्षकारों ने उन साक्ष्यों को प्रस्तुत नहीं किया है जिससे परस्पर प्रतिस्पर्धा का प्रभाव तथा अन्य अंतरनिहित कारक सिद्ध होते हों।
- viii. क्षति रहित कीमत (एनआईपी) के निर्धारण की पद्धति का प्रकटन के संबंध में प्रकटन विवरण में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि एनआईपी का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार किया गया है। इसके अलावा, प्रकटन विवरण के अनुबंध-4 में एनआईपी के निर्धारण के लिए पद्धति का प्रावधान है।
- ix. मध्यावधि समीक्षा में शुल्क की वृद्धि और सुरक्षात्मक शुल्कों को लगाए जाने से घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्कों की समीक्षा की मांग करने से वंचित नहीं होते हैं। समीक्षा जांच के अनुसरण में पाटनरोधी शुल्क की वृद्धि ने दर्शाया कि उत्पादक/निर्यातक पाटन और अधिक कर रहे हैं जिससे घरेलू उद्योग की निर्णायक समीक्षा जांच की मांग के अनुरोध को बल मिलता है। प्रकटन विवरण में कीमत की नकारात्मक कटौती के निर्धारण के संबंध में, क्षति का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II पर आधारित होगा जिसमें

पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमत पर प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा।

- x. इस तर्क के संबंध में कि आवेदक देश-वार और ग्रेड-वार क्षति मार्जिन देने में असफल रहें हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का क्षति रहित कीमत जिसका निर्धारण प्राधिकारी द्वारा किया गया है, कि तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देशों से निर्यात का पहुंच मूल्य से की गई है। विभिन्न ग्रेडों के उत्पादन की लागत में बहुत अधिक अंतर को देखते हुए, अलग-अलग क्षति रहित कीमत का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा बेची गई संबद्ध वस्तुओं के प्रत्येक ग्रेड के लिए की गई है। इसके अलावा जांच की अवधि के भीतर की समय अवधि में उत्पादन की लागत में बहुत अधिक अंतर को देखते हुए, जांच की अवधि के प्रत्येक तिमाही के लिए अलग-अलग क्षति रहित कीमत की गणना की गई है। भारित औसत क्षति मार्जिन का निर्धारण तुलना किये योग्य ग्रेडों और उसी समयावधि पर विचार करने के बाद की गई है। अन्तिम क्षति मार्जिन का निर्धारण समग्र "जांच की अवधि" के लिए तथा समग्र रूप में 'विचाराधीन उत्पाद' के लिए संबद्ध आयात मात्राओं पर विचार करने के बाद की गई है।
- xi. इस अनुरोध के संबंध में कि डी जी सी आई एंड एस के लेन-देन वार आयात आकड़ों जिन पर प्राधिकारी द्वारा विश्वास किया गया है, हितबद्ध पक्षकारों को दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस के लेन-देन वार आयात आकड़ों में निर्यातकों और आयातकों से संबंधित वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील आंकड़े होते हैं और इस कारण से ये आंकड़े गोपनीय प्रकृति के होते हैं अतः इन्हें प्राधिकारी द्वारा नहीं बताया जा सकता है। इसके बावजूद संगत आयात आकड़ों को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किया गया है और सार्वजनिक फाइल में प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया गया है।
- xii. इस तर्क के संबंध में कि केन्द्र सरकार केवल पाटन रोधी शुल्क की अवधि बढ़ा सकती है और पाटन रोधी शुल्क की मात्रा में संशोधन नहीं कर सकती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह कानून के अभिप्रायः की गलत व्याख्या मात्र है। अन्यथा केन्द्र सरकार को पाटन रोधी शुल्क की प्रकृति और मात्रा में संशोधन करने की शक्ति नहीं देने के ऐसे किसी प्रावधान से घरेलू उद्योग मूल निर्धारण के बाद वस्तुओं की सतत/गहन पाटन से उत्पन्न होने वाले क्षति के बावजूद बिना किसी समाधान के रह जायेगा।
- xiii. इस तर्क के संबंध में कि थाइलैंड सहित संबद्ध देशों में प्रचलित समान्य मूल्य का उपयोग चीन के लिए समान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु किया जा सकता था क्योंकि आवेदक घरेलू उद्योग का संबंधित उपत्पादक/निर्यातक थाइलैंड में स्थित है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने इस संबंध में संगत सूचना नहीं उपलब्ध कराई है। इसके अलावा थाइलैंड और चीन को चीन के लिए समान्य मूल्य के निर्धारण हेतु आर्थिक विकास के समान स्तर के रूप में नहीं माना जा सकता है।
- xiv. घरेलू उद्योग को क्षति का दावा अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयातों सहित संबद्ध देशों से आयातों के आधार पर की गई है। दूसरी ओर घरेलू उद्योग में अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत समानों का आयात किया है जिसे निर्यात के उद्देश्य किये जाने का दावा किया जा रहा है। ऐसा कोई कारण नहीं है कि क्यों एस के आई कार्बन द्वारा आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती थी। क्षति की जांच अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत आयातों के लिए अलग-अलग रूप से किया जाना चाहिए।

- xv. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग में कोरिया से आयातों के कारण क्षति का उसके लिए साक्ष्य प्रस्तुत किये बिना ही दावा किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया जन.गण से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में एक पाटन रोधी जांच चल रही है।

घ. निष्कर्ष

93. उठाए गए मुद्दों, दी गई सूचना और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध तथा इस प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों जिसे इस निष्कर्ष में रिकॉर्ड किया गया है, के संबंध में तथा पाटन और परिणामी क्षति के जारी रहने की स्थिति और पाटन एवं क्षति के जारी रहने/उसके फिर से होने की संभावना की स्थिति का उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं :-

- (i) चीन जन.गण. और रूस से लगातार पाटन हो रहा है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।
- (ii) चीन जन.गण. और रूस से पाटित आयातों से कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री दोनों के प्रभाव सकारात्मक हैं।
- (iii) घरेलू उद्योग का वित्तीय कार्य निष्पादन और अधिक खराब हो गया है। जांच की अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग ने उत्पादन, बिक्री, लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर लाभ जैसे आर्थिक मापदंडों के संबंध में नकारात्मक वृद्धि दर्शायी है। चीन जन.गण. और रूस से पाटित आयात से घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी है।
- (iv) यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को निरस्त कर दिया जाए तब चीन जन.गण. और रूस से विचाराधीन उत्पाद का पाटन जारी रहने/और अधिक होने की संभावना है।

ह. सिफारिशें

94. उपर्युक्त निष्कर्ष निकालने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटनरोधी उपायों को केवल चीन जन. गण. और रूस के संबंध में ही किया जाना अपेक्षित है, जैसा कि नीचे शुल्क तालिका में उल्लेख किया गया है। प्राधिकारी का आगे यह मत है कि थाइलैंड के मामले में, जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद के दौरान प्राधिकारी द्वारा निर्धारित नकारात्मक क्षति मार्जिन को देखते हुए, पाटनरोधी शुल्क को निरस्त किए जाने की आवश्यकता है। अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं कि वे चीन जन.गण. और रूस से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क नीचे दी गई शुल्क तालिका में यथा विनिर्दिष्ट रूप में और तरीके से लगातार लगाने की सिफारिश करें और थाइलैंड के मामले में पाटनरोधी शुल्क को निरस्त करने की सिफारिश करें।

95. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जा रहे अपेक्षाकृत कम शुल्क के संबंध में, प्राधिकारी चीन जन गण और रूस में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटन रोधी शुल्क को पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन में से जो भी कम हो, के बराबर पाटन रोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को क्षति से बचाया जा सके। तदनुसार, नीचे दी गई तालिका के कॉलम 8 में दर्शायी गई राशि के बराबर पाटन रोधी शुल्क केन्द्र सरकार द्वारा चीन जन गण और रूस में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाये जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

सं.	शीर्ष/ उपशीर्ष	वस्तु विवरण*	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28030010	रबड़ के उपयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	((i)बुहाई ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं.लि. (ii)हांडन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि. (iii) चाओयांग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक., लि. (iv) हेनचेंग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि. (v) तांगशांग ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक इंक., लि. (vi) ताइयुआन ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं. लि.	जियांगशी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कं.लि.	397.10	मी.ट.	अम.डॉ.
2	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	494.00	मी.ट.	अम.डॉ.
3	-यथोक्त-	-यथोक्त-	कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई	494.00	मी.ट.	अम.डॉ.
4	-यथोक्त-	-यथोक्त-	रूस	रूस	कोई	कोई	36.17	मी.ट.	अम.डॉ.
5	-यथोक्त-	-यथोक्त-	रूस	कोई	कोई	कोई	36.17	मी.ट.	अम.डॉ.
6	-यथोक्त-	-यथोक्त-	कोई	रूस	कोई	कोई	36.17	मी.ट.	अम.डॉ.

*नोट: अर्ध संवाहक मिश्रित उपयोगों के लिए बनाए गए थर्मल ब्लैक और कार्बन ब्लैक ग्रेड को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा गया है।

क्ष. आगे की प्रक्रिया

96. केन्द्र सरकार द्वारा यह आदेश स्वीकार किए जाने के बाद इसके विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

ए.के.भल्ला, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi the 1st October, 2015

Final Findings

Subject: Sun Set Review (SSR) investigation of the anti-dumping duties imposed on the imports of ‘Carbon Black used in rubber applications’, originating in or exported from China PR, Russia and Thailand.

No.15/8/2014-DGAD: Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. Background of the case

2. Whereas, an anti-dumping investigation concerning imports of “Carbon Black used in rubber application” (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from Australia, China PR, Russia and Thailand was initiated by the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) vide Notification No.14/21/2008-DGAD dated 26th December 2008. The preliminary finding was issued by the Authority, recommending imposition of provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from Australia, China PR, Russia and Thailand, vide Notification No. 14/21/2008-DGAD dated 25th May 2009. The provisional duty was imposed by the Central Government on the imports of the subject goods, originating in or exported from the Australia, China PR, Russia and Thailand vide Notification No. 83/2009-Customs dated 30th July 2009. The final findings notification of the Authority was published vide Notification No. 14/21/2008-DGAD dated 24th December 2009. The definitive anti-dumping duties were imposed by the Central Government on the imports of the subject goods, originating in or exported from the said countries, vide Notification No. 6/2010 dated 28th January 2010.
3. Whereas, on the basis of an application filed by M/s Automotive Tyre Manufacturers’ Association (ATMA), the Authority initiated a mid-term review (MTR) investigation vide Notification No.15/41/2010-DGAD dated 30th August, 2011 and vide Notification No.15/41/2010-DGAD dated the 28th February, 2013 recommended continued imposition of the anti-dumping duties at enhanced rates which was imposed by the central Government vide Notification No. 9/2013-Customs (ADD) dated 26th April, 2013.
4. WHEREAS, M/s Phillips Carbon Black Limited and M/s Hi-Tech Carbon, now known as SKI Carbon Black (India) Pvt Ltd, (hereinafter also referred to as the applicants), have filed a duly substantiated application before the Authority, in accordance with the Act and the Rules, alleging likelihood of continuation or recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from Australia, China PR, Russia and Thailand and consequent injury to the domestic industry and requested for review, continuation and enhancement of the anti-dumping duties, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the said countries. Subsequently, the petitioners withdrew their petition in respect of imports from Australia and accordingly the Authority excluded Australia from the purview of the present SSR investigation and considered China PR, Russia and Thailand as subject countries in the present SSR investigation. Accordingly, the Authority initiated the sunset review (SSR) investigation in accordance with Section 9A(5) of the Act read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, vide Notification No.15/8/2014-DGAD, dated 15th July, 2014 to review the need for continued imposition of the duties in force in respect of the subject goods, originating in or exported from the China PR, Russia and Thailand (hereinafter also referred to as the subject countries) and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

B. Procedure

5. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i. The Authority sent copy of the initiation notification dated 15th July 2014 to the embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, known importers and other interested parties, and the domestic producers, as per available information. The known interested parties were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters were also sent to embassies of the subject countries along with a list of known exporters/producers, with a request to advise the exporters/producers from the subject countries to respond within the prescribed time.
- ii. Copy of the non-confidential version of the application filed on behalf of the applicants was made available to the known exporters, other domestic producers and the embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3) of the Rules.
- iii. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating the sunset review to the following known producers/exporters in the subject countries and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules:

Carbon Black Producers/exporters in China

Hebei Daguangming Industry Group Co., Ltd, Western Side, Donghuan South Road, Shahe City, Hebei Province, China.	Shanghai Kargos International Trade Co., Ltd, T2-12F, No.2601 Xietu Rd, Shanghai, China.
Hebeijing Country Xinyuan Rubber Chemical Co Ltd., Shengli Road Guangsha District, Hengshui City, Hebei province, China.	Hebei Yonghui Chemical Industries Import and Export Co., Ltd., No.199, Xinhua Road, Shijiazhuang, Hebei, China.
Gansu Jinshi Chemical Co., Ltd 109 #, West Suburb, Minle County, Gansu, China.	Shandong Shuangyan Chemical Co., Ltd., No.787 Donger Road Dongying City, Shandong, China.
Weifang Longzhou Industry and Commerce Co., Ltd., Luocheng Town, Shouguang City, Shandong Province. China.	Laiwu Taishan Carbon Black Co., Ltd Gaozhuang industrial zone, Laicheng, Laiwu, China.
Qichang Chemical Co., Ltd Beichenwang, Tangyin County, Anyang City, Henan Province, China	Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd., Liyao, Jingdezhen City, Jiangxi Province, China.
Suzhou Boahua Carbon, Xushuguan Suzhou, China.	Tianjin Dolphin Carbon Black Ltd. East of Railway, North of Yinheqiao Beichein District, Tianjin, China.

Carbon Black Producers/Exporters in Russia

Omsktechuglerod OJSC 644049, Barabinskaya Street, 20, Omsk, Russia	Amtel Holding Company Amtel House 45 Kutuzovsky Prospekt 121170 Moscow Russia
Severgazprom 39/2 Lenin Street, Ukhta Komi Republic of Russian Federation	Nizhnekamsk Nizhnekamsk Carbon Black Plant 423570 Nizhnekamsk Prombaza Republic of Tartarstan
Yaroslavltechuglerod 150053 Yaroslavl	

Carbon Black Producers/Exporters in Thailand

Thai Carbon Black 44 Moo1, Ayuthaya-Angthong Highway Tambol Pasa Amphur Muang Angthang 14000, Thailand	Bridgestone Carbon Black (Thailand) Co., Ltd. Rojana Industrial Park, Ban Khai District, Rayong Province, Thailand
3. Thai Tokai Carbon Product Co., Ltd. 9th Floor, Harindhorn Tower, 54 North Sathorn Road, Silom,	

Bangrak, Bangkok 10500, Thailand	
----------------------------------	--

- iv. In response to the initiation of the subject investigation, following producers/exporters from the subject countries have responded by filing questionnaire response:

8.	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd., Liyao Jingdezhen City, Jiangxi Province, PR China.
9.	M/s Wuhai Black Cat Carbon Black Co., Ltd., Wusuyuan, Hainan District, Wuhai City, Inner Mongolia Province PR China.
10.	M/s Handan Black Cat Carbon Black Co. Ltd. North Chenzhuang Village, Shicunying, Ci County, Handan City, (Ci County Coal-Chemical Industrial Zone), Hebei Province, PR China
11.	M/s Chaoyang Black Cat Carbon Black Inc., Ltd. No. 82 fifth division of Changjiang Road, Longcheng District, Chaoyang City, Liaoning Province, PR China
12.	M/s Hancheng Black Cat Carbon Black Co., Ltd. Xizan Coal Industry Park, Hancheng, Shanxi, China
13.	M/s Tangshan Black Cat Carbon Black Inc. Ltd. Xiaozai, Fangezhuang, Guye District, Tangshan City, Hebei Province PR China
14.	M/s Taiyuan Black Cat Carbon Black Co., Ltd. Gao bai industrial park, Qingxu county, Taiyuan City, Shanxi Province PR China

- v. Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to the known producers/exporters in China PR and the Embassy of China PR in India with the request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time limit. While for the purpose of initiation, the normal value in China PR was considered based on the cost of production of the subject goods in India, duly adjusted, the Authority informed the known producers/exporters from China PR that has examined the claim of the applicant in the light of Para 7 and Para 8 of Annexure I of Anti-dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR were, therefore, requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned to enable the Authority to consider whether market economy treatment can be granted to the cooperative exporters/producers in China PR. However, none of the respondent producers/exporters from China PR have filed MET questionnaire response rebutting the non-market economy treatment meted out to China PR.

- vi. Questionnaires were sent to the following known importers/users/associations of subject goods in India calling for necessary information in accordance with the Rules:

1	M/s JK Tyres Ltd., Link House, 3, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi – 110 002	12	M/s Birla Tyre, Shivam Chambers 53, Syed Amir Ali Avenue, Kolkata-700 019, West Bengal.
2	M/s Apollo Tyres, Apollo House 7, Institutional Area, Sector-32, Gurgaon -122001 (Haryana)	13	M/s CEAT Ltd., CEAT Mahal, 463, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai 400 030
3	M/s MRF Ltd., 124 Greams Road, Chennai-06	14	M/s Ralson, Plot No: 3, New Industrial Area, Mandideep. Distt. Raisen, M.P. – 462046
4	M/s Poddar Tyre, GT Road Jugiana, Ludhiana (PB) 141420	15	M/s Oriental Rubber Industries, 525 Koregoan Bima Pune Nagar Road, Pune
5	M/s Hindustan Rubber, 1 Janki Center Off Veera Desai Road Andheri(W) Mumbai-53	16	M/s Agarwal Rubber, 15-1-503/49/A, Ashok Market, Siddiamber Bazar, Hyderabad 500 01,
6	M/s Exel Rubber, Flat No. 507, Sai Sadan Apts, Opp. SBI Balkampet, S.R. Nagar,	17	M/s Tega Industries, First floor, No 210, 5 th Main Road Vijay Nagar 2 nd Stage Bangalore 560040

	Hyderabad – 500038		
7	M/s Phoenix Yule, Ideal Plaza, 4 th Floor, 11/1, Sarat Bose Road, Kolkatta 600 02, West Bengal	18	M/s Monotona Tyres, Mumbai, Mumbai 422 01, Maharashtra
8	M/s TVS Srichakra, Perumalpatti road Velaripatti Road , Melur Taluq Madurai-625122	19	M/s Ahuja Continental, 1109 Mittal Towers MG Road Bangalore
9	M/s Midas Rubber, P. John Zachariah Buildings, Kottayam, Kerala, 686001	20	M/s Tolins, M.C. Road, Kalady-683 574, Kerala
10	M/s TM Tyres, 5-35, Survey No, 305 & 321 Kalakal Village Medak – 502320, Andhra Pradesh	21	M/s Hartex Rubber, 6-3-865, Madhupala Towers, Ameerpet, Hyderabad- 500 016
11	Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA), PHD House, 4 th Floor, Opposite Asian Games Village, Sirifort Institutional Area, New Delhi - 110016		

- vii. In response to the above notification, while importers questionnaire response has been filed by M/s Apollo Tyres Ltd and M/s. JK Tyres & Industries Ltd., submissions have been filed by ATMA.
- viii. Questionnaires were also sent to the following known domestic producers/associations of the subject goods in India for necessary information and response. However, none of these domestic producers of the subject goods filed any response.

1	Continental Carbon India Limited A-14 Industrial Area No. 1 South Side of GT Road Ghaziabad-201 001	3	Himadri Chemicals & Industries Limited Ruby House 8, India Exchange Place 2nd Floor, Kolkata- 700 001
2	Goodluck Carbon Pvt. Ltd. (Ralson Carbon Black) 303, Rohit House, Tolstoy Marg, Connaught Place, New Delhi-110001	4	Association of Carbon Black Manufacturers, A-22, Belvedere Tower, DLF City, Phase – I, Gurgaon - 122002

- ix. Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation, have been treated as non-cooperating interested parties.
- x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange for details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations, which was received by the Authority. The domestic industry provided information with regard to imports based on IBIS data (secondary source). The Authority has, however, relied upon the DGCI&S imports data for computation of the volume & value of imports and injury analysis.
- xi. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. The NIP has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Anti-dumping Rules.
- xii. The period of investigation for the purpose of the present review is 1st October 2012 to 31st December 2013 (15 months). However, injury analysis covered the periods April, 2010-March, 2011, April, 2011-March, 2012, April, 2012-March, 2013 and the POI.
- xiii. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 30th January, 2015. The parties, who presented their views in oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- xiv. A disclosure statement, disclosing the essential facts of the investigation, was issued by the Authority on 31st July, 2015 inviting comments from the interested parties.

- xv. Post disclosure, due to change in the incumbency of the Designated Authority and in line with the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the ATMA case, another oral hearing was conducted by the new Designated Authority on 27th August, 2015. The parties, who presented their views in the 2nd oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- xvi. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this finding.
- xvii. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry.
- xviii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xix. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts were disclosed by the Authority to the known interested parties vide a disclosure statement issued on 31st July, 2015 and comments received on the same, to the extent considered relevant by the Authority, have been considered in this finding.
- xx. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xxi. The Department of Revenue vide their letter No.354/130/2009-TRU dated 17.07.2015 extended the time period to complete the investigations up to 14.01.2016.
- xxii. ***represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiii. The average exchange rate of 1US\$ = Rs 58.05 prevailing during the POI has been adopted by the Authority in this finding.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

6.The Product under Consideration (PUC) in the original investigation was 'Carbon Black used in rubber application'. In the original investigation the product was defined as under:

"5. The product under consideration is 'Carbon Black used in rubber applications'. It is an inorganic chemical used in production/ processing of rubber (including tyres), as reinforcing filler. Carbon Black is also known as acetylene black, channel black, furnace black, lampblack, thermal black, and noir de carbone. Carbon black can be divided into two categories – rubber and non-rubber applications Carbon black. Carbon black for rubber applications is the Carbon black that is used in production/ processing of rubber (including tyres), as a reinforcing filler. The present investigation is in respect of Carbon black used in rubber applications. Carbon black used in non-rubber applications, such as inks in copiers and computer printer cartridges, paints, crayons and polishes, is not within the scope of the present investigation.

7.Since the present investigation is for sunset review, the scope of the product under consideration remains the same as that of the original investigation. The subject goods fall under Chapter 28 of the Customs Tariff Act under Subheading No.28030010. However, the customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

8.Rule 2(d) with regard to like article provides as under: -

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

9.Applicants have claimed that there is no known difference in carbon black produced by them and exported from subject countries. Carbon black produced by the applicants and imported from subject countries are having

comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods.

10. The application filed is for the review, continuation and enhancement of the quantum of the anti-dumping duty in force, and the issue of like article has been already dealt with in the previous investigations. In the earlier investigations the Authority has already held that the subject goods produced by the domestic industry is like article to the subject goods imported from the subject countries. The opposite interested parties submitted that Authority should exclude such grades, which are not produced by the domestic industry. However, the Authority notes that such claims have not been substantiated. The product under consideration in the earlier as well as present investigation is Carbon Black used in rubber applications and the different grades are not mutually exclusive in usage. Moreover, in the earlier investigation, no such claim was made by the opposite interested parties. Carbon black used in non-rubber applications, such as inks in copiers and computer printer cartridges, paints, crayons and polishes, is not within the scope of the present investigation.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

Submissions made by the Exporters/Importers/ users/other Interested Parties

11. With regard to scope of the domestic industry and standing, following submissions have been made by the exporters/importers/users/other interested parties:
 - i. Hi-Tech Carbon is related to the producers/exporters in the subject countries namely Thai Carbon Black Co Ltd, Thailand, Liaoning Birla Carbon Co Ltd, China and Columbian Chemicals Weifang Co Ltd., China. Therefore, Hi-Tech Carbon cannot be considered as domestic industry.
 - ii. The argument of the applicants that exports made by related exporters in China PR were insignificant vis-à-vis total Indian production or total Indian demand or total Indian sales is not relevant. Instead, what is relevant is comparison of imports made by the related exporters with imports from China PR only.
 - iii. As regards exports made by related company in Thailand, the level of exports from Thailand does seem insignificant during the POI. However, upon comparison with previous years, it is also apparent that after the end of previous investigation, imports from Thailand shot up significantly and reduced drastically at the time of present POI. This trend shows a probable strategy on the part of domestic producer in India and its related exporter in Thailand to keep its exports insignificant during the POI, so as to avoid the issue of standing of domestic industry.
 - iv. If Authority accepts the contention of DI that imports made under Advance License should be considered for determination of injury, then Hi-tech should be excluded from the constituent of the Domestic Industry.

Submissions made by Domestic Industry

12. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to standing and scope of the domestic industry:
 - i. According to Rule 2 (b), “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.
 - ii. It is an established position of law that the Authority may, in its discretion, include a producer who is either related to the producer/exporter of the subject goods or imported the subject goods, within the scope of domestic industry.
 - iii. In the instant case, Hi-Tech Carbon should be considered as an eligible domestic producer despite exports by their group companies in subject countries in view of (i) past decision of the Designated Authority in this regard at the time of original investigations and mid-term review, (ii) low volume of exports by the group companies, (iii) production of the company in India being quite significant, (iv) focus of the company being on domestic production instead of imports.
 - iv. None of the petitioner companies have imported the subject goods.
 - v. Phillips Carbon Black Limited is not related to any exporter or importer of the subject goods.
 - vi. Aditya Birla Group, to which Hi-Tech Carbon belongs, has group companies who are producers of subject goods in Thailand and China, but they are independent legal entities under legal framework of respective countries.

- vii. Petitioners' production constitutes more than 50% of Indian production. The petition satisfies the requirement of standing under the Rules and petitioner companies constitute the domestic industry.
- viii. Hi Tech Carbon was earlier a unit of Aditya Birla Nuvo Ltd and now a unit of SKI Carbon black (India) Pvt Ltd.
- ix. The Aditya Birla Group is an Indian multinational conglomerate corporation headquartered in Mumbai. It operates in 33 countries worldwide. The Group consists of 5 flagship companies in India namely Hindalco, Grasim, Aditya Birla Nuvo, idea Cellular and Ultra Tech Cement.
- x. Aditya Birla Nuvo divested its Carbon Black business (HiTech Carbon – Gumudipundi, Renukut and Patalganga units) to SKI Carbon Black (India) Pvt Ltd with effect from 1st April, 2013. 99.99% share in SKI Carbon Black (India) Pvt Ltd is held by SKI Carbon Black (Mauritius) Ltd, which in turn is 100% owned by SKI Investment Pte Ltd, Singapore. However, carbon black business of the Group was and continues to be nicknamed as Hi Tech Carbon. Both Aditya Birla Nuvo Ltd and SKI Carbon Black (India) Pvt Ltd. are Aditya Birla Group Companies.
- xi. The directors of SKI Carbon Black (India) Private Limited are as follows
 - a. Mr Santrupt Misra
 - b. Mr Gopi Krishna Tulsian
 - c. Mr Surendra Goyal
 - d. Mr Dilip Roopsingh Gaur
 - e. Mr Shyamsundar Rathi
 - f. Mr Satish Rai
- xii. Thai Carbon Black Public Co Ltd, Thailand (TCB) is a member of the Aditya Birla Group.
- xiii. Following are the directors of TCB
 - a. Mr Kumar Mangalam Birla- Chairman
 - b. Mrs Rajashree Birla- Director
 - c. Mr Santrupt B Misra- Director
 - d. Mr S S Mahansaria- Independent Director
 - e. Mr G K Tulsian- Independent Director
 - f. Mr Prakrit Pradipasen- Independent Director
 - g. Mr Deepak Mittal- Independent Director
 - h. Mr Rajinderpal Singh Thakralbutra Independent Director
 - i. Mr Arvind K Newar- Independent Director
 - j. Mr Sajeew Sood- President & Director
- xiv. The shareholders of Columbian Chemical Weifang Co Ltd China PR are Thai Carbon Black Public Company Limited – 20.59%, Alexandria Carbon Black Co S.A.E, Egypt- 20.59% and SKI Investments Pte Ltd, Singapore- 58.82%. The Board of Directors of Columbian Chemical Weifang Co Ltd China PR are as follows:
 - a. Mr Kumar Mangalam Birla- Chairma
 - b. Mrs Rajashree Birla
 - c. Mr Rajiv Dube
 - d. Mr Santrupt Misra
 - e. Mr D D Rathi
 - f. Mr Kevin Boyle

- xv. Liaoning Birla Carbon Co Ltd (LBCC) was founded in 2003 and is based in China. In 2010, Thai Carbon Black Company Ltd (TCB) held 100% shareholdings in the LBCC. In October 2013, TCB disposed off its investments in LBCC and as of October 2013, LBCC operates as a subsidiary of Columbian Chemicals (Weifang) Holdings S. a.r.l. which is a Aditya Birla Group Company.
- xvi. SKI India, Thai Carbon Black, LBCC and Columbian Chemical are autonomous while taking business decisions and pursuing their business plans. In fact, both the companies are working in competition with each other in Indian market, as one of the domestic producer and the other market as an exporter. The decision making of both the companies are independent and there is no interference in this regard
- xvii. Following are the exports into India from the companies mentioned below under advance license.

Company	FY 2012-13	FY 2013-14	POI	FY 2014-15
CCW-China	***MT	*** MT	***MT	***MT
LBCC- China	*** MT	***MT	*** MT	***MT
TCB- Thailand	*** MT	*** MT	*** MT	***MT

Examination by the Authority

13. In the earlier investigations, the domestic industry was constituted by M/s Phillips Carbon Black Limited and M/s HiTech Carbon. Although the application for sunset review has been filed by M/s Phillips Carbon Black Limited and M/s HiTech Carbon, the Authority notes that since 2013 Hi-Tech Carbon was demerged from Aditya Birla Nuvo Ltd and M/s SKI Carbon (India) Pvt Ltd was incorporated. Apart from Phillips Carbon Black Limited and SKI Carbon (India) Pvt Ltd, there are three other producers of subject goods in India namely M/s. Continental Carbon India Limited, Himadri Chemicals and Industries Limited and M/s Good Luck Carbon Black Pvt. Ltd. Although these other domestic producers have neither supported nor opposed the present SSR application, from the application the Authority notes that the applicant industry's production accounts for 78.29 % in the production of the subject goods in India. Therefore, the production of subject goods by M/s Phillips Carbon Black Limited and M/s SKI Carbon (India) Pvt Ltd (formerly HiTech Carbon) constitute a major proportion in Indian production, as per the Rules.
14. On the basis of the declaration submitted by M/s Phillips Carbon Black Limited and M/s SKI Carbon (India) Pvt Ltd (formerly HiTech Carbon), the Authority further notes that none of the applicant companies have imported the subject goods from the subject countries. Further, on the basis of the declaration of M/s Phillips Carbon Black Limited, the Authority notes that this company is not related to any exporter or importer of the subject goods. As regards M/s SKI Carbon (India) Pvt Ltd (formerly HiTech Carbon), on the basis of information provided by the company, the Authority notes that SKI Carbon (India) Pvt Ltd (formerly HiTech Carbon) belongs to Aditya Birla Group and has group companies in Thailand and China which are involved in the production and exports of subject goods. The details of exports of subject goods made by these group companies to India during the POI are as follows:

Name of the Aditya Birla Group Company	MT
Columbian Chemicals Weifang Co Ltd, China (a)	***
Liaoning Birla Carbon Co Ltd, China (b)	***
Total for China (a+b)	***
Thai Carbon Black, Thailand	***

15. As claimed by the applicants, these imports were cleared by the Indian importers under duty exemption scheme of the Govt. of India. On the basis of information furnished by the applicants, the Authority notes that during the POI while the volume of exports made by the related companies from Thailand is insignificant, the exports made by the related Chinese companies constitutes an insignificant percentage of the total exports of the subject goods made by China to India during the POI considering (i) the total imports of subject goods to India during the POI (ii) the total imports of subject goods to India from the subject countries during the POI (iii) the total Indian production, (iv) domestic sales of the domestic industry, (v) demand for subject goods in India and (vi) production of SKI as is evident from the table below:

Particulars	China	Thailand
Imports in relation to Total Imports	***%	***%
Imports in Relation to Total Imports from Subject Countries	***%	***%
Imports in Relation to Total Indian Production	***%	***%
Imports in Relation to Total SKI Production	***%	***%
Imports in Relation to Domestic sales of DI	***%	***%
Imports in Relation to Demand	***%	***%

16. The issue regarding standing of the applicants was raised by the interested parties at the time of earlier investigations as well and the Authority had held that both Hi-Tech Carbon (now known as SKI Carbon (India) Pvt Ltd) and Phillips Carbon Black constituted domestic industry. The Authority notes that there is no material change in the legal and factual position, concerning the standing of the applicants, since the original investigations and midterm review investigations. In view of the above position, the Authority considers both M/s Phillips Carbon Black Limited and M/s SKI Carbon (India) Pvt Ltd (formerly HiTech Carbon), the applicants for the present sunset review investigation, as domestic industry within the meaning of the Rule 2(b) of the Rules and holds that the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.
17. As regards the contention that imports under advance license should not be treated differently for the purpose of standing and injury, the Authority notes that the applicant domestic industries have declared that they have not imported the subject goods from the subject countries during the POI. Nevertheless, imports/exports made under advance license should not debar the domestic industry from being treated as eligible domestic industry because these imports are on actual user basis and meant for production and export. However, the imports made under advance licenses cannot be considered to have not affected the price in the domestic market. An Advance license/authorization holder has a choice either to import the inputs on a duty free basis or procure the same from indigenous sources by using the mechanism of Advance Release Order. The purpose of injury analysis is to examine and capture the effect of dumped imports on the domestic industry. Therefore, it would not be reasonable to exclude the duty free imports from the injury analysis. Further, import under advance license is a benchmark for the price at which goods can be imported by a consumer after payment of taxes and duties. It would not be appropriate to consider that imports made under advance license do not cause injury to the domestic industry.

E. Confidentiality and other issues

18. Following submissions have been made by the exporters, importers and other interested parties with regard to confidentiality:
- Excess confidentiality has been claimed by the petitioners in respect of information concerning costing, price, changes in the structure of the company etc.
 - Excessive confidentiality claimed by the petitioners has restrained the respondent from making complete analysis of injury.
19. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to confidentiality:
- The interested parties have resorted to excessive confidentiality in the questionnaire responses filed by them and not provided even the non confidential summary.
 - Non-confidential version of the questionnaire responses is grossly inadequate. The interested parties have not disclosed all such information that they are obliged to disclose under the Rules and practice being followed by the Designated Authority in this regard.

Examination by the Authority

20. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that there quest for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

- ii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.

F. MISCELLANEOUS ISSUES

Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

21. Following are the miscellaneous submissions made by producers/ exporters/ importers/ other interested parties:
 - i. Applicant has not filed a 'duly substantiated' petition in terms of Rule 23(1B) of the Anti-Dumping Rules by providing sufficient and accurate information.
 - ii. The subject investigation covers only carbon black for rubber application. The Authority should exclude the carbon black required for non-rubber applications from the import data while doing analysis.
 - iii. Carbon Black business of Hi-Tech Carbon has been sold by way of slump sale by Aditya Birla group with effect from 1st April 2013. Details of such information have not been provided in the petition.
 - iv. Imposition of anti-dumping duty will deprive the Indian consumers from qualitative products exported by Omsk, Russia.

Submissions made by the Domestic Industry

22. Following are the miscellaneous submissions made by the domestic industry:
 - i. Hi-Tech Carbon was demerged from Aditya Birla Nuvo Ltd and SKI Carbon Black (India) Pvt Ltd has been incorporated in 2013. Both companies pertain to Aditya Birla Group. It is, therefore, factually incorrect that Aditya Birla Group has sold the business. Carbon Black business has been hived off to a new company. The business continues to be owned and controlled by same group.
 - ii. Petitioners have provided the raw data without segregation of product under consideration and non product under consideration. However, for determination of volume and value of imports, the petitioners have only considered imports of product under consideration.
 - iii. The petition has been filed with best available information.

Examination by the Authority

23. The miscellaneous submissions made by the interested parties are examined as below:
 - i. As regards the contention that Applicant has not filed a 'duly substantiated' petition in terms of Rule 23(1B) of the Anti-Dumping Rules by providing sufficient and accurate information, the Authority notes

that the present investigation was initiated on the basis of sufficient prima facie evidence furnished by the domestic industry showing dumping, injury and causal link and justifying initiation of the investigation in accordance with the Act and Rules.

- ii. As regards the submission that Authority should exclude the carbon black required for non-rubber applications from the import data while doing analysis, the Authority notes that the product under consideration in the present investigation, as the earlier investigations, covers only carbon black required for rubber applications. Further, the domestic industry has made available the transaction-wise imports data sourced from the DGCI&S in the public file.
- iii. As regards the submission that imposition of anti-dumping duty will deprive the Indian consumers from qualitative products exported by Omsk, Russia, the Authority notes that imposition of anti-dumping duty does not prevent imports.

G. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Submissions made by exporters, importers and other interested parties

24. Following submissions have been made by the exporters, importers and other interested parties with regard to normal value, export price and dumping margin:
 - i. During the period of investigation, only Jiangxi Black Cat Carbon Black Inc., Ltd was involved in the exporting business within the Black Cat Group. Remaining six related producers were not involved in any export business during POI and their products were exported through Jiangxi Black Cat. Jiangxi Black Cat Carbon Black Inc., Ltd did not export its own produced subject goods to India during the POI.
 - ii. Petitioners directly proceeded to construct normal value for the subject countries without providing evidence of prevailing selling price in such countries.
 - iii. Normal Value cannot be constructed based on domestic industry data for market economy countries in term of Section 9A(1)(c).
 - iv. For China PR, dumping margin needs to be determined based on the responses of the cooperating producers and exporters instead of adopting constructed normal value and export price approach.
 - v. The Applicant has used international raw material prices as per Platts magazine, however the source document has not been made available.

Submissions made by the domestic industry

25. The submissions made by the domestic industry with regard to normal value, export price and dumping margin are as follows:
 - i. China should be treated as non-market economy country and normal value in case of China should be determined in accordance with para-7 Annexure-I to the Rules.
 - ii. The petitioner has not been able to get any evidence of price in the domestic markets of subject countries. In view of the same, the normal value has been constructed for all exporters/producers from subject countries.
 - iii. Platts document is a third party information and the domestic industry is not authorized to disclose the same.

Examination of the Authority

Determination of Normal Value for Russia and Thailand

26. Under section 9A (1) (c), the normal value in relation to an article means:
 - (i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*
 - (ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales*

in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:

- (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

27. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
28. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
 - a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
29. The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority, the following Chinese companies have filed exporter's questionnaire response:
 - a. Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd
 - b. Wuhai Black Cat Carbon Black Co., Ltd
 - c. Handan Black Cat Carbon Black Co. Ltd
 - d. Chaoyang Black Cat Carbon Black Inc., Ltd
 - e. Hancheng Black Cat Carbon Black Co., Ltd
 - f. Tangshan Black Cat Carbon Black Inc. Ltd
 - g. Taiyuan Black Cat Carbon Black Co., Ltd
30. As stated in the exporter's questionnaire responses (EQR), all the above Chinese companies belong to the Black Cat Group of China and are producers of the subject goods. As stated in the EQR, during the POI, Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd exported the subject goods produced by the other above stated six Group companies and did not export self produced subject goods to India. The EQR further stated that none of the other Black Cat Group companies have exported the subject goods to India during the POI directly.
31. The Authority notes that none of the respondent producers/exporters from China PR have claimed market economy treatment (MET) by filing the market economy questionnaire response. None of the interested parties have also made available any material fact to the Authority to select an appropriate market economy third country for the purpose of determination of normal value in case of China PR. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the above named Chinese companies and therefore has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules for determination of normal value for China PR.

32. Paragraph-7 of the Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides as follows:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments”

33. According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:

- a) On the basis of the price in a market economy third country, or
- b) The constructed value in a market economy third country, or
- c) The price from such a third country to other countries, including India.
- d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.

34. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required, which is not available with the Authority in the present investigation. Also, no such verifiable information with regard to prices and costs prevalent in other such market economy third countries have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country. Under such circumstances the Authority proceeds to construct the normal value based on any other reasonable basis in terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules.

35. In terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules, the Authority has constructed the Normal value for the Chinese producers on the following basis –

- i. International prices of major inputs, carbon black feed stock has been considered on the basis of the price published by Platts magazine for Heavy Stock GC3%.
- ii. Consumption of raw materials and conversion costs have been adopted on the basis of information/data of most efficient producer of the domestic industry.
- iii. Selling, general & administrative costs have been taken on the basis of information/data of most efficient producer of the domestic industry.
- iv. Profit has been taken @ 5% of ex-factory cost excluding interest.

36. For the purposes of conducting a fair comparison and in view of significant difference in the cost of production of different grades, separate normal value has been calculated for each grade of subject goods produced and sold. Further, in view of significant difference in cost of production and resultant selling price over time period within the POI, separate normal value has been calculated for each quarter of the period of investigation. However, the dumping margins so arrived for different grades and for each quarter have been weighted averaged for the entire ‘period of investigation’ and for the ‘product under consideration’ as a whole thereafter by considering associated export volumes. The Authority has determined the weighted average normal value accordingly.

Normal value in case of Russia and Thailand

37. Since none of the exporters from Russia and Thailand have cooperated in the present investigation and filed exporter’s questionnaire response, the Authority has determined the Normal Value in respect of Russia and Thailand as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. Accordingly normal value at ex-factory level in respect of Russia and Thailand has been determined on the following basis –

- i. International prices of major inputs, carbon black feed stock has been considered on the basis of the price published by Platts magazine for Heavy Stock GC3%.
 - ii. Consumption of raw materials and conversion costs have been adopted on the basis of information/data of most efficient producer of the domestic industry.
 - iii. Selling, general & administrative costs have been taken on the basis of information/data of most efficient producer of the domestic industry.
 - iv. Profit has been taken @ 5% of ex-factory cost excluding interest.
38. For the purposes of conducting a fair comparison and in view of significant difference in the cost of production of different grades, separate normal value has been calculated for each grade of subject goods produced and sold. Further, in view of significant difference in cost of production and resultant selling price over time period within the POI, separate normal value has been calculated for each quarter of the period of investigation. However, the dumping margins so arrived for different grades and for each quarter have been weighted averaged for the entire 'period of investigation' and for the 'product under consideration' as a whole thereafter by considering associated export volumes. The Authority has determined the weighted average normal value in respect of Russia and Thailand accordingly.

H. EXPORT PRICE

Export price for the responding producers-exporters from China PR.

39. As stated in the exporter's questionnaire responses (EQR), all the respondent Chinese companies belong to the Black Cat Group of China and are producers of the subject goods. As stated in the EQR, during the POI, Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd exported the subject goods produced by the other above stated six Group companies and did not export self produced subject goods to India. The EQR further stated that none of the other Black Cat Group companies have exported the subject goods to India during the POI directly. Based on the information furnished in the EQ responses, the Authority notes that during the POI, Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd exported a total quantity of ***MT of subject goods produced by its related companies to India for a total value of US\$ ***.
40. For the purposes of conducting a fair comparison and in view of significant difference in the cost of production of different grades, separate export price has been calculated for each grade of subject goods produced and sold. Further, in view of significant difference in cost of production and selling price over time period within the POI, separate export price has been calculated for each quarter of the period of investigation. Price adjustments have been made on account of overseas freight, inland freight, insurance, clearing charges, credit costs, bank charges & VAT etc. on the basis of the questionnaire response filed by the exporter and the related producers. After making the acceptable adjustments, the Authority has determined weighted average net export price as US\$ ***per MT during the POI.

Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/ Producers from China PR

41. The Authority has determined the Export Price in respect of non-cooperative exporters from China PR as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. Accordingly, after making the due adjustments, the weighted average net export price at ex-factory level in respect of all non-co-operative exporters from China PR has been determined as US\$***per MT.

Determination of Export Price in respect of Exporters/Producers from Russia and Thailand

42. Since no exporter from Russia and Thailand have cooperated and filed exporters questionnaire response in the present investigation, the Authority has determined net export price in respect of Russia and Thailand as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. After making the due adjustments, the Authority has determined weighted average net export price for the all exporters in Russia and Thailand as US\$ ***per MT and US\$ ***per MT respectively.

I. DUMPING MARGIN

43. Considering the normal values and export prices as determined above, the dumping margins are determined as follows:

Particulars		Normal value/MT	Export Price/MT	Dumping Margin/MT	Dumping Margin%	Dumping Margin Range %
China PR						
Producer	Exporter					
Wuhai Black Cat Carbon Black Co., Ltd	Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd	***	***	***	***	70-80
Handan Black Cat						

Particulars		Normal value/MT	Export Price/MT	Dumping Margin/MT	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
Carbon Black Co. Ltd Chaoyang Black Cat Carbon Black Inc., Ltd (producer) Hancheng Black Cat Carbon Black Co., Ltd Tangshan Black Cat Carbon Black Inc. Ltd Taiyuan Black Cat Carbon Black Co., Ltd						
Others from China PR		***	***	***	***	100-110
Russia		***	***	***	***	15-25
Thailand		***	***	***	***	5-15

Post POI

Country of Origin	Producer		Normal value (US\$/MT)	Net Export Price (US\$/Mt)	Dumping Margin (US\$/Mt)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range (%)
China PR	Producer	Exporter					
	Wuhai Black Cat Carbon Black Co., Ltd Handan Black Cat Carbon Black Co. Ltd Chaoyang Black Cat Carbon Black Inc., Ltd (producer) Hancheng Black Cat Carbon Black Co., Ltd Tangshan Black Cat Carbon Black Inc. Ltd Taiyuan Black Cat Carbon Black Co., Ltd	Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd	***	***	***	***	75-85
	Others from China PR		***	***	***	***	80-90
Russia	Any		***	***	***	***	35-45
Thailand	Any		***	***	***	***	(10-20)

J. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**Submissions made by the exporters, importers and Other Interested Parties**

44. Following are the submissions made by exporters, importers and other interested parties:

- i. Imports under Advance license are a legally permissible way to import the goods duty free for exportation. In the present case, significant quantities have been imported into India under Advance license scheme. Authority should exclude such imports and examine alleged injury.
- ii. Applicant has provided grade-wise and country-wise dumping margin for the subject product and alleged dumping. However, Applicant has failed to provide country-wise and grade-wise injury margin.
- iii. Applicant has deflated the landed value of imports to show a higher level of price undercutting.
- iv. Capacity of the Applicant has increased by 38% during the injury period. Such a huge increase in capacity would have resulted in significantly high fixed costs during the period of investigation. The Authority is

requested to determine the non-injurious price by applying the principles provided under Annexure III of the anti-dumping rules.

- v. Rate of return as high as 22% may result in unduly high non-injurious price. The Authority should adopt ROCE earned by the Industry when there was no allegation of dumping as reasonable profit margin and not 22% ROCE.
- vi. Designated Authority should take into consideration the loans taken by the Applicant and only those loans that relate to or may be apportioned to subject product are taken into account while determining non-injurious price.
- vii. While the production and sales of the Applicant has been declining consistently over the injury period, in contrast, the production of sales of other domestic producers has been consistently increasing throughout the injury period. Therefore, alleged dumping can not affect selectively.
- viii. Landed Value is higher than selling price, injury cannot be attributed to the imports.
- ix. Given a situation wherein 99% of imports are competing in India at Rs.88,950/MT, what were the reasons because of that the applicants did not increase the prices and earned profits.
- x. In the past three years, the domestic industry had best capacity utilization of 88% in the year 2010-11. Authority is requested to take 88% capacity utilization for Non Injurious Price and not 74% that had prevailed during period of investigation.
- xi. Inter-se competition between the domestic producers is the reason for decline of market share of the Applicants. The Applicant has selectively chosen those inefficient domestic producers who are not capable to earn a profit even when no import may take place at all. Otherwise, with the increase in imports, as alleged by the Domestic Industry, the other producers would not have shown tremendous growth. Therefore, causal link is absent.
- xii. During the injury period, applicant was protected adequately with levy of anti-dumping duty as well as safeguard duty. Despite the excessive level of protection granted, applicant has not been able to improve its performance because of its own intrinsic reasons.
- xiii. The annual report of PCBL for 2013-14 states that there are other factors for the decline in their performance such as inadequate infrastructure at ports, causing detention of vessels and higher freight cost, higher inflation leading to higher interest costs may delay the investment recovery cycle, volatility in Rupee exchange rate vis-à-vis US \$, etc. Therefore, causal link between alleged dumping and injury is not established.

SUMBISSIONS MADE BY THE DOMESTIC INDUSTRY

45. Following are the submissions made by the domestic industry in this regard:

- i. Landed value of imports is lower than the cost of production of the domestic industry and selling price of the domestic industry. The market share of the imports has substantially increased since the original case and is significant during period of investigation. The imports are entering the Indian market at low prices which are compelling the domestic industry to keep its prices below its cost to match the import price.
- ii. Imports from subject countries have substantially increased. Subject imports have increased not only in absolute terms but also in relation to production and consumption in India. Imports from subject countries are entering the Indian market at dumped prices.
- iii. Imports are significantly suppressing the prices of domestic industry. Domestic industry is unable to increase its selling price neither in proportion to increase in cost nor at the level of cost thereby suffering huge losses. In fact, whereas the domestic industry was earlier earning profits, the domestic industry is now once again suffering financial losses despite existing anti dumping duty.
- iv. Demand of the product in the Country shows a positive trend over the injury period.
- v. Volume of dumped imports has increased over the period with a marginal decline during period of investigation. However, there is an overall significant increase in imports.
- vi. The volume of imports from Russia and Thailand is low and shows declining trend over the present injury period. However, low volume of imports from Thailand and Russia are because of anti dumping duty in

- force and aggressive dumping by Chinese producers. Dumping is likely to intensify in the event of cessation of anti dumping duty on imports from these countries.
- vii. Performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, sales, capacity utilization, market share, profits, return on investments, cash flow. Consequent impact of dumping on the domestic industry has been significantly adverse.
 - viii. The domestic industry has suffered continued injury from dumped imports. Even if it is concluded that the domestic industry has not suffered continued material injury, in any case, the performance of the domestic industry continues to be fragile. Further, dumping and consequent injury is likely to continue and intensify further, should the current anti dumping duty ceases.
 - ix. The dumping margin in respect of the present countries is quite significant. Existence of significant dumping is a clear evidence of injury being caused to the domestic industry.
 - x. The injury claim is with regard to period of investigation where there was no safeguard duty in place. Further the claim of the domestic industry is despite anti-dumping duty, the imports are entering the Indian market at dumped prices causing injury to the domestic industry
 - xi. Domestic industry in fact earned returns on investment in 2010-11 which itself justifies 22% return on investment.
 - xii. The dumping margin and injury margin during POI is positive. Post POI is necessary only when either dumping margin or injury margin in the POI is negative.
 - xiii. Public statements in the Annual Report do not alter the conclusion that dumping of the product has contributed to injury to the domestic industry. The factors listed in the annual reports are in the context of absolute levels of performance of the domestic industry. Thus, the statements in the annual report do not provide any guidance with regard to deterioration in performance over the injury period of an anti dumping case.
 - xiv. The very basic objective of Annexure III is to determine the amount of antidumping that would remove the injury to the domestic industry. As per Rule 3, information or data relating to cost of production for POI should be considered and as per Rule 4 best utilization of raw materials/ utilities/production capacities over the past three years and POI may be considered to nullify the injury. If there is no inefficient utilization of raw materials/ utilities/production capacities by the domestic industry, then rule 4 will not come into operation at all. So authority can consider the period other than POI only when there is inefficient utilization of resources.
 - xv. If the revalued assets are used in the production process, one cannot exclude that revalued value in arriving at the cost of production. Otherwise, it will understate the true cost of production and will also be against rule 3 that requires consideration of data relating to period of investigation.
 - xvi. Without prejudice, even if NIP should be at ex-factory level, the principles of fair comparison are required to be considered and addressed while comparing NIP with import price.
 - xvii. Transportation cost from the factory to warehouse must be included while calculating the NIP.
 - xviii. Bad debts shall not be treated as non-cost item and should be allowed while determination of NIP.
 - xix. For the purpose of return on capital employed, fixed assets must be included at gross value basis and not on net basis. In any case, DGAD must consider the replacement value of fixed assets which have been depreciated substantially at original cost/replacement cost.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

46. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties. However, the specific submissions made by the interested parties, and considered relevant, are addressed by the Authority as below:
 - i. As regards the submission that Authority should exclude the duty free imports made under advance licenses while examining injury, the Authority notes that the imports made under advance licenses cannot be considered to have not affected the price in the domestic market. An Advance license/authorization holder has a choice either to import the inputs on a duty free basis or procure the same from indigenous sources by using the mechanism of Advance Release Order. The purpose of injury analysis is to examine and capture the effect of dumped imports on the domestic industry. Therefore, it would not be reasonable to exclude all duty free imports for the purpose of injury analysis. Further, import under advance license is a benchmark

- for the price at which goods can be imported by a consumer after payment of taxes and duties. It would not be appropriate to consider that imports made under advance license do not cause injury to the domestic industry.
- ii. As regards the submission that 22% return on capital employed, allowed by DGAD, is not reasonable, the Authority notes that granting 22% return on capital employed is a consistent practice in the DGAD
 - iii. As regards the submission that inter-se competition between the domestic producers is the reason for their injury, the Authority notes that in a healthy market situation competition among the producers cannot be ruled out. While it cannot be excluded that other producers may have contributed to the deterioration of the situation of the domestic industry, given their sales volume and market share during the POI, this is not sufficient to break the causal link between the injury suffered by domestic industry and the dumped imports. It is noted that the performance of the domestic industry has materially declined in respect of parameters such as profit, cash flow and return on investment.
 - iv. As regards the submission that the applicant has selectively chosen inefficient domestic producers to constitute domestic industry to show inflated injury, the Authority notes that the production of the petitioning companies constitutes more than 78% of Indian production. Further, these companies constituted domestic industry at the time of original investigation as also the midterm review investigation. Moreover, no substantiated information has been provided by the opposing interested parties to establish that performance of other domestic producers is significantly different as compared to performance of the domestic industry.
 - v. As regards the submission that alleged injury to the domestic industry is due to intrinsic reasons and as per the annual report of PCBL for 2013-14 there are other factors for the decline in their performance, the Authority notes that it's a case of continued dumping of subject goods from the subject countries. The injury analysis carried out hereunder is self explanatory to establish that the continued dumping has caused continued injury to the domestic industry. Further, public statements like annual reports of companies do not alter the conclusion that dumping of the product has contributed to injury to the domestic industry.
 - vi. As regards submission of the applicant and other interested parties concerning methodology of determination of NIP, the Authority notes that relevant guidelines in this regard is well laid down under Annexure III of Anti-dumping Rules. The authority has determined NIP for the domestic industry on the basis of provisions laid down under Annexure-III of the Rules.
47. In consideration of the various submissions made by the interested parties in this regard, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject countries.
48. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
49. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
50. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis in case of a review as well. The Authority has, therefore, determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti-dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers whether the existing anti-dumping duties on the imports of subject goods from the subject countries are required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether the existing anti-dumping measure is sufficient or not to counteract the dumping which is causing injury.

51. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.
52. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Authority has examined injury to the domestic industry by considering information relating to M/s Phillips Carbon Black Limited and M/s SKI Carbon (India) Pvt Ltd (formerly Hi Tech Carbon), constituting domestic industry under the Rules. Accordingly, the volume and price effect of dumped imports have been examined as follows:-

Volume Effect

Demand and market share

53. The Authority has considered the transaction-wise import data procured from DGCI&S for the assessment of volume and value of imports from the subject country and other countries. Demand for the product under consideration has been determined as the imports of the product under consideration into India from all countries and sales of all the domestic producers in India. The position is as follows

Particulars	Units	2010-11	2011-12	2012-13	POI	P-POI	POI (A)	P-POI (A)
Sales of Domestic Industry	MT	462,285	429,824	431,417	537,814	228,651	430,252	457,302
Sale of Other Indian Producers	MT	101,624	130,816	141,907	179,550	78,112	143,640	156,224
Imports from Subject Countries	MT	35,553	86,471	94,940	110,487	45,923	88,390	91,847
Imports from Other Countries	MT	27,033	20,314	27,359	32,613	13,493	26,091	26,986
Demand/consumption	MT	626,494	667,425	695,624	860,465	366,180	688,372	732,359

The Authority notes that demand for the subject goods has shown consistent increase over the injury period, although marginally fallen during the annualized POI. However, during the annualized post POI period, demand has gone up as compared to the annualized POI.

Import volumes and share of subject countries:

54. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti dumping rules provides as under:

“While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India”

55. The import volumes for the injury period, considering the transaction wise data provided by DGCI&S are as under:

Particulars	2010-11	2011-12	2012-13	POI	P-POI	POI (A)	P-POI (A)
	Volumes In MT						
China	15778	80703	91159	110167	44961	88134	89922
Russia	8732	4207	3750	260	950	208	1899
Thailand	11043	1562	31	60	13	48	26
Subject Countries	35553	86471	94940	110487	45923	88390	91847
Others	20259	12697	7704	8484	2588	6787	5175
Total imports	62586	106786	122300	143101	59417	114481	118833
Market Share in Imports	%						
China	25%	76%	75%	77%	76%	77%	76%

Particulars	2010-11	2011-12	2012-13	POI	P-POI	POI (A)	P-POI (A)
Russia	14%	4%	3%	0%	2%	0%	2%
Thailand	18%	1%	0%	0%	0%	0%	0%
Subject Countries	57%	81%	78%	77%	77%	77%	77%
Others	32%	12%	6%	6%	4%	6%	4%
Total imports	100%	100%	100%	100%	100%	100%	100%
Import in relation to Indian Production	5%	12%	14%	13%	13%	13%	13%
Import in relation to Consumption	8%	20%	22%	21%	20%	21%	20%
Import in relation to Total Imports	57%	81%	78%	77%	77%	77%	77%

From the above information, the Authority notes that:

- While the imports from Thailand has consistently declined and remained a miniscule during the annualized POI and annualized post POI, the imports from Russia, after a consistent decline during the injury period, has registered a sharp increase during the annualized post POI.
- The imports from China PR have consistently increased throughout the injury period, although declined marginally during the annualized POI. During the annualized post POI, it has registered an upward trend.
- The imports of the product under consideration from China PR command a huge share throughout the injury period including the POI and post POI as compared to the rest of the subject countries.
- Imports from subject countries as a whole have remained significant in relation to production and consumption in India.

PRICE EFFECT

Price effect of dumped imports and impact on domestic industry

56. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports of the subject goods from the subject countries have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with landed value of imports from the subject countries. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of the dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission incurred by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry in terms of Annexure III of the Anti-dumping Rules. The position is as follows:

Price Undercutting and Underselling

57. The Authority has made price undercutting and price underselling analysis both with and without anti-dumping duty as below:

Price Undercutting during POI

Particulars	Unit	China	Russia	Thailand	Subject Countries
Net Sale Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Landed value with ADD	Rs./MT	***	***	***	***
Landed value without ADD	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting without ADD					
Price undercutting without ADD	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting without ADD	%	***	***	***	***
Price undercutting without ADD	Range	15-25%	0-10%	(10-20)%	15-25%
Price undercutting with ADD					

Price undercutting with ADD	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting with ADD	%	***	***	***	***
Price undercutting with ADD	Range	(10-20)%	(20-30)%	(20-30)%	(10-20)%

Price Undercutting during post-POI

Particulars	Unit	China	Russia	Thailand	Subject Countries
Net Sale Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Landed value with ADD	Rs./MT	***	***	***	***
Landed value without ADD	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting without ADD					
Price undercutting without ADD	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting without ADD	%	***	***	***	***
Price undercutting without ADD	Range	15-25%	10-20%	(20-30)%	15-25%
Price undercutting with ADD					
Price undercutting with ADD	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting with ADD	%	***	***	***	***
Price undercutting with ADD	Range	(10-20)%	(20-30)%	(30-40)%	(10-20)%

58. The Authority notes that during POI, the price undercutting without ADD from China is significant, from Russia and Thailand it is negative. During post POI, the price undercutting without ADD from China is significant, from Russia it is positive and from Thailand it is negative.

Price Underselling

59. For the purpose of determining price underselling, the landed values of the imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. In view of significant difference in the cost of production of different grades, separate price underselling has been determined for each grade of subject goods sold by the domestic industry and imported into India. Further, in view of significant difference in cost of production and resultantly non injurious price over time period within the POI, separate price underselling has been calculated for each quarter of the period of investigation. The eventual price underselling has been determined for the entire 'period of investigation' and for the 'product under consideration' as a whole by considering associated import volumes. The price underselling on the basis of weighted average figures shows as follows

POI

Particulars	Unit	China	Russia	Thailand
Non injurious price	Rs./MT	***	***	***
Landed Value of imports	Rs./MT	***	***	***
Price underselling amount	Rs./MT	***	***	***
Price underselling degree	%	***	***	***
Price underselling range	Range %	30-40	0-10	(0-10)

Post POI

Particulars	Unit	China	Russia	Thailand
Non injurious price	Rs./MT	***	***	***
Landed Value of imports	Rs./MT	***	***	***
Price underselling amount	Rs./MT	***	***	***
Price underselling degree	%	***	***	***
Price underselling range	Range%	25-35	15-25	(15-25)

60. The Authority notes that during the POI, the price underselling was positive for China, marginally positive for Russia and negative for Thailand. During post POI, the price underselling was positive for China and Russia and negative for Thailand.

Price suppression and depression effects of the dumped imports:

61. The price suppression and price depression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values of the subject goods from the subject countries in relation to injury period including POI.

Particulars	Units	2010-11	2011-12	2012-13	POI	Post POI
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	127	148	155	152
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	117	130	132	137
Landed Value of Imports	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	117	121	121	125

62. From the above information, the Authority notes that there was significant increase in both costs of sales as well as selling price over the injury period. The increase in selling price was not in proportion to the increase in cost of production over the injury period. This shows price suppression effect whereby the domestic industry has not been able to increase the selling price commensurate with increase in the cost of sales.

K. Examination of Economic Parameters relating to Domestic Industry

63. Annexure II to the Antidumping Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Capacity, Production and Sales volumes

64. Performance of the domestic industry with regard to production, sales, capacity and capacity utilization are as follows:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	P-POI	POI (A)	P-POI (A)
Capacity	MT	6,74,000	7,24,000	7,26,000	9,16,000	3,83,000	7,32,800	7,66,000
Index	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>108</i>	<i>136</i>	<i>57</i>	<i>109</i>	<i>114</i>
Production	MT	5,81,508	5,87,496	5,48,871	6,78,656	2,81,948	5,42,925	5,63,896
Index	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>101</i>	<i>94</i>	<i>117</i>	<i>48</i>	<i>93</i>	<i>97</i>
Capacity Utilization	%	86%	81%	76%	74%	74%	74%	74%
Index	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>94</i>	<i>88</i>	<i>86</i>	<i>85</i>	<i>86</i>	<i>85</i>
Domestic Sales	MT	4,62,285	4,29,824	4,31,417	5,37,814	2,28,651	4,30,252	4,57,302
Index	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>93</i>	<i>93</i>	<i>116</i>	<i>49</i>	<i>93</i>	<i>99</i>

From the information given above, the Authority notes that the Domestic industry, despite increasing its capacity in the face of increasing demand, has suffered decline in capacity utilisation. Production of the domestic industry increased in 2011-12, but declined thereafter upto POI. Production of domestic industry in annualized POI was

lower as compared to base year and preceding year. It is noted that the sales volume declined in annualized POI as compared to both preceding year as also base year. The decline in sales volumes is despite increase in demand.

Inventories

65. From the information given below, the Authority notes that the inventory position of domestic industry has increased consistently over the injury period

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	Post POI
Inventories	MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	111	134	184	180

Profits, return on investment and cash flow

66. Performance of the domestic industry with regard to profits, return on investment and cash flow over the injury period was as follows:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	P-POI
Cost of sales - Domestic	Rs./MT	***	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>127</i>	<i>148</i>	<i>155</i>	<i>152</i>
Net Selling price	Rs./MT	***	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>117</i>	<i>130</i>	<i>132</i>	<i>137</i>
Profit/(Loss)	Rs./MT	***	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>15</i>	<i>(38)</i>	<i>(85)</i>	<i>(11)</i>
PBIT	Rs/ MT	***	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>43</i>	<i>14</i>	<i>(23)</i>	<i>45</i>
Cash Profit	Rs/ MT	***	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>25</i>	<i>(23)</i>	<i>(62)</i>	<i>5</i>
ROCE	%	***	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>36</i>	<i>11</i>	<i>(15)</i>	<i>28</i>

From the above information, the Authority notes that Profit/Loss and profitability of domestic industry has deteriorated throughout the injury period. Whereas both cost of production and selling price increased over the period, the increase in the cost of production was more than the increase in selling price. Resultantly, the profitability of the domestic industry steeply deteriorated over the injury period. The domestic industry started suffering financial losses in the year 2012-13, extent of which increased in the POI. Similarly, the cash profits and return on capital employed also followed the same trend.

Employment, wages and productivity

67. From the information given below, the Authority notes that the employment and wages position of the domestic industry has increased mainly due to enhancement of capacities, but productivity in terms of production per day and production per employee show decline.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI (A)	Post POI
Employment	No.	***	***	***	***	***
Trend	<i>Index</i>	<i>100</i>	<i>102</i>	<i>103</i>	<i>104</i>	<i>105</i>
Productivity	MT/Day	***	***	***	***	***
Trend	<i>Index</i>	<i>100</i>	<i>101</i>	<i>94</i>	<i>93</i>	<i>97</i>
	MT/ employee	***	***	***	***	***
Trend	<i>Index</i>	<i>100</i>	<i>99</i>	<i>91</i>	<i>112</i>	<i>46</i>
Wages	Rs. Lakh	***	***	***	***	***
Trend	<i>Index</i>	<i>100</i>	<i>123</i>	<i>138</i>	<i>172</i>	<i>54</i>
Wages	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	<i>Index</i>	<i>100</i>	<i>122</i>	<i>147</i>	<i>148</i>	<i>111</i>

L. Magnitude of dumping

68. The Authority notes that the dumping margin of the imports of the subject goods from the subject countries, except Thailand, is positive.

M. Growth

69. The Authority notes that the growth of domestic industry was negative during injury period including POI. Production, sales volumes, capacity utilization, market share, profits, return on investment and cash flow also show negative growth over the injury period.

Particulars	Units	2010-11	2011-12	2012-13	POI	Post POI
Production	%	-	1.03	-5.61	-6.64	-3.03
Domestic Sales	%	-	-7.02	-6.68	-6.93	-1.08
Cost of sales	%	-	27.31	47.90	54.56	51.95
Selling Price	%	-	16.74	30.34	31.99	36.58
Profitability	%	-	-84.86	-138.41	-184.91	-111.14
Avg Stock	%	-	10.81	33.64	83.87	80.32
ROI	%	-	-15.74	-21.85	-28.01	-17.51

Ability to raise Capital Investment

70. The Authority notes that the domestic industry has enhanced its capacity in the face of increase in demand. However, continuous dumping of subject goods from the subject countries (except Thailand) has caused continued material injury to the domestic industry.

N. Causal Link

71. The Authority examined whether other known factors could have caused injury to the domestic industry as follows:

(a) Volume and prices of imports from third countries

72. The Authority notes that during POI, imports of the subject goods from countries other than the subject countries have been de-minimis in volume, except South Korea. The domestic industry filed a separate petition in respect of imports from South Korea and the Authority has initiated an anti-dumping investigation, on being prima facie satisfied on existence of dumping causing injury to the domestic industry.

(b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption

73. The Authority notes that there is no contraction in the demand during injury period. Demand for the product has increased over the injury period. The Authority further notes that the domestic industry has expanded its capacity over the injury period. However the domestic industry is unable to utilize its capacity to the extent of available demand due to dumped imports.

(c) Developments in technology

74. The Authority notes that none of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.

(d) Conditions of competition and trade restrictive practices

75. The Authority notes that the subject goods are freely importable. The domestic industry is the major producer of the subject goods and account for significant domestic production and sales. Further there is no perceptible unfair competition among the domestic producers, except that is obvious of a market economy.

(e) Export performance of the domestic industry

76. The export performance of the domestic industry is not relevant since price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of assessing injury to the domestic industry.

O. Magnitude of Injury and Injury Margin

77. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during POI. In view of significant difference in the cost of production of different grades, separate non injurious price has been determined for each grade of subject goods sold by the domestic industry. Further, in view of significant difference in cost of production over time period within the POI, separate non injurious price has been calculated for each quarter of the period of investigation. Injury margin has been determined considering comparable grades and the same time period. Eventual injury margin has been determined for the entire 'period of investigation' and for the 'product under consideration' as a whole by considering associated import volumes. The injury margin on the basis of weighted average figures shows as follows. The injury margin determined for each of the subject countries, during POI and post POI is as follows:

Injury margin – POI

Particulars		NIP (US\$/MT)	Landed Value (US\$/MT)	Injury Margin (US\$/MT)	Injury Margin %	Injury Margin Range %
China PR						
Producer	Exporter					
(i)Wuhai Black Cat Carbon Black Co., Ltd (ii)Handan Black Cat Carbon Black Co. Ltd (iii)Chaoyang Black Cat Carbon Black Inc., Ltd. (iv)Hancheng Black Cat Carbon Black Co., Ltd (v)Tangshan Black Cat Carbon Black Inc. Ltd (vi)Taiyuan Black Cat Carbon Black Co., Ltd	Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd	***	***	***	***	30-40
Others from China PR		***	***	***	***	45-55
Russia		***	***	***	***	0-10
Thailand		***	***	***	***	(0-10)

Injury margin – post POI

Country	Particulars	NIP	Landed Value (US\$/MT)	Injury Margin (US\$/MT)	Injury Margin (%)	Injury Margin (%) Range
		(US\$/MT)				
China PR	Jiangxi BlackCat Carbon Black Inc. Ltd.	***	***	***	***	15-25
Others from China PR		***	***	***	***	40-50
Russia	All	***	***	***	***	20-30
Thailand	All	***	***	***	***	(15-25)

From the aforesaid information, the Authority notes that during POI, while the injury margin in respect China PR and Russia positive, in respect Thailand the Injury margin is negative. Similarly, during post POI, the injury margin is positive in respect of China and Russia, but negative in respect of Thailand.

Conclusion on material injury

78. The investigation has thus shown that the volume of dumped imports from China PR has increased consistently throughout the injury period, although declined marginally during the annualized POI as compared to the immediate preceding year. The volume of dumped imports from Russia has consistently declined during the POI, but increased during the post POI. From Thailand the volume of dumped imports have drastically fallen and remained a miniscule both during POI and post POI.
79. With regard to the effect of the dumped imports on prices, there has been significant price undercutting and underselling effect by the dumped imports from China PR and Russia as compared with the price of like product in India, and the effect of such imports was to depress prices to a significant degree. With regard to consequent impact of the dumped imports from China PR and Russia on the domestic industry, the investigation has shown that performance of the domestic industry has deteriorated significantly in terms of parameters such as production, capacity utilisation, domestic sales volumes, market share, profits, cash profits and return on investment. The investigation has thus shown that the domestic industry has suffered continued injury from the dumped imports of subject goods from China PR and Russia and not from Thailand as the injury margin determined by the Authority in respect of Thailand is negative during POI as well as post POI.

P. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

Submissions by the Domestic Industry

80. The domestic industry submitted as under in support of its claim of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury:
 - i. Significant dumping margin during POI establishes that the dumping is likely to continue and intensify in the event of cessation of present anti dumping duty.
 - ii. The imports from the subject countries are showing the increasing trend even in the presence of anti dumping duty, thereby showing that the imports would increase in the event of withdrawal of anti dumping duty.
 - iii. Producers in the subject countries maintain huge capacities to produce carbon black. In case of revocation of anti dumping duty, the volume of imports is bound to increase further.
 - iv. The exporters from the subject countries have very high export orientation worldwide. Hence, the dumping and injury is likely to recur at aggravated level in case the existing anti-dumping duties are revoked at this stage.
 - v. The landed value of imports is undercutting the prices of the domestic industry without anti dumping duty. Therefore, cessation of anti dumping duty is likely to cause significant adverse volume & price effect on the domestic industry.

Submissions by the opposing interested parties

81. The opposing interested parties have made the following submissions with regard to likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury¹:
 - i. In a sunset review, the focus of entire investigation is on the fact whether revocation of anti-dumping duty will lead to recurrence of dumping or injury to the domestic industry. Applicant has not provided any post POI data to indicate continuance of dumping or injury being caused to it, in order to claim likelihood of recurrence of dumping and injury.
 - ii. In examining likelihood of injury, the Authority has to examine future events, based on projected levels of dumped imports, prices and impact on domestic producers and whether domestic industry is likely to be materially injured again. The domestic industry did not provide information about its performance for future period, the claim of the Applicant needs to be rejected.
 - iii. The alleged presence of excess capacities and the recurrence of injury, itself cannot be a ground for the extension of anti dumping duties.
 - iv. Section 9A(5) of the Customs Tariff Act provides only for extending the period of such imposition for a further period of five years. There is no power to enhance the anti-dumping duty in a sunset review

Examination by the Authority

82. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties imposed on the imports of subject goods from China PR, Russia and Thailand. Under the Rules, the Authority is required to determine whether continued imposition of antidumping duty is warranted. This also requires examination whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping.
83. The Authority notes that in the present investigation, there is continuous dumping of the subject goods from China PR and Russia, causing continued injury to the domestic industry, which ipso facto indicates likelihood of dumping and injury from these subject countries. In view of the above position and due to favorable market conditions prevailing in the Indian market as far as demand and price for the subject goods are concerned, the Authority has reason to believe that in the event of revocation/cessation of anti-dumping duties, dumping may intensify from China PR and Russia. As regards Thailand, although the imports of the subject goods from this country are still at dumped prices, the volume of imports has drastically fallen during the POI as well as post POI. Further, the injury margin as determined by the Authority in respect of Thailand is negative during POI as well as in post POI. The following analysis would show about the likelihood of continuation/intensification of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of anti-dumping duties:

(i) Level of current and past dumping margin

84. The level of dumping margin in respect of China and Russia in the earlier as well as present investigations is significant. Despite the Indian industry holding significant capacity to meet the demand, the import of the subject goods from the subject countries, except Thailand, still continue at dumped prices. Given the level of price undercutting and price underselling effects from the imports of subject goods from China PR and Russia, the volume of dumped imports is likely to increase further in the event of revocation of anti-dumping duty.

(ii) Price attractiveness of Indian market

85. The price at which the subject goods are being exported by China PR is itself an indicator of the likelihood of continuation and intensification of dumping. Although the imports of subject goods from Russia have consistently fallen throughout the injury period including POI, during post POI the imports from Russia have registered a sharp increase. Moreover, the said imports still continue to be at dumped prices. In the event of revocation/cessation of anti-dumping duty, the volume of dumped imports from Russia may further accelerate considering the production capacity in Russia and favourable market conditions in India.

(iii) Export orientation of producers in the subject countries

86. The domestic industry has contended that the producers/exporters in subject countries are highly export oriented. Considering the high demand and favourable market conditions for the subject goods in India and the high production capacity and export orientation of these producers, the Authority holds that in the event of revocation of anti dumping duties, the exporters from China PR and Russia are likely to increase their exports to India at dumped prices.

(iv) Huge production capacity in the subject countries

87. The evidence provided by the domestic industry, as given below, shows that China PR and Russia have high surplus capacity, which is capable of getting dumped in to Indian market in the event of revocation/cessation of the anti-dumping duties.

Particulars	Unit	2009	2010	2011	2012
Russia					
Year- End - Capacity	Kilotons/Year	720	720	730	780
Total Demand	Kilotons	233	298	301	305
Excess Capacity	Kilotons	487	422	429	475
China					
Year- End - Capacity	Kilotons/Year	4,639	5,114	5,526	6,339
Total Demand	Kilotons/Year	2,758	3,239	3,452	3,166

Excess Capacity	Kilotons	1,881	1,875	2,074	3,173
	Thailand				
Year- End - Capacity	Kilotons/Year	375	460	460	510
Total Demand	Kilotons/Year	240	314	347	377
Excess Capacity	Kilotons	135	146	114	133

Source: CBO Monitor and Notch Report

(v) **Price undercutting, suppression, depression in the absence of measures**

88. The prices at which subject goods are being imported from China PR and Russia are substantially lower than the price at which the goods are being sold in the domestic market. Therefore, in the event of revocation/cessation of the anti-dumping duties, it is likely that exporters from these countries may channelize their output in the Indian market in view of the significant capacities being held by them.

Comments/Submissions made by the Interested Parties pursuant to the 1st Disclosure Statement, 2nd Oral Hearing and 2nd Disclosure Statement.

Domestic Industry

89. The following are the comments/submissions made by the domestic industry pursuant to the 1st Disclosure Statement, 2nd Oral Hearing and 2nd Disclosure Statement:
- Non injurious price determined by the Authority is inappropriate. So also the adjustment of profit earned by the Domestic Industry on production and sale of power from the cost of production of carbon black. The NIP needs to be revised upwards after considering depreciation, Commission, Freight outward, Bad-debts, capital employed, Freight, sales tax and excise duty.
 - The imports of subject goods from Korea started increasing in significant quantities at dumped prices. The petitioners have filed a fresh petition against imports from Korea. There is excess capacity available in the subject countries which will be directed to India in the event of revocation of duties.
 - There is continuous dumping of the subject goods from China PR and Russia, causing continued injury to the domestic industry, which ipso facto indicates likelihood of dumping and injury from these subject countries. The Authority has reason to believe that in the event of revocation/cessation of anti-dumping duties, dumping may intensify from China PR and Russia.
 - It is for the interested parties to identify other factors, thereafter, demonstrate its existence and then quantify impact before the Authority can consider any other factor as a cause of injury. Present investigation is a sunset review investigation and their likelihood of injury to the domestic industry is the parameter which shall alone decide whether the anti dumping duty should be extended further.
 - The extension of time for completion of review investigation beyond one year is permissible under the Anti-dumping Rules. As regards the disclosure of special circumstances to extend the time beyond 12 months, such circumstances are not required to be shown to the interested parties.
 - Both the Associations (ATMA and AIRIA) are non-cooperative as they have not provided any information in the present investigation. None of the members of AIRIA has filed importers questionnaire response, in case of ATMA, there are a large number of members of ATMA and only two of them have filed importers questionnaire response.
 - Annexure-4 to the disclosure statement deals with methodology for determination of NIP. The disclosure of Non Injurious Price methodology is same to all the interested parties with the sole difference that the disclosure of domestic industry contains the figures as well which is confidential.
 - There is no significant increase in capital employed. In any case, the increase has to be considered with the increase in capacity. Net fixed asset is grossly inappropriate methodology for determination of capital employed.
 - It is indeed surprising that a user association is questioning why the domestic industry has not increased prices. Any of prices fixed is in accordance of the consumers fiercely negotiating the price with the domestic industry. The consumers fight for smallest price increase and reduction.
 - Association in reading the negative injury margin in case of Thailand and conveniently ignoring hefty injury margin in case of China and Russia. 0.2% of imports came in from Thailand, while 76%

of imports came in from China. Weighted average, undercutting and injury margin from all sources were significantly high.

- xi. As regards appropriateness of the Platts Magazine and decision of the CESTAT in the matter of Dye Stuff for determination of normal value, the facts are totally different and it would not be appropriate to simply refer to a case without establishing that the facts are the same.
- xii. Prices from market economy third country to India could also not be adopted for the reasons that (a) the product under consideration involved a number of different types which vary in associated costs & prices; (b) price adjustments to determine ex-factory prices are not available, (c) these prices could not be considered representative given the claims that prices from third countries to India were inappropriate due to dumping from China.
- xiii. As far as responding exporter is concerned, the Authority has accepted their questionnaire response for adjustments to the export price. As regards any other exporter, the Authority could compare the adjustments claimed by the domestic industry and reported by the responding exporters.
- xiv. The petitioner and the Chinese/Thai companies are operating independently and even when they might be related for the purpose of this law, all these entities have complete autonomy for their operations. Petitioner has no ability to direct them to respond to the Authority. The anti dumping duty shall be applied on a non-discriminatory basis and shall also apply to exports made by them.
- xv. As regards imports under advance license, GOI has exempted imports for export from payment of anti dumping duty and to that extent this demand is being met by imports. The domestic industry considers that exemption should not be granted in this market segment. Import under advance license caused injury as far as price effect is concerned.

Submissions made by the Exporters/Importers/ users/other Interested Parties

90. The following are the comments/submissions made by the Exporters/Importers/ users/other Interested Parties pursuant to the 1st Disclosure Statement, 2nd Oral Hearing and 2nd Disclosure Statement:

- i. The petition filed by the domestic industry is not duly substantiated and lacks necessary information regarding methodology of normal value, adjustments made in export price, likelihood of injury and injury margin, etc. Construction of Normal value on the basis of prices published by Platts magazine is contrary to the order of CESTAT and Hon'ble Supreme Court.
- ii. The present investigation being a sunset review, the extension of duration of investigation period beyond twelve months is illegal and without jurisdiction.
- iii. As per Annexure I of the Anti-dumping Rules, the Normal Value for China is to be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India. The authority should consider prices from other market economy country to India for the Normal Value for China. Only when the said methodology is not possible, the Authority can resort to other reasonable basis for determining normal value for China PR.
- iv. The standing of SKI Carbon as part of domestic industry is doubtful. The Authority has not disclosed the actual exports made by these related entities to India during the POI and did not compare the imports of related exporter with total imports from China PR.
- v. The application of the domestic industry should be rejected as the related producers/exporters of the applicants have not filed questionnaire responses. The non-cooperation by the related producers/exporters of the domestic producers leads to non-disclosure of complete information and casts doubt on the standing of the domestic industry.
- vi. Designated Authority has held that imports/exports made under advance license does not debars domestic industry from being treated as eligible domestic industry as such imports are on actual user basis and meant for production and export. Thus all other imports under advance license also need to be excluded from the scope of this investigation. Designated

- Authority cannot treat imports made under Advance Licenses differently for standing and for the purposes of injury analysis.
- vii. Designated Authority has not examined submissions concerning inter-se competition, consideration of 22% ROCE and Intrinsic factors cited in the Annual report of the domestic industry, raised by the Respondents.
 - viii. Merely having excess capacity in the exporting countries does not mean that there is a likelihood of recurrence of dumping and injury. There is no likelihood of dumping from the subject country and no likelihood of injury to the domestic industry.
 - ix. The methodology of determination of NIP is not disclosed in the disclosure statement. The power plant established by one of the domestic industry may be considered for determining NIP.
 - x. The earlier investigation has accorded adequate protection to domestic industry which got enhanced in MTR and safeguard investigation. Further, there is no price undercutting, either during the POI or post POI and the imported goods were available to the consumers at a price higher than the NIP of the Domestic Industry during POI and post POI. Thus any injury being suffered domestic industry despite of adequate protection from dumped goods in self-inflicted. The Authority needs to examine the other factors causing injury to the domestic industry.
 - xi. The domestic industry has claimed excessive confidentiality. The normal value, the cost of raw material considered for constructing normal value and the Methodology used for segregation of import statistics should be disclosed.
 - xii. The Applicant has provided grade-wise and country-wise dumping margin for the subject product. However the applicant has failed to provide country-wise and grade-wise injury margin.
 - xiii. The import statistics provided by the domestic industry is completely different from the statistics provided in final finding issued by the Designated Authority in mid-term review investigation and final finding issued by DG Safeguards concerning the subject product. The Authority needs to re-examine the statistics provided by the domestic industry.
 - xiv. The standing of Hi-Tech Carbon is doubtful as they are related to producer/exporter of subject goods from subject countries. and M/s SKI Carbon (India) Pvt Ltd has also imported the subject goods under advance authorization, which is claimed to be cause of injury to domestic industry. The Authority has also not compared such imports with imports from China PR. If the authority excludes the imports under Advance Licenses made by M/s SKI Carbon (India) Pvt Ltd for determination of standing of domestic industry as such imports are meant for production and export, the Authority has to exclude all imports under Advance licenses from the scope of injury examination.
 - xv. ROCE at the rate of 22% is an exorbitant and without any justification.
 - xvi. The document and DGCI&S transaction wise data relied upon by the Authority should be provided to the interested parties.
 - xvii. In a sunset review investigation, the Central Government can only extend the period of anti-dumping duty and cannot increase the existing anti-dumping duty.
 - xviii. The imports from Thailand have fallen drastically during POI and post POI. Thus investigation against Thailand may be terminated under Rule 14 (e).
 - xix. The normal value of the subject countries including Thailand could have been used for determination of Normal Value for China as the related producers/exporters of the applicant domestic industry are located in Thailand. The Designated Authority can seek information from such related producers/exporters from Thailand and failure to provide required information by the related entity of the domestic industry would tantamount to non-cooperation of the domestic industry.

- xx. The injury to domestic industry has been claimed on accounts of imports from subject countries including the imports under Advance Licenses. The Domestic industry on the other hand has imported goods under Advance License claiming to be meant for exports. There is no reason why the imports by SKI Carbon could not have caused injury to domestic industry. The injury examination should be done separately for imports under Advance Licenses.
- xxi. The injury to the domestic industry is not on account of imports from subject countries. The same is evident from the disclosure statement which determined negative price undercutting for all subject countries in POI as well as post POI.
- xxii. The domestic industry has also claimed injury due to imports from Korea without providing evidences for the same. Moreover, as the injury to domestic industry is due to imports from Korea, the same cannot be attribution to imports from subject countries.
- xxiii. The respondents are not in access of the information concerning adjustment of profit of power from cost of carbon black. The domestic industry has also not submitted any evidence to prove that lean gas is a waste or scrap. The authority may examine the same as per NIP law after examining all the aspects including the investment in plant and machinery.
- xxiv. The exclusion of interest bearing credit cost purchase from current liabilities would amount to double benefit as the cost purchases also includes the interest cost and over and above the same the Domestic producers would get a notional return on capital employed for the same item.
- xxv. For the purpose of anti-dumping investigation, the depreciation can be claimed till the useful life of the machinery. If the machinery has been fully depreciated, no further depreciation can be claimed.
- xxvi. The Authority has consistently determined NIP at ex-factory level. the post manufacturing expenses such as commission, discount, freight-outward, etc at ex-factory level” shall not be considered while assessing non-injurious price and calculation of NIP other than at ‘ex-factory’ level is illegal and unjustified.

Examination by the Authority

91. The comments/submissions made by the domestic industry post 1st disclosure, 2nd oral hearing and 2nd disclosure and considered relevant by the Authority are examined as below:
 - i. As regards the contention of the domestic industry that the non injurious price (NIP) determined by the Authority is inappropriate, the Authority notes that the NIP has been determined as per the provisions laid down under Annexure III of the Anti-dumping Rules.
 - ii. As regards the submission that profit on sale of power should not be considered while determining NIP, the Authority notes that the lean gas generated by the domestic industry in the manufacture of carbon black is used in generation of power and no value has been assigned for such lean gas. The Authority further notes that the domestic industry has sold part of the power generated by them to outside parties and made profit. Accordingly, the Authority has determined the NIP after adjusting the profit on sale of power generated from the lean gas generated while producing carbon black.
92. The comments/submissions made by the Exporters/Importers/ users/other Interested Parties post 1st disclosure, 2nd oral hearing and 2nd disclosure are mostly reiterations. Nevertheless, those comments/submissions considered relevant by the Authority are examined as below:
 - i. As regards the contention that the petition filed by the domestic industry is not duly substantiated and lacks necessary information, the Authority notes that the investigation was initiated on the basis of sufficient prima facie evidence furnished by the domestic industry showing dumping, injury and causal link.
 - ii. As regards the contention that the present investigation being a sunset review, the extension of duration of investigation period beyond twelve months is illegal and without jurisdiction, the Authority notes that the Central Government has extended the duration of the present investigation period beyond twelve months in terms of Rule 17 of Anti-dumping Rules.

- iii. As regards the contention that as per Annexure I of the Anti-dumping Rules, while determining the Normal Value for China authority should consider prices from other market economy country to India for the Normal Value for China and only when the said methodology is not possible, the Authority can resort to other reasonable basis for determining normal value for China PR, the Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required, which is not available with the Authority in the present investigation. Also, no such verifiable information with regard to prices and costs prevalent in other such market economy third countries have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country. Under such circumstances the Authority has proceeded to construct the normal value based on any other reasonable basis in terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules. The methodology adopted by the Authority for determination of the normal value for the subject country has been well explained in the relevant areas of this disclosure statement.
- iv. As regards the contention concerning standing of SKI Carbon, the Authority notes that the matter has been elaborately examined in the relevant part of this final finding. On the basis of information furnished by the applicants, the Authority notes that during the POI while the volume of exports made by the related companies from Thailand is insignificant, the exports made by the related Chinese companies constitutes an insignificant percentage of the total exports of the subject goods made by China to India during the POI considering (i) the total imports of subject goods to India during the POI (ii) the total imports of subject goods to India from the subject countries during the POI (iii) the total Indian production, (iv) domestic sales of the domestic industry, (v) demand for subject goods in India and (vi) production of SKI.
- v. As regards the contention that the application of the domestic industry should be rejected as the related producers/exporters of the applicants have not filed questionnaire responses, the Authority notes that the issue has been well examined in the relevant part of this final finding. The exports of subject goods made by the related parties are not only insignificant, but also imported by the importers through duty free licensees. In view of this, the Authority has considered both the applicant industries in the present investigation as domestic industry within the meaning of the Rules.
- vi. As regards the contention that imports made under advance licenses should not be treated differently for standing and for the purposes of injury analysis, the Authority notes imports made under advance license, if any, should not debar the domestic industry from being treated as eligible domestic industry because these imports are on actual user basis and meant for production and export. However, the imports made under advance licenses cannot be considered to have not affected the price in the domestic market. An Advance license/authorization holder has a choice either to import the inputs on a duty free basis or procure the same from indigenous sources by using the mechanism of Advance Release Order. The purpose of injury analysis is to examine and capture the effect of dumped imports on the domestic industry. Therefore, it would not be reasonable to exclude all duty free imports for the purpose of injury analysis. Further, import under advance license is a benchmark for the price at which goods can be imported by a consumer after payment of taxes and duties. Therefore, it is not appropriate to hold a view that imports made under advance license do not cause injury to the domestic industry.
- vii. The authority has consistently taken ROCE at the rate of 22% for determination of non-injurious price. As regards the inter-se competition and other intrinsic factors of injury, none of the interested parties have submitted evidences substantiating the impact of inter-se competition and other intrinsic factors on the performance of domestic industry.
- viii. Regarding disclosure of the methodology of determination of non injurious price (NIP), is clearly stated in the disclosure statement that NIP has been determined by the Authority as per the provisions laid down under Annexure III of the anti-dumping Rules. Moreover, Annexure IV of the disclosure statement provides the methodology for determination of NIP.

- ix. The enhancement of duty in mid-term review and imposition of safeguard duties does not debar the domestic industry to seek review of the anti-dumping duties. The enhancement of anti-dumping duty pursuant to review investigation demonstrated that producers/exporters are intensifying dumping, supporting the request of domestic industry seeking sunset review investigation. As regards the determination of negative price undercutting in the disclosure statement, the injury determination will be based on Annexure II of anti-dumping Rules, taking into account all relevant facts including the volume of dumped imported, the effect on price in the domestic market for the like article.
- x. As regards the contention that the applicant has failed to provide country-wise and grade-wise injury margin., the Authority notes that the non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry, as determined by the Authority, has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during POI. In view of significant difference in the cost of production of different grades, separate non injurious price has been determined for each grade of subject goods sold by the domestic industry. Further, in view of significant difference in cost of production over time period within the POI, separate non injurious price has been calculated for each quarter of the period of investigation. The weighted average injury margin has been determined considering comparable grades and the same time period. Eventual injury margin has been determined for the entire 'period of investigation' and for the 'product under consideration' as a whole by considering associated import volumes.
- xi. As regards the submission that DGCI&S transaction wise imports data relied upon by the Authority should be provided to the interested parties, the Authority notes that the transaction-wise imports data of DGCI&S contains commercially sensitive information pertaining to the exporters and the importers and therefore being confidential in nature it cannot be divulged by the Authority. Nevertheless, the relevant imports data has been submitted by the domestic industry and made available by the Authority in the public file.
- xii. As regards the contention that the Central Government can only extend the period of anti-dumping duty and cannot modify the quantum of anti-dumping duty, the Authority notes that it is a seer misinterpretation of the intent of law. Otherwise, any such provision not empowering the Central Government to modify the nature and quantum of the anti-dumping duty would make the domestic industry remediless despite injury caused by continued/intensified dumping of goods post original determination.
- xiii. As regards the contention that the normal value prevailing in the subject countries including Thailand could have been used for determination of Normal Value for China as the related producers/exporters of the applicant domestic industry are located in Thailand, the Authority notes that none of the interested parties have furnished the relevant information in this regard. Moreover, Thailand and China cannot be treated as at the same level of economic development for determination of normal value for China.
- xiv. The injury to domestic industry has been claimed on accounts of imports from subject countries including the imports under Advance Licenses. The Domestic industry on the other hand has imported goods under Advance License claiming to be meant for exports. There is no reason why the imports by SKI Carbon could not have caused injury to domestic industry. The injury examination should be done separately for imports under Advance Licenses.
- xv. As regards the contention that domestic industry has also claimed injury due to imports from Korea without providing evidences for the same, the Authority notes that an anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from Korea RP is in progress.

Q. CONCLUSIONS

93. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in this finding and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i) There is continued dumping of the product concerned from China PR and Russia, causing injury to the domestic industry.

- ii) Both price undercutting and underselling effects of dumped imports from China PR and Russia are positive.
- iii) The financial performance of the Domestic Industry has deteriorated. During the POI, the domestic industry has shown negative growth in terms of the economic parameters such as production, sales, profitability and ROCE. The dumped imports from China PR and Russia continue to cause injury to the domestic industry.
- iv) Dumping of the product under consideration from China PR and Russia is likely to continue/intensify should the current anti-dumping duty be revoked.

R. Recommendations

94. Having concluded as above, the Authority is of the view that the anti-dumping measures are required to be extended only in respect of China PR and Russia as specified in the duty table below. The Authority is of the further view that in respect of Thailand, in view of the negative injury margin determined by the Authority during the POI as well as post POI, the anti-dumping duty is required to be revoked. Therefore, Authority considers it necessary to recommend continued imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from China PR and Russia, in the form and manner as described in the duty table given below and revocation of the anti-dumping duty in respect of Thailand.
95. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR and Russia, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col. 8 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR and Russia.

Duty Table

No.	Heading/ Subheading	Description of goods *	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28030010	Carbon Black used in rubber applications	China PR	China PR	(i) Wuhai Black Cat Carbon Black Co., Ltd (ii) Handan Black Cat Carbon Black Co. Ltd (iii) Chaoyang Black Cat Carbon Black Inc., Ltd. (iv) Hancheng Black Cat Carbon Black Co., Ltd (v) Tangshan Black Cat Carbon Black Inc. Ltd (vi) Taiyuan Black Cat Carbon Black Co., Ltd	Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd.	397.10	MT	US Dollar
2	-do-	-do-	China PR	Any	Any	Any	494.00	MT	US Dollar
3	-do-	-do-	Any	China PR	Any	Any	494.00	MT	US Dollar
4	-do-	-do-	Russia	Russia	Any	Any	36.17	MT	US Dollar
5	-do-	-do-	Russia	Any	Any	Any	36.17	MT	US Dollar
6	-do-	-do-	Any	Russia	Any	Any	36.17	MT	US Dollar

* Note: Thermal Black and Carbon Black grade meant for semi conductive compound applications are excluded from the scope of the product under consideration.

S. Further Procedures

96. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

A. K. BHALLA, Designated Authority
